समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

3 कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका
भाषा
सत्र 2025–2026

निपुण सूची - हिंदी (कक्षा-3)

खंड	कोड	दक्षताएँ
मौखिक भाषा	H301	7-10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव-भाव एवं उतार-चढ़ाव के साथ सुनाना।
	H302	सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना।
	H303.1	घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3-4 वाक्यों में रखना।
	H303.2	चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में स्थानीय भाषा में 3-4 वाक्यों में बताना।
	H304.1	कविता/ कहानी से जुड़े 4-5 तथ्यात्मक एवं 2-3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशलों के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में देना।
	H304.2	10-12 वाक्यों की कहानी को सुनकर समझना और उसे स्थानीय भाषा में घटनाक्रम के अनुसार सुनाना।
	H304.3	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को स्थानीय भाषा में हाव-भाव के साथ 6-8 वाक्यों में सुनाना।
	H305	परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा करना, जैसे- पाठ की मुख्य बातें बता पाना, चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण करना।
पठन	H306	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ना।
	H307	पाठ/आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से संबंधित अभ्यासों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर उनके अनुसार कार्य करना।
	H308	आयु उपयुक्त अज्ञातपाठ/ 8-12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों (तथ्यात्मक एवं उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) का उत्तर स्थानीय भाषा में देना।
लेखन	H309	विभिन्न उद्देश्यों जैसे- किसी चित्र/कहानी/घटना पर अपने अनुभव/विचार साझा करने के लिए 1-2 वाक्यों में लघु संदेश लिखना।
	H310	अपने लेखन में संज्ञा शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों का उपयोग करना।
	H311	व्याकरण की दृष्टि से सटीक वर्तनी के साथ वाक्य लिखना।
	H312	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियाँ 3-4 वाक्यों में लिखना।

उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका
कक्षा-3 (भाषा)

शिक्षक का नाम ____________________

विद्यालय का नाम ____________________

विकास खंड ____________________

जनपद ____________________

आइए, संकल्प लें - 'हम बनाएँगे निपुण प्रदेश'

संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई.ए.एस, अपर प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संकल्पना : श्रीमती कंचन वर्मा, आई.ए.एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
श्रीमती एकता सिंह, आई.ए.एस, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

निर्देशन : श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ
डॉ. पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.), कृते निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ

समन्वयन : श्री आनन्द कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
श्री पी.एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा

विशेष सहयोग : श्री रमेश चंद्र और श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

समीक्षा : श्री नवल किशोर (प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), श्री अनिल कुमार (सहायक उप-शिक्षा निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. निहारिका कुमार (शोध प्राध्यापक, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), श्रीमती दीपा मिश्रा (शोध प्राध्यापक, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज), श्री योगीराज मिश्र (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज)

लेखन मंडल : श्री राधेश्याम दीक्षित (एस.आर.जी/सहायक अध्यापक, कम्पोजिट विद्यालय, बरौंहा, बहुआ, फतेहपुर), श्री अशोक पाल (एस.आर.जी/सहायक अध्यापक, कन्या प्राथमिक विद्यालय, लोदीपुर निवादा, मुस्करा, हमीरपुर), श्री सत्यदेव पाण्डेय (एस.आर.जी/सहायक अध्यापक, पी.एम. श्री कम्पोजिट विद्यालय, चरथई, धनपतगंज, सुलतानपुर), श्री विमल किशोर (इंचार्ज प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, मीनापुर, मोनहलालगंज, लखनऊ), श्री शिव कुमार (एस.आर.जी/प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय तिरवाया, विकास खण्ड राया, मथुरा)

श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री विशाल कश्यप, सुश्री सुप्रिया घोष - **लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन**

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : अरविन्द गोयल (रामा पब्लिकेशन्स), दिल्ली

आभार : संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

शिक्षा सत्र : 2025-2026

मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंत पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं ह्रीम लेड एण्ड ह्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. x 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ ह्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिंट साइज : 15.9 सेमी. x 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. x 24.13 सेमी. है।

उत्पादन: पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.
© उत्तर प्रदेश शासन

वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर (2025-2026)

- अकादमिक वर्ष 2025-26 में कुल 25 सप्ताह में शिक्षण कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह की योजना 6 शैक्षणिक दिवसों में पूरी की जाएगी। प्रत्येक शैक्षणिक दिवस में भाषा शिक्षण के लिए तीन कालांश निर्धारित हैं।
- **पहले कालांश** में पाठ्यपुस्तक, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर आधारित कार्य किया जाएगा। **दूसरे कालांश** में समझ के साथ पढ़ने एवं **तीसरे कालांश** में पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवसों में रिमीडियल पर कार्य किया जाएगा।
- प्रत्येक दिन तीनों कालांशों का कार्य पूरा होने पर आप इस ट्रैकर को भरेंगे। इस ट्रैकर की सहायता से आप अपने शिक्षण कार्य को ट्रैक कर पाएँगे।

ट्रैकर भरने का नमूना

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनांक भरें।

09 / 07 / 2025 → 15 / 07 / 2025 (रविवार एवं अन्य अवकाशों को छोड़कर)

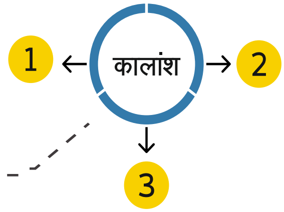

सप्ताह 1 — 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

सावधिक पुनरावृत्ति कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनांक भरें।

22 / 09 / 2025 → 27 / 09 / 2025

सप्ताह 13 और 20 — 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

☞ यहाँ दिनांक को केवल उदाहरण मात्र के लिए दिया गया है।

सप्ताह	दिनांक	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 1	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 2	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 3	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 4	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 5	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 6	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 7	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 8	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 9 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 10 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 11 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 12 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 13 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 14 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 15 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 16 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 17 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 18 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 19 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 20 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 21 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 22 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 23 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 24 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 25 1 2 3 4 5 6

संदर्शिका का उपयोग

संदर्शिका के मुख्य भाग

भाग-1

सैद्धांतिक भाग - 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा 2023' की प्रमुख अनुशंसाओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा-3 की शिक्षक संदर्शिका का विकास किया गया है। शिक्षक संदर्शिका के सैद्धांतिक भाग में मुख्य रूप से समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ, भाषा विकास मे प्रश्नों का महत्व, स्वतंत्र लेखन और बच्चों को मदद करने की प्रक्रिया दी गई है।

भाग-2

शिक्षण योजनाएँ - अकादमिक वर्ष 2025 -26 में कक्षा-3 हेतु कुल 150 दिनों की शिक्षण योजनाएँ इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। भाषा की प्रत्येक दिवस की शिक्षण योजना को 3 कालांशों में बाँटा गया है। ये सभी शिक्षण योजनाएँ भाषा के चार खंडीय मॉडल को ध्यान में रखकर विकसित की गई हैं जिनमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ने की दक्षताएँ, प्रवाहपूर्ण पठन एवं लेखन शामिल हैं।

भाग-3

कालांशों की गतिविधियों का विवरण - शिक्षक संदर्शिका में शिक्षण योजनाओं के बाद प्रत्येक दिवस के भाषा के तीनों कालांशों की अलग-अलग गतिविधियों का विस्तृत विवरण एवं इन गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीति दी गई है। इसी भाग में आकलन एवं रिमीडियल शिक्षण की रणनीति एवं साप्ताहिक आकलन ट्रैकर भी दिए गए हैं।

शिक्षण प्रक्रियाएँ

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। ये शिक्षण योजनाएँ कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं।

हर सप्ताह की शुरुआत में

- इस सप्ताह के पाठ एवं गतिविधियों को समझ लें।

दिवस 6 — हर सप्ताह के अंत में

- साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के द्वारा प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिह्नित करें। आगामी सप्ताह की रिमीडियल कार्य योजना को इस जानकारी के आधार पर बनाएँ।

हर दिन की शुरुआत में

- कक्षा में जाने से पूर्व शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार पहले से तैयारी कर लें।
- शिक्षण दिवस की आवश्यक शिक्षण सामग्रियों (संदर्शिका, अन्य शिक्षण अधिगम सामग्री आदि) को लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जाँच करें और उन्हें आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर भरें।

सावधिक पुनरावृत्ति सप्ताह 13 और 20 में

- सप्ताह-13 में सप्ताह 1-12 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।
- सप्ताह-20 में सप्ताह 1-19 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।

विषय सूची

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा - 2023 — 7

इसमें आप राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में बुनियादी भाषा शिक्षण से संबंधित अनुशंसाओं के बारे में जान और समझ सकते हैं। अकादमिक वर्ष 2025-26 की भाषा की शिक्षण योजना इन अनुशंसाओं से संरेखित है।

स्वतंत्र लेखन — 8

स्वतंत्र लेखन क्या है और उस पर कार्य करने की रणनीति इस भाग में दी गई है।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ — 9-10

भाषा शिक्षण की जिन रणनीतियों के द्वारा कक्षा-कक्ष में समझ के साथ पढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर किया जा सकता है, उनकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व — 11

भाषा शिक्षण की प्रक्रिया में बच्चों से सतत रूप से उच्चस्तरीय प्रश्न पूछते रहने से उनकी भाषायी दक्षताओं का बेहतर विकास किस तरह होता है एवं किस तरह से शिक्षक बच्चों से उच्चस्तरीय प्रश्न पूछें, इसकी जानकारी इस भाग में मिलेगी।

2025-26

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य — 12

वार्षिक शिक्षण योजना एवं शिक्षण उद्देश्यों की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस

साप्ताहिक शिक्षण चक्र — 13

किसी एक सप्ताह में भाषा शिक्षण की प्रक्रिया कैसी होगी एवं किसी एक दिन के तीनों कालांशों की प्रक्रिया कैसी होगी, इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस

साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ — 14

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों के संदर्भ पृष्ठों की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

शिक्षण सामग्रियों का विवरण — 15

1 2 3 **कालांशों की रूपरेखा** — 16

दैनिक शिक्षण योजनाएँ — 17-156

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों के बारे में योजनाएँ, आपको इस भाग में मिलेगी।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 157-168

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 169-172

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 173-174

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य — 175-180

मौखिक भाषा विकास का आकलन — 181

कहानियाँ और कविताएँ — 182-190

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर — 191-196

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा - 2023

‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020’ के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए **‘राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा-2023’** का विकास किया गया है। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के सारे आयामों पर चर्चा की गई है और साथ ही, अलग-अलग रणनीतियों द्वारा इसे कैसे क्रियान्वित किया जाए, इस पर भी चर्चा की गई है। इस दस्तावेज के विकास में इस बात का प्रमुखता से ध्यान रखा गया है कि इसके अलग-अलग घटकों में बच्चों के संदर्भ, सभ्यता, संस्कृति संबंधित उदाहरण प्रचुर मात्रा में आएँ।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा अपने प्रस्तावना में ही यह बात स्पष्ट रूप से सुझाती है कि कक्षा में बच्चों को रटने या परीक्षा के लिए सीखने के बजाय, अवधारणात्मक समझ के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही तार्किक ढ़ंग से सोचने, निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं समालोचनात्मक चिंतन आधारित गतिविधियों को कक्षा-कक्ष में सुनिश्चित करने की बात की गयी है। **(NCF SE 1.3.2)**

‘राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा-2023’ के निर्देशक तत्त्व

संरचित शिक्षणशास्त्र (NCF SE, खंड-1.1, 1.1.2, 1.3.3)

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा-2023 कक्षा-कक्ष में प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाओं के संचालन हेतु **‘संरचित शिक्षणशास्त्र’** आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन की अनुशंसा करता है। संरचित शिक्षण शास्त्र में मुख्य रूप से अधिगम प्रतिफलों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण योजनाओं का विकास किया जाता है। बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री और शिक्षकों के लिए शिक्षक संदर्शिकाओं की उपलब्धता के साथ-साथ नियमित आकलन एवं रिमीडियल शिक्षण योजनाओं के द्वारा शिक्षण कार्य को क्रियान्वित किया जाता है। साथ ही कक्षा-कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया बेहतर और प्रभावी हो, इसके लिए संरचित शिक्षणशास्त्र आधारित शिक्षक प्रशिक्षण एवं शिक्षकों को नियमित सहायता एवं फीडबैक प्रदान किया जाता है। ए.आर.पी., एस.आर.जी., डायट मेंटर्स द्वारा किए गए सहयोगात्मक पर्यवेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का सतत विश्लेषण करते हुए योजना को और बेहतर बनाने का प्रयास भी किया जाता है।

कक्षा-3 की भाषा एवं गणित की कार्यपुस्तिकाएँ, शिक्षक संदर्शिकाएँ, शिक्षक प्रशिक्षणों की योजनाएँ एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण चेकलिस्ट संरचित शिक्षणशास्त्र को ध्यान में रखकर ही विकसित की गयी हैं।

‘राष्ट्रीय पाठ्यचर्या : स्कूली शिक्षा-2023’ और अकादमिक वर्ष 2025-26 की शिक्षण योजनाओं और सामग्रियों से जुड़ाव

भाषा शिक्षण की चार खंडीय मॉडल द्वारा शिक्षण कार्य (NCF SE, खंड 1.5.3)

NCF SE 2023 का यह स्पष्ट रूप से मानना है कि बुनियादी स्तर पर बच्चों को बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना, सब समानान्तर रूप से एक साथ सिखाए जाने की आवश्यकता है। वर्ष 2025-26 की भाषा की शिक्षण योजनाएँ भाषा के चार खंडीय मॉडल पर ही आधारित हैं। भाषा के तीनों कालांशों में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, लेखन पर एक साथ एवं सतत रूप से कार्य किया जाता है।

खेल-खेल में सीखना (NCF SE, खंड 1.5.2)

भाषा के अलग-अलग कालांशों में खेल के द्वारा सीखने, आपसी संवाद द्वारा सीखने पर काफी जोर दिया गया है। इसके लिए सृजनात्मक खेल, मौखिक भाषा विकास के खेल, शब्द अन्त्याक्षरी, खोजे-जाने आदि जैसी गतिविधियाँ दी गयी हैं। भाषा के तीनों कालांशों में ऐसे अवसर भी प्रचुर मात्रा में दिए गए हैं, जिनमे बच्चे आपस में मिलकर, जोड़ियों में, समूहों में कार्य करते हुए सीखने का प्रयास करेंगे।

बच्चे के घर की भाषा को महत्व देना (NCF SE, खंड-2.2.1)

NCF SE 2023 बुनियादी भाषा शिक्षण में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक उपयोग की अनुशंसा करता है। वर्ष 2025-26 के भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में इस बात का विशेष ध्यान दिया गया है कि शिक्षक बच्चों को उनके घर की भाषा के उपयोग को अधिकाधिक प्रोत्साहित करें। इसके लिए किसी चित्र, कविता, कहानी, अनुभव आदि पर बच्चों को अपने घर की भाषा में विचार रखने के लिए प्रोत्साहित करना, पाठ्यपुस्तक के पाठों के कठिन / अमूर्त शब्दों के अर्थ को बच्चों के स्थानीय भाषा में बताना आदि शामिल हैं ।

अन्य महत्वपूर्ण आयाम (NCF SE, खंड 1.5.1, 1.3)

NCF SE 2023 की कुछ अन्य बेहद महत्वपूर्ण अनुशंसाओं को भी वर्ष 2025-26 की अकादमिक योजना में शामिल किया गया है, जैसे- शिक्षक एवं बच्चों के मध्य सकारात्मक सम्बन्धों के सतत विकास हेतु सौहार्दपूर्ण गतिविधियाँ, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ दी गयी हैं। इसके साथ ही साप्ताहिक आकलन एवं उसके विश्लेषण के आधार पर सप्ताह के पहले 5 दिनों में रिमीडियल शिक्षण की योजना भी बनाई गई है। इन सारी प्रक्रियाओं के क्रियान्वयन के द्वारा हम निश्चित ही कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर पाएँगे।

स्वतंत्र लेखन

ध्वनियों के प्रतीकों को लिखित रूप में बदल देना ही लेखन नहीं है और न ही लिखे हुए शब्दों की आकृतियों को हू-ब-हू कागज पर उतार देना है। लिखना, अपनी सोच या समझ को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है। जिस तरह पढ़ने में सोचना-समझना शामिल है उसी तरह लेखन में भी सोचना-समझना शामिल है। इसके माध्यम से हम अपने विचार, अपनी भावनाएँ, अपने मत, विरोध, जिज्ञासा या विषय पर आधारित जानकारी दूसरों को व्यक्त करते हैं। अतः लेखन में हम अपने पूर्व अनुभव, पूर्वज्ञान का उययोग करते हुए अपने विचार दूसरे पाठकों के लिए लिखते हैं।

प्रारम्भिक कक्षाओं में स्वतंत्र लेखन : लेखन कौशल हमारे लिए एक स्वाभाविक कौशल नहीं है। स्वतंत्र रूप से लिख पाने के पहले बच्चों को बहुत सारे चरणों एवं मील के पत्थरों से होकर गुजरना पड़ता है। जैसे-

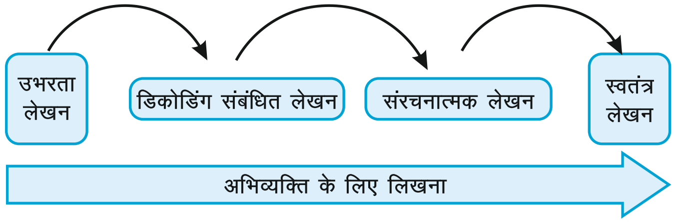

आइए, एक उदाहरण की मदद से समझते हैं कि अगर कक्षा-3 के किसी बच्चे को **'मेरा पसंदीदा त्योहार'** के बारे में लिखना हो तो विषय पर सोचना और लिख पाने की प्रक्रिया क्या होगी?

1. **लेखन का आयोजन :** शीर्षक - आओ मनाएँ होली। रंग, पिचकारी, गुजिया, होली की पूजा। लेख पढ़कर होली याद आनी चाहिए।
2. **प्रथम ढाँचा तैयार करना :** लेखन की शुरुआत कैसे करूँ? मुझे होली क्यों पसंद है- इसके बारे में अंत में लिखती हूँ।
3. **जाँच करना :** क्या मेरा निबंध पढ़ने में रोचक है? क्या वर्तनी और व्याकरण सही है?
4. **लेखन को सुधारना :** इस वाक्य के अंत में प्रश्नचिह्न आएगा। 'अच्छा' की जगह 'सुंदर' लिख सकती हूँ।
5. **प्रकाशित / साझा करना :** एक बार खुद पढ़ लूँ, फिर सबको पढ़कर सुनाऊँगी।

लेकिन प्रायः बच्चे लेखन की इस प्रक्रिया के स्वरूप के बारे में नहीं सोच पाते। इसलिए हमें हमारी कक्षाओं में स्वतंत्र लेखन के इस प्रक्रिया को करके दिखाने की आवश्यकता है, जिससे बच्चे सीख सकें कि अपने लेखन कार्य को किस तरह प्रस्तुत किया जाता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को स्वतंत्र रूप से लिखने के भरपूर मौके मिलने चाहिए। कक्षा-3 की शिक्षण योजना के अनुसार बच्चों को दैनिक रूप से स्वतंत्र लेखन करने के मौके उपलब्ध हैं। जैसे- चित्र कहानी पोस्टर, अनुभव एवं मौखिक कहानी आधारित, कार्यपुस्तिका एवं पाठ्यपुस्तक पर आधारित स्वतंत्र लेखन कार्य। हमें यह भी समझने की जरूरत है कि किस प्रकार की गतिविधियाँ एवं कक्षा प्रक्रियाएं बच्चों को स्वतंत्र लेखन के लिए कोई भी मदद नहीं करतीं।

गतिविधियाँ जो स्वतंत्र लेखन में मदद नहीं करती हैं।

1. कक्षा के बोर्ड पर लिखे ककहरा 'क', 'ख', 'ग', 'घ' को कॉपी में लिखवाया जाता है।
2. कुछ शब्द बोर्ड से या किताब से उतारकर कॉपी में लिखवाए जाते हैं।
3. बारहखड़ी 'क', 'का', 'कि', 'की' कॉपी में लिखवाई जाती है।
4. किताब में दिए प्रश्नों के उत्तरों पर निशान लगवाकर प्रश्न और उत्तर दोनों को कॉपी में लिखवाया जाता है।
5. किताब के किसी अंश को कॉपी में लिखवाया जाता है।
6. शिक्षक बोलते हैं और बच्चे लिखते हैं। (श्रुतलेख)

शिक्षक के तौर पर हमारी भूमिका : एक शिक्षक के तौर पर कक्षा-कक्ष में स्वतंत्र लेखन पर कार्य करवाते समय निम्न बिंदुओं पर ध्यान देना / रणनीतियों के अनुसार कार्य करना बेहतर होगा -

- स्वतंत्र लेखन में अभिव्यक्ति की प्रधानता होती है इसलिए बच्चों के स्वतंत्र लेखन कार्य पर फीडबैक देते समय भाषा के संरचनात्मक पहलुओं को द्वितीयक मानना।
- चित्र कहानी पोस्टर, अनुभव, कहानी, कार्यपुस्तिका एवं पाठ्यपुस्तक पर आधारित स्वतंत्र लेखन कार्य करवाते समय बच्चों से कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछकर उनके पूर्वज्ञान, जिज्ञासा, कल्पना, विचार को जागृत करना।
- एक ही विषय पर स्वतंत्र लेखन कार्य के दौरान अलग-अलग तरह के लेखन की अपेक्षा करना एवं इसे अच्छा मानना।
- बच्चों को पूरे-पूरे वाक्यों में लिखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- बच्चों का ध्यान इस बात पर आकृष्ट करना कि लिखित सामग्री के वाक्य एक-दूसरे से जुड़ें है एवं उनमें एक क्रम है।
- बच्चों को फीडबैक देते समय यह बातचीत करना कि लिखित सामग्री विषय से संबंधित है, उसमें एक स्पष्ट शुरुआत एवं अंत है।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ

भाषा शिक्षण में पढ़ने की प्रक्रिया तभी पूरी मानी जाती है, जब उसमें **'समझ'** शामिल हो। एक शिक्षक के रूप में कक्षा-कक्षीय प्रक्रियाओं में आपको बच्चों के साथ ऐसी रणनीतियों/तरीकों का प्रयोग करना चाहिए जिन्हें बच्चे समझते हुए पढ़ने की प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इसके लिए एक शिक्षक के रूप में आप निम्नलिखित रणनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं- (अकादमिक सत्र 2025-26 में भाषा की शिक्षण योजनाओं में हम इन सभी रणनीतियों पर कार्य कर रहे हैं)

अनुमान लगाना

कक्षा-कक्षीय प्रकिया में आप बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे बच्चे अब तक के ज्ञान और जानकारी के साथ-साथ पाठ में दिए गए चित्रों/जानकारियों आदि के आधार पर अनुमान लगा पाएँ। बच्चों से अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न, पाठ पढ़ने के पहले और पाठ पढ़ने के बाद भी पूछने चाहिए। जैसे-

- आपको क्या लगता है कि यह पाठ किसके बारे में होगा ? (पढ़ने के पहले)
- आपको क्या लगता है कि इस कहानी का नाम क्या होगा? (पढ़ने के पहले)
- आपने पाठ पढ़ने से पहले जो अनुमान लगाया था और जो पाठ पढ़ने के बाद हुआ, क्या उसमें अंतर है और क्यों? (पढ़ने के बाद)

I3Q3A7

पूर्वज्ञान से जुड़ाव

बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे वे अपने पहले के ज्ञान को पाठ में दिए गए तथ्यों और विचारों से जोड़ पाएँ। पूर्वज्ञान से जुड़े सवाल, पाठ के पहले और बाद में भी पूछे जा सकते हैं। जैसे -

- आपको इसके बारे में और क्या-क्या पता है?
- आपको क्या लगता है कि ऐसा क्यों होता है?

B7R4D5

इन दोनों उच्चस्तरीय प्रश्नों के अतिरिक्त भी विभिन्न तरह के उच्चस्तरीय प्रश्नों द्वारा बच्चों की समझ को समृद्ध और मजबूत किया जा सकता है। इन पर अगले खंड में विस्तृत बातचीत की गई है।

सार संकलित करना/फिर से सुनाना

दोबारा सुनाने और सार संकलन करने से भाषायी दक्षताओं का विकास होता है। इससे कहानी की संरचना बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों एवं सूचनाओं को क्रमबद्ध करने में सहायता मिलती है। इस रणनीति पर आप बच्चों के साथ निम्न तरीके से कार्य कर सकते हैं-

- शुरुआत में आप स्वयं करके बच्चों को दिखाएँ कि अपने शब्दों में कहानी कैसे सुनाई जा सकती है।
- कहानी अपने शब्दों में सुनाते हुए बीच-बीच में रुक कर, बच्चों को कहानी से संबंधित कुछ जानकारी जोड़ने के लिए कह सकते हैं।
- बच्चों को पूरी कहानी अपने शब्दों/संक्षिप्त में सुनाने के लिए भी प्रेरित किया जा सकता है। इस दौरान अगर बच्चे अपनी तरफ से कुछ अतिरिक्त भी जोड़ते हैं, तो बच्चों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

पाठ के बारे में मानसिक छवि बनाना

बच्चे अपनी कल्पनाशक्ति से पाठ पढ़ते समय उसके पात्रों, घटनाओं की मानसिक छवियाँ बनाते हैं। कक्षा-कक्ष में आप इसको बढ़ावा देने के लिए कुछ कार्य करा सकते हैं। जैसे-

- **किसी पात्र, दृश्य या घटना का चित्र बनवाना :** आप बच्चों से कहानी के पात्रों/घटनाओं के चित्र बनाने एवं

उस पर अपनी समझ लिखित रूप से अभिव्यक्त करने को कहें (ध्यान रखें कि ऐसे चित्र पहले से पाठ में न दिए गए हों)। बच्चों से जोड़ियों/समूहों में इन चित्रों पर चर्चा करने के लिए कहें और उनकी अपनी समझ को कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना

विषय की गहरी समझ विकसित करने हेतु कक्षा-कक्ष में शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना एक कारगर रणनीति हो सकती है। कक्षा-3 में किस तरह के प्रश्न आपके द्वारा पूछे जाने चाहिए एवं इन प्रश्नों के पूछे जाने का महत्त्व क्या है? आदि के बारे में विस्तृत जानकारी आपको इस शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 11 खंड **'भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व'** में मिलेगी।

पाठ का चित्रीय संयोजन

कहानी में घटित घटनाओं के क्रम, सम्बन्धों और किरदारों (पात्र) की विशेषताओं की छवियाँ बनाने के लिए, इस रणनीति का प्रयोग किया जा सकता है। आप बच्चों के साथ निम्न तरह से कार्य कर सकते हैं -

- **विवरण/अवधारणा मानचित्र :** इसमें किसी पाठ की केन्द्रीय जानकारी को दर्शाया जाता है। उदाहरण के लिए- **पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ-9 'प्रकृति पर्व फूलदेई'** से कहानी के पात्र विवरण का एक चित्रीय संयोजन देखें-

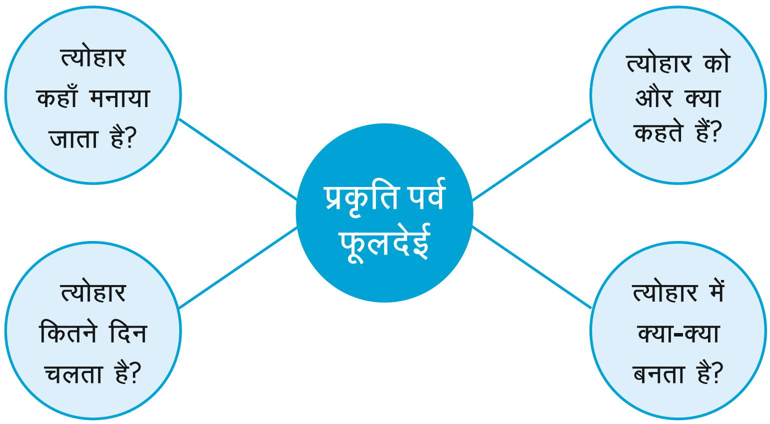

R5L8M6

इन रणनीतियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरणों के लिए ऊपर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना/बनाना एक उच्चस्तरीय भाषायी कौशल है। पाठ को समझने की प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में बच्चे प्रश्न पूछ सकें (प्रश्न पूछने का कौशल), इसके लिए निम्न प्रक्रिया की जा सकती है-

- बच्चों को छोटे-छोटे समूहों/जोड़ियों में बाँट दें।
- हर समूह/जोड़ी को आपस में चर्चा करके दी गई कहानी/पाठ्यांश पर कुछ प्रश्न बनाने के लिए कहें।
- इसके बाद प्रत्येक समूह/जोड़ी, दूसरे समूहों/जोड़ियों से प्रश्न पूछेंगे एवं उनका उत्तर देंगे।
- बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु उनसे कहा जा सकता है कि जिस समूह/जोड़ी के बनाए या पूछे प्रश्न बाकी लोगों को अच्छे लगेंगे उनके लिए सभी ताली बजाएंगे।
- बच्चों को बंद छोर (तथ्य आधारित) एवं खुले छोर (विवेचनात्मक) प्रश्नों को बनाने के लिए प्रेरित करें।
- शुरुआती दौर में प्रश्न बनाने में बच्चों का सहयोग करें।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व

भाषा शिक्षण के दौरान कक्षा में बच्चों से प्रश्न पूछना, उनकी समझ को बढ़ाने का एक कारगर तरीका है। इस अकादमिक सत्र में भाषा की शिक्षण योजनाओं में बच्चों से प्रश्न पूछने के अत्यधिक अवसर दिए गए हैं।

H6U6V1

प्रश्नों की प्रकृति और पूछे जाने का तरीका कक्षा-कक्ष में मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं-

बंद छोर के प्रश्न/तथ्य आधारित प्रश्न :

ऐसे प्रश्नों का उत्तर प्रायः 'हाँ/नहीं' अथवा कुछ शब्दों में देना होता है। ऐसे प्रश्नों के जवाब देने में बच्चों को अधिक चिंतन की जरुरत नहीं होती है एवं इनके एक ही जवाब होते हैं। जैसे- चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है? आदि। **(पाठ्यपुस्तक वीणा-1 पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी')**

खुले छोर के प्रश्न/विवेचनात्मक प्रश्न :

खुले छोर के प्रश्न मुख्य रूप से ऐसे होते हैं जिनका कोई एक उत्तर नहीं दिया जा सकता है। ऐसे प्रश्नों के उत्तर देने में बच्चों के पूर्वज्ञान, संदर्भ, परिवेश, कल्पना शक्ति, अनुमान लगाने और विश्लेषण करने की क्षमता का प्रयोग होता है। जैसे- चिड़िया अपना घर बनाने के लिए तिनके कहाँ से लाती होगी? आदि। **(पाठ्यपुस्तक वीणा-1 पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी')**

शिक्षक जितने अधिक खुले छोर के सवाल बच्चों से पूछते हैं और उन पर बच्चों को सोचने, विचार करने का समय और मौका देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने का कौशल और समझने की क्षमता विकसित होती है।

खुले छोर के प्रश्न (विवेचनात्मक प्रश्न)

खुले छोर (विवेचनात्मक) के प्रश्नों के विभिन्न उदाहरण हम नीचे देख सकते हैं-

- **पूर्वज्ञान आधारित प्रश्न :** ऐसे प्रश्न मुख्य रूप से बच्चों के पूर्वज्ञान से जुड़े हुए होते हैं।
  - आपने सबसे छोटा कौन-सा कीट देखा और कहाँ देखा है? **(वीणा-1 पाठ-2 'चींटी')**
- **अनुमान लगाने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चा अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर, यह सोचते हुए दे सके कि आगे क्या होगा?
  - चित्र में दिखाए गए बच्चे और व्यक्ति आमों का क्या करेंगे? **(वीणा-1 पाठ-5 'आम का पेड़')**
- **जीवन और अनुभवों से जोड़ने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चे अपने पहले के अनुभवों और जीवन की घटनाओं/समझ से जोड़कर दे सकते हैं-
  - आपको कौन-कौन से काम अच्छे लगते हैं? **(वीणा-1 पाठ-12 'अपना-अपना काम')**
- **स्वयं निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनमें बच्चे पाठ को समझकर, उसका सार बता सकें या कहानी का नया नाम सोच सकें।
  - इस कहानी में आपको किसका काम सबसे अच्छा लगा और क्यों? **(वीणा-1 पाठ-12 'अपना-अपना काम')**
- **कल्पना से संबंधित :** ऐसे प्रश्न, जिनके उत्तर में बच्चे कुछ नई बात/संकल्पना/घटना आदि जोड़ सकें या कहानी को आगे बढ़ा सकें।
  - यदि आपको समाज के लिए उपयोगी काम करने का अवसर मिले तो आप कौन-सा काम करेंगे? **(वीणा-1 पाठ-13 'पेड़ों की अम्मा थिमक्का')**

2025-26

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक सत्र 2025-26 के शिक्षण उद्देश्यों को निपुण सूची, (शिक्षण योजना), शिक्षण योजना, (कार्यपुस्तिका) कार्यपुस्तिका और (पाठ्यपुस्तक) पाठ्यपुस्तक से संरेखित करके बनाया गया है।

सप्ताह	वार्षिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या (शिक्षण योजना)	पृष्ठ संख्या (कार्यपुस्तिका)	पृष्ठ संख्या (पाठ्यपुस्तक)
सप्ताह 1-4	**कक्षा-2 की दक्षताओं की पुनरावृत्ति** • वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान (सभी वर्ण और मात्राएँ) • वाक्यांश और वाक्य पठन (4-7 सरल शब्द) - डिजिटल कार्यपुस्तिका भाग-1 • कहानी/चित्र कहानी पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य • पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	17-40	Digital	
सप्ताह 5-7	1 पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ 1-3 पर कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य : वाक्यांश एवं वाक्य पठन (3-5 वाक्य और 20-25 शब्द) 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य : पठन अभ्यास एवं रिमीडियल कार्य	41-58	5-19 123-128	1-24
सप्ताह 8-12	1 पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ 4-8 पर कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य : पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (4-7 वाक्य और 25-45 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (25-35 शब्द) एवं रिमीडियल कार्य	59-88	20-47 129-133	25-72
सप्ताह 13	सप्ताह 1-12 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	89	48-52	
सप्ताह 14-17	1 पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ 9-12 पर कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य : पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (6-10 वाक्य और 45-60 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (35-40 शब्द) एवं रिमीडियल कार्य	90-113	53-76 134-137	73-107
सप्ताह 18-19	1 पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ 13-14 पर कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य : पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (7-10 वाक्य और 60-80 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (40-55 शब्द) एवं रिमीडियल कार्य	114-125	77-88 138-139	108-121
सप्ताह 20	सप्ताह 1-19 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	126	89-93	
सप्ताह 21-25	1 पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' के पाठ 15-18 पर कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य : पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (10-18 वाक्य और 80-120 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (55-90 शब्द) एवं रिमीडियल कार्य	127-156	94-122 140-144	122-154

साप्ताहिक शिक्षण चक्र

साप्ताहिक शिक्षण चक्र के माध्यम से आपको यह पता चलता है कि पूरे अकादमिक वर्ष में किसी भी सप्ताह के शैक्षणिक कार्य दिवसों में कक्षा-कक्ष में किस तरह की कार्य योजना क्रियान्वित की जाएगी। इस साप्ताहिक शिक्षण चक्र से आपको निम्न जानकारियाँ मिलेंगी-

1. सप्ताह के शैक्षणिक दिवसों की कार्य योजना।
2. सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना।

सप्ताह के शैक्षणिक दिवसों की कार्य योजना इस शिक्षण चक्र से आपको यह स्पष्टता के साथ पता चलता है कि सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में दक्षताओं का शिक्षण कार्य किया जाएगा। पाँचवें दिन दक्षताओं की पुनरावृत्ति होती है और छठवें दिन सप्ताह में सिखाई गई दक्षताओं का आकलन कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर अगले सप्ताह के तीसरे कालांश में प्रतिदिन किए जाने वाले रिमीडियल कार्य की योजना बनाकर इसके अनुसार शिक्षण कार्य किया जाएगा।

सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना इस शिक्षण चक्र से आपको स्पष्ट होगा कि पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा और दूसरे कालांश में कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य किया जाएगा। कार्यपुस्तिका भाग-1 द्वारा कक्षा-3 में समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियों पर कार्य किया जाएगा। तीसरे कालांश में कार्यपुस्तिका के भाग-2 पर कार्य किया जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवसों में रिमीडियल कार्य किया जाएगा।

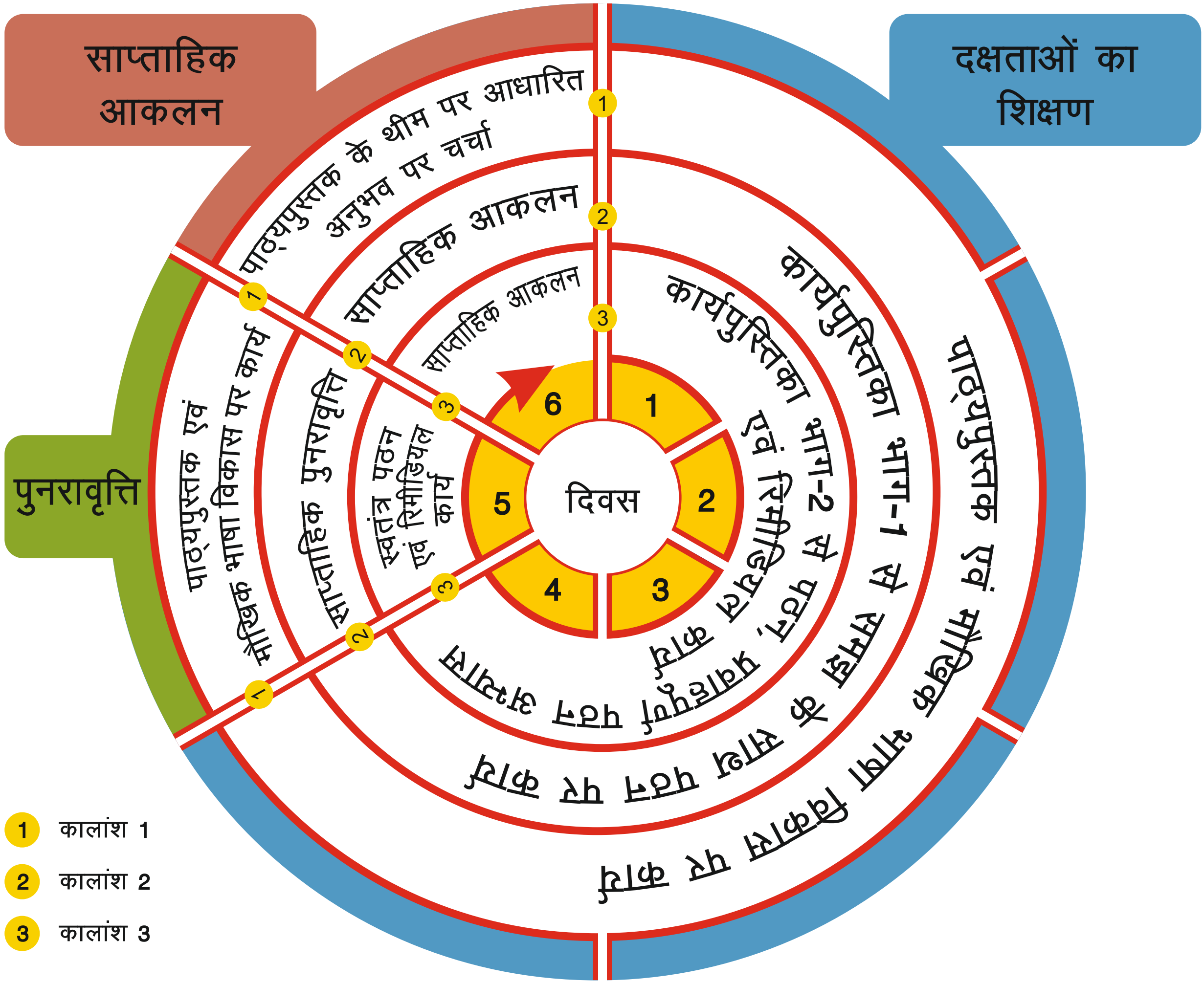

नोटः इस शिक्षण चक्र के अनुसार कक्षा-3 में सप्ताह 1-25 तक कार्य किया जाएगा।

सप्ताह
दिवस

साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ

अकादमिक वर्ष 2025-26 में भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों की चर्चा की गई है। कक्षा में कार्य करते समय शिक्षण योजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए गतिविधियों के चरणों को विस्तार से देखने की आवश्यकता है। इन गतिविधियों का विस्तृत विवरण देखने के लिए नीचे गतिविधियों के सामने उनके विस्तृत चरणों के संदर्भित पृष्ठों की संख्या दी गई है। आप उन पृष्ठों पर जाकर गतिविधियों के विस्तृत चरणों को देख सकते हैं। गतिविधियों के चरणों को पहले से पढ़कर आवश्यकतानुसार तैयारी कर लें ताकि कक्षा-कक्ष की प्रक्रिया प्रभावी रूप से पूरी की जा सके।

कालांश	खंड	गतिविधि	पृष्ठ संख्या
1 (40 मिनट)	मौखिक भाषा विकास और पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' एवं संबंधित लेखन पर कार्य (सप्ताह 1-25)	सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ	157
		सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) और मौखिक खेल की गतिविधियाँ	158-162
		मौखिक कहानी सुनाना	162
		पाठ्यपुस्तक पर कार्य करने की रणनीति	162-164
		चित्र कहानी पोस्टर	164-165
		सृजनात्मक गतिविधियाँ	165-168
		अनुभव पर चर्चा	168
2 (40 मिनट)	कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य (सप्ताह 1-25)	वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पर कार्य	169-170
		पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं स्तरित पाठ पर कार्य	170-171
		श्रुतलेख पर कार्य करने की रणनीति	172
3 (40 मिनट)	कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य (सप्ताह 1-25)	पठन अभ्यास पर कार्य	173
		प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य	173-174
		स्वतंत्र पठन पर कार्य	174
		आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य	175-180

शिक्षण सामग्रियों का विवरण

अकादमिक **वर्ष 2025-26** में कक्षा-3 में तीनों कालांशों में भाषा शिक्षण हेतु निम्न सामग्रियाँ उपयोग की जाएँगी-

वीणा-1

कक्षा-3 की भाषा की पाठ्यपुस्तक वीणा-1 मुख्य रूप से भाषा के चार खंडीय मॉडल पर आधारित है। इसमें **मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन** एवं **लेखन** आधारित गतिविधियाँ एक साथ दी गई हैं। **मौखिक भाषा विकास** के अवसर से संबंधित **'बातचीत के लिए, भाषा की बात, कविता/कहानी से जानो, सोचिए और लिखिए'** आदि गतिविधियाँ हैं। वहीं **डिकोडिंग** (शब्द पहचान, ब्लेंडिंग आदि) के अवसर से संबंधित गतिविधियों में अलग-अलग पाठों में **'शब्दों का खेल'** गतिविधि प्रमुख रूप से है। **पठन** का अवसर से संबंधित गतिविधियों में मुख्य रूप से **'आनंदमयी कविता, खेलगीत, सुनें कहानी, मिलकर पढ़िए'** आदि दिए गए हैं। **लेखन** संबंधित गतिविधियों की बात की जाए तो पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ के पीछे अभ्यास गतिविधियों में लिखने का प्रारम्भ **चित्रों से, अक्षर प्रतीकों** से होता हुआ **शब्द एवं वाक्य लिखने** तक की गतिविधियों का समावेशन किया गया है।

वीणा-1 के अलग-अलग पाठों एवं उनकी अभ्यास गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीतियों को आप इसी शिक्षक संदर्शिका के आगे के हिस्सों में विस्तार से देख सकते हैं।

चित्र कहानी पोस्टर

- चित्र कहानी पोस्टर का उपयोग **कालांश-1** में **सप्ताह 1-4** में किया जाएगा।
- चित्र कहानी पोस्टर के माध्यम से बच्चे अपने घर की भाषा में बात कहने में सक्षम हो पाएँगे। साथ ही, अनुमान लगाना, कल्पना करना आदि दक्षताओं के विकास पर भी कार्य किया जाएगा।

कार्यपुस्तिका (भाग-1 और भाग-2)

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक से संरेखित है। कार्यपुस्तिका के दो भाग हैं।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग **कालांश-2** में और **कार्यपुस्तिका भाग-2** का उपयोग **कालांश-3** में किया जाएगा।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** में समझ के साथ पढ़ने की गतिविधियों पर एवं **कार्यपुस्तिका भाग-2** से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।

पुस्तकालय की किताबें

- प्रत्येक स्कूल के पुस्तकालय में प्राथमिक कक्षा के बच्चों के लिए उनके स्तर की अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जैसे- बरखा सीरीज, एन.सी.ई.आर.टी. एवं सी.बी.टी. आदि की पुस्तकें।
- प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन **स्वतंत्र पठन** हेतु पुस्तकालय की पुस्तकों का प्रयोग किया जाएगा।

☞ प्रत्येक दिन रिमीडियल कार्य के दौरान समूह-बी के बच्चों को पुस्तकालय की पुस्तकें पढ़ने की दी जा सकती हैं।

1 2 3 कालांशों की रूपरेखा

- इस संदर्शिका में 25 सप्ताह की शिक्षण कार्य योजना दी गई है। प्रत्येक सप्ताह में कुल 6 दिन शिक्षण कार्य होगा। भाषा शिक्षण के लिए प्रतिदिन 40-40 मिनट के तीन कालांश निर्धारित हैं।
- कालांश-1 में पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-2 कार्यपुस्तिका भाग-1 में समझ के साथ पढ़ने पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-3 कार्यपुस्तिका भाग-2 में पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।
- रिमीडियल कार्य सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवसों के तीसरे कालांश में किया जाएगा।

1 कालांश — 40 मिनट

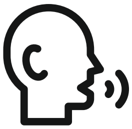

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत
- पाठ्यपुस्तक से पठन
- चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य एवं संबंधित लेखन
- अनुभव पर चर्चा
- सामाजिक एवं भावनात्मक विकास से संबंधित गतिविधियाँ
- सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ / मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना

शिक्षण सामग्री

- पाठ्यपुस्तक **'वीणा-1'**
- चित्र कहानी पोस्टर
- शिक्षक संदर्शिका

2 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- पुनरावृत्ति (वर्ण / अक्षर / शब्द पठन / वाक्यांश और वाक्य पठन)
- पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ
- स्तरित पाठ से पठन एवं लेखन कार्य

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-1)
- शिक्षक संदर्शिका

3 कालांश — 40 मिनट

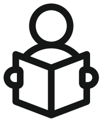

गतिविधियाँ

- पठन अभ्यास
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
- रिमीडियल कार्य
- स्वतंत्र पठन

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-2)
- पुस्तकालय की किताबें
- शिक्षक संदर्शिका

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में कालांश 2 और 3 में साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा।

☞ कालांश 1 एवं 2 में गतिविधियों से संबंधित लेखन कार्य भी किया जाएगा।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'शब्द अंत्याक्षरी'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'अभिवादन'** की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्द/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें। साथ ही चित्र को शीर्षक देने को कहें। फिर चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर, चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (क, र, न) की पहचान और उन्हें मिलाकर पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'क', 'र' और 'न' वर्ण को अन्य वर्ण (8-10) के साथ लिखें। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर 'क', 'र' और 'न' वर्ण पहचानने और उस पर गोला लगाने को कहें। अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही वर्ण पर गोला लगाया जा रहा है या नहीं।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'क', 'र' और 'न' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप 'क', 'र' और 'न' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- नल, कबूतर, रथ, नथ, कटहल आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों को तोड़कर लिखें, जैसे- क र - कर, न र - नर, क न - कन आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (35-37 मिनट)

- पठन अभ्यास-1 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ।
- आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

सप्ताह 1 **दिवस 2**

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- अगर कहानी में बारिश नहीं होती तो क्या होता?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण (म, स एवं मात्रा 'ा') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'म' और 'स' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- मगरमच्छ, सरौता, मछली, सड़क आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी में 'म' और 'स' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- क - का।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों को तोड़कर लिखें, जैसे- का र - कार, ना म - नाम, ना क - नाक, सा रा - सारा आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें जैसे- कर, रस, कस, कम, मन, नम, नाम, कार, माना, मकान आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास-1 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/ समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/ अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

क	स
र	म
न	न
म	क

- जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- का म - काम, मा न - मान आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 · 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-1

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- लड़की किसे देख रही है? आदि।
- अब बच्चों से चारों चित्रों को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है। फिर आप प्रत्येक समूह के कुछ बच्चों से उनकी कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने के लिए प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 · 40 मिनट

चयनित वर्ण (ब, ल और द) की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ब', 'ल' और 'द' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- बस, लड्डू, बकरी, लड़की, दरवाजा आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'ब', 'ल' और 'द' वर्ण से शुरू होने वाले 3-3 शब्द लिखें। लिखे गए शब्दों में पहला वर्ण पहचानकर कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- दा न - दान, दा ल - दाल, बा ल क - बालक, बा द ल - बादल आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें जैसे- बल, नल, बाम, दाम, दाल, बाल, कलम, बादल, मकान, बालक आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-2 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों मे बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

म	मा	ब
र	रा	ल
स	या	द
न	क	ला

- जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- ना रा - नारा, र म - रम आदि।

सप्ताह 1 **दिवस 4**

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना।

विषयवस्तु: मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर-1

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- खेल गतिविधि **'कानाफूसी'** से संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

चित्र कहानी पोस्टर पर बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवस की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ।
- फिर बच्चों को पिछले दिवस के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि वे अपनी बनाई कहानी को आगे बढ़ाएँ या कोई नई कहानी बनाएँ।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करे।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में कहानी का शीर्षक लिखने के लिए कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा किए गए कार्यों को, दूसरे समूहों के साथ साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (प, च एवं मात्रा 'ी') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'प' और 'च' वर्ण को अन्य वर्ण (8-10) के साथ लिखें। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर 'प' और 'च' वर्ण पहचानने और उस पर गोला लगाने को कहें। अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही वर्ण पर गोला लगाया जा रहा है या नहीं।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- म - मी।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- चीनी, नीला आदि। फिर ग्रिड से शब्द खोजकर कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- कप, चल, पान, पीला, चीता, चमन, बकरी, दीपक, करीम, पपीता आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास-2 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

य	की	च
री	ब	ली
दा	चा	सा
दा	सी	ना

- जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- सी ना- सीना, दा सी - दासी आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- अगर कहानी में मुख्य पात्र तुम होते तो क्या-क्या करते?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: कार्यपुस्तिका के पत्रकों को पहले से पढ़ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-5 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- ली ची - लीची, पी ला - पीला, पा ल ना - पालना, चा द र - चादर, नी ल म - नीलम, स मी र - समीर आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'प' और 'च' वर्ण से शुरू होने वाले 3-3 शब्द लिखें। लिखे गए शब्दों में पहला वर्ण पहचानकर कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- पपीता, ताली आदि। फिर ग्रिड से शब्द खोजकर कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- कप, नाक, चना, बादल, मकान, बकरी, दीपक, पपीता, चादर, नापना आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों से शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

द	दा	दी
र	रा	री
म	मा	मी
च	चा	ची

- अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- मा मी - मामी, दा दी - दादी आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपने घर की भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'गर्मी की छुट्टी'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'गर्मी की छुट्टी'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- गर्मी की छुट्टी में आप कहाँ गए थे? गर्मी की छुट्टी में आपने क्या-क्या किया? आदि।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'गर्मी की छुट्टी'** से जुड़े अनुभव अपने घर की भाषा में कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं, जैसे- आप गर्मी की छुट्टियों में कहाँ गए थे? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'गर्मी की छुट्टी'** के अनुभव से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें। फिर बच्चों से जोड़ियों में चित्र पर बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने का अवसर दें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप बोर्ड पर 10-15 सरल शब्द लिखें और बोर्ड पर लिखे गए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **डिजिटल कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को अपने मोबाइल से पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को ट्रैकर में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप कुछ शब्दों को बारी-बारी से बोलें और बच्चों से लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोले गए शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि - '**बूझो तो जाने**' के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज आप '**भावनाएँ**' की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उनके पसंद की भावना से संबंधित कोई चित्र बनाकर रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें और उस चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (अ, ह, ग, घ) की पहचान और उन्हें मिलाकर शब्द बनाना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'अ', 'ह', 'ग' और 'घ' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- अनार, हल, गमला, घर, अमरूद आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'अ', 'ह', 'ग' और 'घ' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों को तोड़कर लिखें, जैसे- म ही ना - महीना, अ ना र - अनार, सा ग र - सागर, घ ट ना - घटना आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ जिसमें 4-6 शब्द लिखें जैसे- नदी, नगर आदि। फिर ग्रिड से शब्द खोजकर कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्यांश लिखें जैसे- मामा का घर। घर पर लाल बकरा। आदि को बोर्ड पर लिखें। लिखे गए वाक्यांश के एक-एक शब्द पर अंगुली रखकर पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 3 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

अ	का	सी	म
दा	ह	दी	री
मा	ली	ग	ला
बा	सी	ना	घ

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- ग ला - गला, बा सी - बासी आदि।
- समूह B के बच्चों को स्वतंत्र पठन करने को कहें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा करना।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी / पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों / स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी का नया नाम क्या हो सकता है? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार / समझ कुछ शब्दों / 1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों / वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

चयनित वर्ण (आ, य एवं मात्रा 'े') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'आ' और 'य' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- आम, आरी, गाय, यज्ञ, केला आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों / अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- प - पे।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर चार शब्द- रल, चला, कला, मला आदि लिखें और लिखे गए शब्दों में 'े' मात्रा लगाकर सार्थक शब्द बनाकर दिखाएँ, जैसे- रल-रेल आदि। इसके बाद सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से अपनी कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- सेब, रेल, मेला, केला, गाय, दान, आदमी, आगरा, बगीचा, महीना आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्यांश लिखें, जैसे- पीले- पीले आम। लाल- लाल सेब आदि को बोर्ड पर लिखे। लिखे गए वाक्यांश के एक-एक शब्द पर अंगुली रखकर पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर पिछले दिवस के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 3 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों / समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण / अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण / अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

चे	ला	या	क
ले	ना	दी	न
के	आ	से	ना
मे	ला	न	दी

- जो बच्चे वर्ण / अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- न दी - नदी, चे ला - चेला आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-2

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को बारी-बारी से दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- हाथी का पलड़ा भारी क्यों है? आदि।
- आप बच्चों से चारों चित्रों को समग्रता में देखने के लिए कहें और सभी चित्रों में क्या हो रहा है, इस पर चर्चा करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है।
- अब आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और बात को कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ज, ट, इ, त) की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ज', 'ट', 'इ' और 'त' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- जहाज, टमाटर, इमली, तरबूज, मटर आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों को तोड़कर लिखें, जैसे- ता ला - ताला आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों के कुछ चित्र बोर्ड पर बनाएँ या डिजिटल कार्यपुस्तिका से दिखा दें। फिर बच्चों को नोटबुक/कॉपी में चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्यांश लिखें, जैसे- लाल- लाल ताला, काला- काला ताला आदि को बोर्ड पर लिखें। लिखे गए वाक्यांश के एक-एक शब्द पर अंगुली रखकर पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 4 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों मे बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ज	ट	इ	त
टे	जे	ल	क
च	ना	ती	ते
इ	म	ली	मा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- इ म ली - इमली, ना ती - नाती आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर-2

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'बूझो मैंने क्या देखा'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

चित्र कहानी पोस्टर पर बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवस की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ।
- फिर बच्चों को पिछले दिवस के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि वे अपनी बनाई कहानी को आगे बढ़ाएँ या कोई नई कहानी बनाएँ।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करे।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में कहानी का शीर्षक लिखने के लिए कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा किए गए कार्यों को दूसरे समूहों के साथ साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ई, ख एवं मात्रा ' ो ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'ई' और 'ख' वर्ण को अन्य वर्णों (8-10) के साथ लिखें। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर 'ई', 'ख' वर्ण पहचानने और उस पर गोला लगाने को कहें। अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही वर्ण पर गोला लगाया जा रहा है या नहीं।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- ज - जो।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप ' ो ' मात्रा वाले शब्दों मोर, रोटी, लोमड़ी, बोतल को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- मोर में पहली ध्वनि 'मो' आदि। फिर बच्चों को कॉपी में शब्दों की पहली ध्वनि लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्य लिखें, जैसे- हरा तोता पहने हरी टोपी। काली कोयल पहने काली टोपी आदि। लिखे गए वाक्य के एक-एक शब्द पर अंगुली रखकर पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए नोटबुक/ कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 4 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/ समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

क	गो	च	खो
रा	ई	द	न
मो	ली	ची	सा
ख	टो	क	ना

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- टो क ना - टोकना, ली ची - लीची आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- आपको कहानी को आगे बढ़ाना हो तो कैसे बढ़ाओगे?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: कार्यपुस्तिका के पत्रकों को पहले से पढ़ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-5 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों को लिखें, जैसे- गो ला - गोला, मा ली - माली आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाए। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका के चित्र दिखाएँ, फिर बच्चों को कॉपी में चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- स-सी-से-सो।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें जैसे- आम, खाट, गाय, दाई, खाना, चटाई, गमला, अमीर, मखाना, खटाई आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

को	ने	चा	लो
टे	ना	खो	टी
खे	त	तो	ते
चा	य	रो	ली

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- रो ली - रोली, खे त - खेत आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपने घर की भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तुः अनुभव पर चर्चा

तैयारीः विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'होली'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में **'होली'** से जुड़े स्वयं के अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- आपको होली का त्योहार कैसा लगता है? होली पर घर में क्या-क्या पकवान बनते हैं ?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'होली'** के अनुभव अपने घर की भाषा में कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं, जैसे- आप होली पर कौन-कौन से रंग लगाते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'होली' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तुः डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारीः कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप बोर्ड पर 10-15 सरल शब्द लिखें और बोर्ड पर लिखे गए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **डिजिटल कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को अपने मोबाइल से पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को ट्रैकर में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तुः डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारीः आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप कुछ शब्दों और वाक्यांशों को बारी-बारी से बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोले गए शब्द व वाक्यांश लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 3 | दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

कक्षा में बोलने या अपनी बात कहने के तरीके को समझना।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: आप खेल से संबंधित सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'बताओ मैं क्या हूँ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आप आज **'मुझे कब अच्छा नहीं लगा'** की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर चित्र से संबंधित कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें और चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ए, छ, थ, ध) की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ए', 'छ', 'थ' और 'ध' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- एड़ी, छलनी, थरमस, धनुष आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'ए', 'छ', 'थ' और 'ध' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों को तोड़कर लिखें, जैसे- छ त री - छतरी, ए क ता - एकता, ध र ती - धरती, थ र म स - थरमस आदि। फिर बच्चों को एक-एक वर्ण पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- धान, मोर आदि। फिर ग्रिड से शब्द खोजकर कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्य लिखें जैसे- अमित समोसा लेकर घर आया। सबने मिलकर समोसा खाया आदि को बोर्ड पर लिखें। लिखे गए वाक्यों के एक-एक शब्द पर अंगुली रखकर पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 5 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ए	छ	थ	ध
धो	ना	छो	ला
था	ली	ए	क
छी	नी	थे	ली

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- धो ना- धोना, था ली - थाली आदि।
- समूह B के बच्चों को स्वतंत्र पठन करने को कहें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी कैसी लगी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ऐ, व, ड एवं मात्रा ' ु ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ऐ', 'व' और 'ड' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- ऐनक, डमरू, वकील, मुर्गा आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'ऐ', 'व' और 'ड' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- ड-डा-डु-डो।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक शब्द लिखें, जैसे- खाना। फिर बच्चों को शब्द के अंत में आए वर्ण/अक्षर से नया शब्द पूछें, जैसे- खाना-नाई-ईख आदि। फिर बच्चों को कॉपी में दिए गए शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से शब्द बनाने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- हवा, ऐसा, डोरी, हवन, कुली, महल, दुकान, ऐनक, वकील, डालडा आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर पिछले दिवस के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 5 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने आकर पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ऐ	व	ड	सु
डा	ल	डा	ना
धो	क	र	र
कु	ल	डो	लो

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- धो क र - धोकर, सु ना - सुना आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-3

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- अब चारों चित्रों को बारी-बारी से दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गिलहरी किसको बचा रही है? आदि।
- आप बच्चों से चारों चित्रों को समग्रता में देखने के लिए कहें और सभी चित्रों में क्या हो रहा है, इस पर चर्चा करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर एक नई कहानी बनानी है।
- आप कुछ बच्चों से चित्र पर आधारित 3-4 वाक्यों की कहानी को अपने शब्दों में बनाकर सभी को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को कक्षा में अपने साथियों से साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (उ, झ, ओ एवं मात्रा ' ू ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'उ', 'झ' और 'ओ' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- क-कू-की-के।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर चार शब्द- फल, मली, जता, झला आदि लिखें और लिखे गए शब्दों में ' ू ' मात्रा लगाकर सार्थक शब्द बनाकर दिखाएँ, जैसे- फल - फूल आदि। इसके बाद सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से अपनी कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर 2 वाक्य लिखें जैसे- पूजा के घर में झूला है। पूजा पेड़ पर झूला झूल रही है आदि को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट)** : आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 6 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

उ	झ	ची	न
झू	सू	ली	नू
ओ	स	मू	ली
छी	क	कु	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- कु ल - कुल, मू ली - मूली आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर-3

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'घर से स्कूल तक का सफर'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

चित्र कहानी पोस्टर पर बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवस की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ।
- फिर बच्चों को पिछले दिवस के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि वे अपनी बनाई कहानी को आगे बढ़ाएँ या कोई नई कहानी बनाएँ।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करे।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में कहानी का शीर्षक लिखने के लिए कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा किए गए कार्यों को दूसरे समूहों के साथ साझा करने के अवसर दें।

सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ढ, ठ, श एवं मात्रा 'ि') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ढ', 'ठ' और 'श' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- शलजम, ठठेरा, ढपली, किताब आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में 'ढ', 'ठ' और 'श' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- श-शि।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को कॉपी में पाँच चीजों के नाम लिखने को कहें, जिससे बच्चे खेलते हों, जैसे- गेंद आदि।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- गठन, ढपली, ठोकर, शाहिद, शिमला, तमाशा, ढुलाई, ढोलक, कठिन, ठहरना आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर पिछले दिवस के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 6 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/ समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ढ	ठ	श	कि
मि	ली	त	वा
रो	टी	शि	ल
शू	ज	ढो	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- मि ली - मिली, शू ज - शूज आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी में आपको क्या अच्छा नहीं लगा?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: पाठ को पहले से पढ़ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-5 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों को लिखें, जैसे- कि ला - किला, कु सु म - कुसुम, ढु ला ई - ढुलाई, कि सा न - किसान आदि। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- ठ-ठा-ठु-ठे-ठो-ठी-ठि-ठू।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बार्ड पर एक शब्द लिखें, जैसे- ईद। फिर बच्चों को शब्द के अंत में आए वर्ण/अक्षर से नया शब्द पूछें, जैसे- ईद-दवा-वानर आदि। फिर बच्चों को कॉपी में दिए गए शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से शब्द बनाने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- झूला, कठोर, किसान, करेला, दीपक, खुरपी, झूमर, ओखली, बोतल, कबूतर आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

से	ल	सु	नो
मो	ना	शा	म
ओ	स	ढ	शु
झु	क	ना	भ

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- शु भ म - शुभम, ओ स - ओस आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपने घर की भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'खेल'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में स्वयं के पसंदीदा **'खेल'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- आपका सबसे पसंदीदा खेल कौन-सा है? आप यह खेल कब-कब खेलते हैं?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'खेल'** के अनुभव अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं, जैसे- आप अपना पसंदीदा खेल किसके साथ खेलते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'खेल' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में चित्र पर बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप बोर्ड पर 10-15 सरल शब्द लिखें और बोर्ड पर लिखे गए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **डिजिटल कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को अपने मोबाइल से पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को ट्रैकर में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप कुछ शब्दों और वाक्यों को बारी-बारी से बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोले गए शब्द व वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अभिनय के द्वारा अभिव्यक्ति करना/कर पाना।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'क्या बदला'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आप आज **'भावनाओं के भी चित्र होते हैं'** की गतिविधि को बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें और चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ड़, फ, ज्ञ, ऋ एवं मात्रा 'ौ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ड़', 'फ', 'ज्ञ' और 'ऋ' वर्ण से शुरू/समाप्त होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- ऋषि, ज्ञानी, फल, फसल, पेड़ आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/ कॉपी में 'ड़', 'फ', 'ज्ञ' और 'ऋ' वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- ड-डौ-डु-डू।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- यज्ञ, सफल, फसल, पेड़, ज्ञानी, ऋतु, चौकी, चौकोर, फरसा, मकड़ी आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्य लिखें जैसे- लड़का पेड़ के नीचे बैठा था। डाल के ऊपर कौआ बैठा था। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 7 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ड़	फ	ज्ञ	पा
ऋ	तु	मौ	ला
ज्ञा	नी	नौ	का
औ	ला	द	शी

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- ज्ञा नी - ज्ञानी, मौ ला - मौला आदि।

सप्ताह 4 दिवस 2

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)
- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन-कौन था? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप कहानी को आगे बढ़ाने के लिए क्या जोड़ेंगे?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ऊ, त्र, औ एवं मात्रा 'ै') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-2 पर कार्य करें-
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप 'ऊ', 'त्र' और 'औ' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को मौखिक रूप से बोलें, जैसे- पैर, त्रिभुज, औरत, ऊन आदि। 3-4 बच्चों से शब्द की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखने को कहें। इस दौरान अन्य सभी बच्चे ध्यान दें कि सही प्रतीक बोर्ड पर लिख पा रहे हैं या नहीं।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- म-मा-मी-मु-मै-मो।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बार्ड पर एक शब्द लिखें, जैसे- पैर। फिर बच्चों को शब्द के अंत में आए वर्ण/अक्षर से नया शब्द पूछें, जैसे- पैर-रचना-नाम आदि। फिर बच्चों को कॉपी में दिए गए शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से शब्द बनाने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- पत्र, मैना, कौआ, औजार, त्रिदेव, बैंगन, ऊपर, कौशल, सैकड़ा, कैमरा आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- आप बोर्ड पर पिछले दिवस के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 7 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/ समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

उ	त्र	औ	र
मै	ला	प	त्र
फौ	ला	द	म
ऋ	ण	ऐ	सा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- ऋ ण - ऋण, फौ ला द - फौलाद आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-4

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- अब चारों चित्रों को बारी-बारी से दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में सबसे ऊँचा जानवर कौन है? आदि। फिर आप बच्चों से चारों चित्रों को समग्रता में देखने के लिए कहें और सभी चित्रों में क्या हो रहा है, इस पर चर्चा करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है।
- आप कुछ बच्चों से चित्र पर आधारित 4-5 वाक्यों की कहानी को अपने शब्दों में बनाकर सभी को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्दों / 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों / वाक्यों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (भ, ढ़, क्ष एवं अनुस्वार ' ं ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों / वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों को लिखें, जैसे- ब ढ़ ई - बढ़ई, क्ष म ता - क्षमता आदि। इसके बाद सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से अपनी कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर चार शब्द- पखा, जगल, घटी, बदर आदि लिखें और लिखे गए शब्दों में ' ं ' अनुस्वार लगाकर सार्थक शब्द बनाकर दिखाएँ, जैसे- पखा - पंखा आदि। सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से पढ़ते हुए अपनी कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों / अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- क-का-की-कु-कै-को।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- दक्ष, कक्षा, भरना, क्षमता, चंदन, कढ़ाई, कंगन, भोजन, पतंग, पढ़कर आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 2 वाक्य लिखें जैसे- भोला जंगल में गया। जंगल से ढेर सारे फल लाया। आदि को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को इसे उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 8 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। फिर आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों / समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को कॉपी मे लिखने को कहें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण / अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण / अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

भ	द	क्ष	औ
अं	त	क	क्षा
ग	भे	ली	त्रा
दं	त	मा	स

- जो बच्चे वर्ण / अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- दं त - दंत, भे ली - भेली आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझकर कहानी बना पाना।

विषयवस्तु: मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर-7

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'पहचानो मैं कौन हूँ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।
- यह सुनिश्चित करें कि खेल गतिविधि में प्रत्येक बच्चा प्रतिभाग करें।

चित्र कहानी पोस्टर पर बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवस की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ।
- फिर बच्चों को पिछले दिवस के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि वे अपनी बनाई कहानी को आगे बढ़ाएँ या कोई नई कहानी बनाएँ।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करे।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में कहानी का शीर्षक लिखने के लिए कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा किए गए कार्यों को दूसरे समूहों के साथ साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण (ष, अं, ण, अनुनासिक ' ँ ') की पहचान और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- स-सि-सी-सु-से-सो।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों को लिखें, जैसे- चाँ द - चाँद, पाँ च - पाँच, ध नु ष - धनुष, प ढ़ा ई - पढ़ाई, च र ण - चरण आदि। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को कॉपी में पाँच चीजों के नाम लिखने को कहें, जिसे वे खाना पसंद करते हैं, जैसे- सेब आदि।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- बाण, छाँव, मसाला, ऋषभ, चंदन, औषधि, गणित, गणना, अंधेरा, चाँदनी आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर पिछले दिवस के शब्दों को लिखें और पठन अभ्यास 8 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों मे बाँटकर पिछले दिवस में कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को सबके सामने पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए चर्चा का समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

ष	अं	ण	क्ष
प्रा	पाँ	अ	चाँ
णी	मे	ष	ण
शं	क	र	मा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- शं क र - शंकर, मे ष - मेष आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी का अंत बदलना हो तो आप क्या करोगे?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: पाठ को पहले से पढ़ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-5 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों को लिखें, जैसे- गाँ व - गाँव, त्रि भु ज - त्रिभुज, क ढ़ा ई - कढ़ाई, तु षा र - तुषार आदि। फिर 3-4 बच्चों को बुलाकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप डिजिटल कार्यपुस्तिका में दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाएँ। इसके बाद ग्रिड के वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- झ-झु-झू-झे-झो-झि।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बार्ड पर एक शब्द लिखें, जैसे- सगाई। फिर बच्चों को शब्द के अंत में आए वर्ण/अक्षर से नया शब्द पूछें, जैसे- सगाई-ईख-खरगोश आदि। फिर बच्चों को कॉपी में दिए गए शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से शब्द बनाने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- अंक, गाँव, कक्षा, मात्रा, ऋण, गणना, सैकड़ा, ऋषभ, औजार, अलंकार आदि। शब्द पठन का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। इसके बाद बच्चों को शब्दों को कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर से बनने वाले 5 शब्द बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

क	गा	ज	र
रा	प	ता	न
म	सा	ला	सा
ख	ग	ल	खा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर पहचान लेते हैं, उन्हें मिलाकर शब्द पढ़ने के लिए कुछ शब्द लिखकर पढ़ने को दें। जैसे- गा ज र - गाजर, म सा ला - मसाला आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपने घर की भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'खेत'** के बारे में बात करेंगे।
- सबसे पहले आप 7-8 वाक्यों में स्वयं के **'खेत'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- आपने कब खेत में किसानों को फसल लगाते देखा है? आपने कौन-सी फसलें खेत में देखी हैं? आदि।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'खेत'** के अनुभव अपने घर की भाषा में कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं, जैसे- आपके खेत में क्या-क्या होता है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'खेत'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात साझा करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप बोर्ड पर 10-15 सरल शब्द लिखें और बोर्ड पर लिखे गए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **डिजिटल कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को अपने मोबाइल से पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को ट्रैकर में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप कुछ शब्दों और वाक्यों को बारी-बारी से बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोले गए शब्द व वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 'सीखो'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। जैसे- यह पाठ किसके बारे में होगा? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें। इस दौरान बच्चे पीछे-पीछे नहीं दोहराएंगे।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- जलधारा, जीवन-पथ, धुएँ आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- सूरज से हम क्या सीख सकते हैं? हम दूसरे लोगों की सेवा कैसे कर सकते हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 5

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** पाठ्यपुस्तक के पाठ **'सीखो'** कविता के आधार पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें कि किससे क्या सीखेंगे। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर दो अलग-अलग शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ, जैसे- दुकान दार - दुकानदार। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों को तुकांत शब्द के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर उस पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 9 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूमकर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

को	म	ल	य
शि	ला	मा	मा
श	ज	न	स
मे	थी	ऋ	छ

फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।
- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- शिला, मामा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से चयनित पाठ्यांश "फूलों से..... मिलना और मिलाना" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-1 'सीखो'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कविता की बात 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 6

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- बचागी- बगीचा। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से क्रिया शब्द की अवधारणा पर उदाहरण सहित चर्चा करें, जैसे- खाना, सोचना, दौड़ना आदि शब्द किसी कार्य का होना दर्शाते हैं। इसके बाद आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर मौखिक रूप से (कार्यपुस्तिका से भिन्न) वाक्य बनाकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

उ	त्र	औ	र
त्रे	ता	उ	स
फो	ला	द	म
ऋ	चा	ऐ	सा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- उसके, आए, स्टेशन आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से चयनित पाठ्यांश "सूरज की..... सेवा करना" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-1 **'सीखो'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कविता से आगे 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 7

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में एक शब्द लिखें और उस शब्द के वर्ण/अक्षर से नए शब्द बनाकर बताएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि पानी किस-किस पात्र में रखा जा सकता है। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 10 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूमकर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

चो	री	मा	सी
रो	ली	क	ना
तो	ता	श	प
री	ला	य	क

फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- मोहन, सोहन आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से चयनित पाठ्यांश "जलधारा से..... पर चढ़ना" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-1 'सीखो'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- यह पाठ किस चीज के बारे में है? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- दीपक से हम क्या-क्या सीख सकते हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 8

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। जैसे- बढ़ ना - बढ़ना, 'बस' ना - बसना। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ (कार्यपुस्तिका से भिन्न) उदाहरण देते हुए मौखिक रूप से चर्चा करें, जैसे- हम किससे, क्या सीखते हैं। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ विलोम शब्द की अवधारणा पर चर्चा करते हुए उदाहरण दें, जैसे- 'सोने' का विलोम 'जागना' आदि और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

ठे	कु	आ	स
ला	के	ट	न
मौ	नी	म	ली
गा	य	क	मी

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- दोनों, खेलते, खेलने आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 4, बूझो तो जानें और आओ मिलकर गाएँ)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको कहानी आगे बढ़ानी हो तो कैसे बढ़ाओगे? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-5 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (10-12) :** पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर प्रत्येक बच्चे को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के सभी बच्चों के सामने पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को तुकांत शब्द के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर उस पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर वर्ण (म, न, क, स, र, ल, ब, त) और मात्रा (आ और ई) लिख दें। आप दिए गए वर्ण एवं मात्रा का उपयोग करके 2-3 सार्थक शब्द बनाकर गतिविधि समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे गए वर्ण/मात्रा से ज्यादा से ज्यादा (20-25 शब्द) सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने को कहें। फिर किन्हीं 5 शब्दों का उपयोग करके मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

या	क	सु	न
चा	रा	शी	मू
मो	ग	ली	ना
ठ	रे	श	मी

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- दोस्त, भाई, गए आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मैंने नया क्या सीखा'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मैंने नया क्या सीखा'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपने पिछले कुछ समय में क्या नया सीखा है? नया सीखने में किसकी मदद ली? आदि। **'मैंने नया क्या सीखा'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मैंने नया क्या सीखा'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 3-4 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप नया क्या सीखना चाहते हैं? नया कौशल सीखकर आप क्या करेंगे? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से **'मैंने नया क्या सीखा'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-5 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 9 और 10 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप कुछ वाक्यों को बारी-बारी से बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोले गए वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 6 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-2 'चींटी'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में होगा? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें। इस दौरान बच्चे पीछे-पीछे नहीं दोहराएंगे।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- कलाकार, घबराती, पर्वत

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चींटी कभी घबराती क्यों नहीं है? चींटी की तरह और कौन-कौन से जानवरों को हम कलाकार कह सकते हैं?

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 10

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से क्रिया शब्द की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। फिर बच्चों को पाठ्यपुस्तक के पाठ में आए क्रिया शब्द खोजकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर मौखिक रूप से (कार्यपुस्तिका से भिन्न) वाक्य बनाकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 11 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूमकर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

खे	त	भी	ल
बा	रि	श	क
रा	ह	त	न
गी	ल	म	शा

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- किसान, जोत आदि।

सप्ताह 6 **दिवस 2**

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से चयनित पाठ्यांश "हर पल..... लाती चींटी" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-2 'चींटी'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कविता से आगे 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 11

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ विलोम शब्द की अवधारणा पर चर्चा करते हुए उदाहरण दें, जैसे- काला-सफेद, ऊपर-नीचे आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से कविता की पंक्ति पूरी करने का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर मौखिक रूप से (कार्यपुस्तिका से भिन्न) वाक्य बनाकर बताएँ एवं शब्दों की उपयोगिता पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से उनकी आदतों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

बै	ल	मि	ल
दो	नो	जो	त
भी	ग	ना	ली
हो	ने	बा	सी

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- अचानक, बारिश आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से चयनित पाठ्यांश "सचमुच कैसी..... घबराती चींटी" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-2 'चींटी'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 12

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से प्रश्न बनाकर पूछने की प्रक्रिया करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर गतिविधि से संबंधित उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 12 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूमकर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से बच्चों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

का	ग	ज	शी
ला	ना	मी	नू
ज्ञा	नी	शा	प
मौ	न	ल	क

- जो बच्चे मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- रेल, जानवर, आलू आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से चयनित पाठ्यांश "नन्हे-नन्हे..... सिखाती चींटी" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-2 'चींटी'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आपको चींटी की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है और क्यों?

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**भाषा की बात 3, 4**) के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 13

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ शब्दों की अंत्याक्षरी मौखिक रूप से करें। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में, बोर्ड पर एक शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द बनाकर बताएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक साथ बोले जाने वाले शब्द उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में लिखें और गतिविधि समझाएँ, जैसे- खाते-पीते। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि 5 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर मौखिक रूप से वाक्य बनाकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

रे	ल	भा	ई
खा	भा	लू	ख
आ	लू	ब	हु
ज	मी	न	र

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- पहले, डिब्बे आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-2 की गतिविधियों पर कार्य और पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ और पढ़ने के लिए - 'चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई' (**पा.पु.** 13)

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**भाषा की बात 5**) के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (5 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि। बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर आपको चींटी को ढूँढना होता तो कैसे ढूँढते? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पाठ को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (10-12)** : पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर प्रत्येक बच्चे को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को कक्षा के सभी बच्चों के सामने पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे पाठ के आधार पर सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (10 मिनट)** : आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

अं	गा	रा	मू
का	नू	न	ली
य	आ	लू	ची
म	ग	ज	म

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- दोस्त, भाई, गए आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'पसंद का कार्य'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'पसंद का कार्य'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपका पसंद का कार्य क्या है? आप उसे करना क्यों पसंद करते हैं? आप उसे कब करते हैं? आदि। **'पसंद का कार्य'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'पसंद का कार्य'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको अपना घर क्यों अच्छा लगता है? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से **'पसंद का कार्य'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-6 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 11 और 12 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-3 **'कितने पैर'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सुप्रभात, द्विपाद, चतुष्पाद आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मीना को चींटे देखने में आनंद क्यों आता होगा? आपने कनखजूरे को कहाँ-कहाँ और किस मौसम में देखा है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 15

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से पक्षी और जानवर के बारे में चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, बच्चों को चित्र पहचानकर पक्षी और जानवर के नाम कार्यपुस्तिका में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को मौखिक रूप से विशेषता की अवधारणा पर चर्चा करें। उदाहरण के रूप में कुछ विशेषता बताने वाले शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें, जैसे- यह साइकिल ऊँची है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 13 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ।

रे	ल	कौ	आ
जा	ना	छे	ना
शि	का	री	ना
म	दा	ना	पो

फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।
- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- रणवीर, वाराणसी आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से चयनित पाठ्यांश "बच्चे सुप्रभात..... जिसके दो ही पैर हों?" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-3 'कितने पैर'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 4, 5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 16

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप स्वयं का उदाहरण देते हुए अपने पसंदीदा चीजों के बारे में वाक्यों में बताएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि पाठ के आधार पर कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

तु	म	रा	ख
मो	ह	न	मी
वा	र	का	र
धे	नु	शा	म

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- चाय, खाना आदि।

सप्ताह 7 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से चयनित पाठ्यांश "सविता- जी..... बिपिन- जेबरा, जिराफ" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-3 'कितने पैर'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आपका पैर और पाठ के भीतर 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 17

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ शब्दों की अंत्याक्षरी मौखिक रूप से करें। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में, बोर्ड पर एक शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द बनाकर बताएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से विभिन्न जीव-जन्तु कहाँ-कहाँ (जमीन, पानी और आकाश में रहने वाले) रहते हैं, पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास 14 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। फिर आप दिए गए पाठ को बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूमकर कक्षा का अवलोकन करते रहें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

ज	ले	बी	नू
मो	द	क	म
पे	ड़ा	ल	डा
स	मो	सा	ज

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- पतंग, बंदर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से चयनित पाठ्यांश "अध्यापिका- बहुत सही..... कैसे चलता होगा" का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-3 'कितने पैर'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आपने चार से अधिक पैर वाले कितने जानवर देखे हैं और कहाँ? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1, 2 एवं सोचिए और लिखिए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 पर आधारित अभ्यास कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 18

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-4 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर दो अलग-अलग शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। जैसे- हवल दार - हवलदार। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि 4 (5-7 मिनट) :** आप किसी पाठ को पढ़कर प्रश्न कैसे बनाते हैं? इसकी प्रक्रिया बच्चों को समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप बच्चों को अनुनासिक लगाकर शब्द (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाने की प्रक्रिया करके दिखाएँ, जैसे- चाद - चाँद, गाव - गाँव आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाला एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कुछ बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

प	तं	ग	म
बं	द	र	स
जो	क	भू	खा
गी	म	रो	ना

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- अटक, लेकर, भाग आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-3 की गतिविधियों पर कार्य और पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पढ़ने के लिए - 'दोस्त के जूते' (पा.पु. 24)

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पहेली से पहले एवं बूझो तो जाने)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मेंढक जूते कैसे बनाता होगा? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पाठ को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (10-12) :** पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर प्रत्येक बच्चे को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को कक्षा के सभी बच्चों के सामने पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि 2 (5-7 मिनट) :** 'बाजार में क्या-क्या बिकता है?' इस पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि- 3 (5-7 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि- 4 (10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 15 शब्द (बस, गदा, रीना, रजनी, ताला, करीब, फसल, ताजा टपक, कमल, राज, मगन, नानी, कलश, याद) लिख दें। फिर किसी एक शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द उदाहरण के रूप में लिखें, जैसे- राज - जरा। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और किन्हीं 5 शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह । : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

ना	ग	म	ला
रा	के	श	ख
गें	हूँ	धा	न
सो	ना	र	ज

- जो बच्चे मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- हवाई, बवाल, सवाल आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'पसंदीदा जानवर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'पसंदीदा जानवर'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरा पसंदीदा जानवर खरगोश है। खरगोश मुझे क्यों पसंद है? खरगोश की अच्छी बातें क्या हैं? आदि। **'पसंदीदा जानवर'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'पसंदीदा जानवर'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको कौन-सा जानवर पसंद है और क्यों? आप जानवरों को कहाँ-कहाँ देखते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से **'पसंदीदा जानवर'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-7 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 13 और 14 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-4 **'बया हमारी चिड़िया रानी'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें। बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- लटकाती, निगरानी, सेयेगी आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- बया के बच्चों की निगरानी में किन-किन बातों का ध्यान रखना होगा? बया अपने बच्चों के लिए क्या-क्या खाना लाती होगी? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 20

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि पाठ के आधार पर कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- जंगल कौन गया?

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

जं	ग	ल	य
लो	म	ड़ी	म
सि	या	र	क
रा	क्ष	स	र

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- लोमड़ी, केक, जंगल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से चयनित पाठ्यांश 'बया हमारी.... लाती पानी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-4 **'बया हमारी चिड़िया रानी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1, 2 एवं शब्दों का खेल 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 21

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-2 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें कि 'बया दूर न जाने पाए, क्या-क्या करेंगे हम उपाय**!** कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को उदाहरण देते हुए बताएँ कि संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को उनके पहले/बाद में लगाते हैं, जैसे- खट्टी इमली में 'खट्टी' विशेषता वाला शब्द है और 'इमली' संज्ञा शब्द है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रीमा ने क्या खरीदा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

खू	ब	ता	शा
न	मि	ठा	ई
खी	रा	सा	ग
अ	ना	र	स

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- मिठाई, खरीदीं आदि।

सप्ताह 8 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से चयनित पाठ्यांश 'तुझको दूर.... ठंडा पानी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-4 **'बया हमारी चिड़िया रानी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 4-5)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 22

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे बच्ची चिड़िया को अपने पास रह जाने के लिए क्यों कह रही होगी? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5 मिनट) : गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- चूजा और मैना क्या कर रहे थे? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

मै	ना	तो	ता
चू	जा	ता	ला
बो	ल	ना	गा
भा	ई	ब	ला

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- छूकर, बड़े, चलो आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से चयनित पाठ्यांश 'फिर अंडे.... चिड़िया रानी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-4 **'बया हमारी चिड़िया रानी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- पाठ में बया चिड़िया और क्या-क्या करती है? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगर आपको बया को खुश रखना हो तो आप क्या-क्या करोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खेल-खेल में 1-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 23

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें कि कौन कहाँ रहता है? इस पर 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों को एक वचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- मोना ने किससे फल खरीदा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

शी	श	म	नु
अ	प	ला	श
शो	ला	नी	म
क	ब	बू	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- परेशान, ताजा, फलवाला आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-4 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खेल-खेल में 5, 6 एवं बूझो तो जानें)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'कक्षा का मानचित्र'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि के सभी निर्देश स्पष्टता के साथ देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (5-7 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- छोटा तालाब कहाँ था? तालाब में बगुला के अलावा और कौन-कौन से जीव-जंतु रहते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।
  गतिविधि-1 (5 मिनट): बच्चों से गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कॉपी पर कार्य

- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को एकवचन और बहुवचन को उदाहरण के साथ समझाएँ। फिर बोर्ड पर 10-15 शब्द एक वचन मे लिखें। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे एक वचन को बहुवचन में बदलकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

र	सो	ई	ह
ह	वा	घे	रा
जा	न	व	र
ला	पा	य	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- रसोई, घेरा, पायल आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'अपना घर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'अपना घर'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपका घर है या नहीं? आपका घर कब बना था? किसने बनवाया था? आपके घर में कौन-कौन रहता है? घर का पसंदीदा कोना कौन-सा है? आदि। **'अपना घर'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'अपने घर'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके घर में कितने कमरे, दरवाज और खिड़कियाँ हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'अपना घर'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-8 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तुः पाठ-5 **'आम का पेड़'**

तैयारीः कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- कोंपल, छिड़क, देखभाल आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके घर में कौन-कौन से फल आते हैं? जिस तरह सौरभ पौधा देखकर खुश हो गया, आपको किस-किस चीज से खुशी मिलती है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 25

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (10-12 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ एवं शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (12-15 मिनट) :** आप मौखिक रूप से संज्ञा की अवधारणा बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- 'फरीदा, सलीम को बनारस घुमाने ले गई।' इसमे 'सलीम', 'फरीदा' और 'बनारस' संज्ञा शब्द हैं। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ इस प्रकार की गतिविधि में बच्चों को सहायता की अधिक आवश्यकता होती है, इसलिए इस पर अभ्यास के पर्याप्त मौके दिए जाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- भालू किसकी शादी में गया? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

भा	लू	शा	दी	प
गा	ना	खु	श	न
ना	इ	म	र	ती
चा	ट	च	र	ण

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- गाना, इमरती, खुश आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से चयनित पाठ्यांश 'गरमियों के दिन.... बंद कर दिया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-5 'आम का पेड़'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 26

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर समानार्थी शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आम से क्या-क्या बनाया जा सकता है? फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि पाठ के आधार पर कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रेखा ने क्या खरीदा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

रे	खा	क	प	ड़ा
रं	ग	म	ला	ल
शा	म	फू	ल	डा
रो	श	नी	खे	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- सूट, रंग, कपड़ा आदि।

सप्ताह 9 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से चयनित पाठ्यांश 'एक दिन हल्की-हल्की.... पिताजी हँसे' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-5 **'आम का पेड़'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आपका अनुमान, किसने क्या कहा और आइए पौधा लगाएँ 1-5)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 27

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आप साइकिल से कहाँ-कहाँ जा सकते हैं? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- नदी का पानी कैसा था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

घो	ड़ा	मी	ठा	का
पा	नी	घो	ड़ी	श
छा	ता	ना	न	दी
न	ग	र	म	न

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- उन्होंने, जंगल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से चयनित पाठ्यांश 'एक दिन हल्की-हल्की.... पिताजी हँसे' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: - पाठ-5 **'आम का पेड़'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आप आम कैसे खाते हैं? आपके घर के लोगों ने कौन-कौन से पौधे लगाए हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1-5 एवं खेल-खेल में)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 28

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-4 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट):

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आम पना बनाने में क्या-क्या सामग्री की जरूरत होती है? फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि वे कहीं जाने के लिए किन-किन यातायात के साधनों का उपयोग करते हैं। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (6-8 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- लाल रंग का गुलाल किसने खरीदा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

हो	ली	गु	ला	ल
ई	द	श	ह	रा
शा	लू	क	दि	न
नी	ओ	ण	म	न

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- होली, गुलाल आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-5 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: चर्चा के प्रश्न

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कला की कलाकारियाँ, खोजे-जाने, बूझो तो जानें)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर कहानी के किसी एक पात्र को बदलना हो तो आप किसे बदलोगे? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-5 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट):

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- बच्चे खेलने क्यों नहीं जा पाए थे? ठंड से बचाव के लिए हम क्या-क्या उपाय करते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ कक्षा के सभी बच्चों के सामने सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4x4 का ग्रिड बनाकर उसमें कुछ ऐसे वर्ण/अक्षर लिख दें, जिनसे सार्थक शब्द बनाए जा सकें। इस प्रक्रिया का उदाहरण देकर बच्चों को दिखाएँ कि उपर से नीचे, बाएँ से दाएँ शब्द कैसे खोजना है। शब्द खोजने की प्रक्रिया आप कार्यपुस्तिका पृष्ठ 19 का संदर्भ लेकर समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रिड से ज्यादा से ज्यादा शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और किन्हीं 5 शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

को	य	ला	क	र
सी	गं	गा	य	ब
भा	री	य	मु	ना
गा	त्रि	शू	ल	री

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- त्रिशूल, गंगा, गायब आदि।

सप्ताह 9 | दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'पसंदीदा फल'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'पसंदीदा फल'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मुझे सबसे ज्यादा फल कौन-सा पसंद है? मेरा पसंदीदा फल मैं कहाँ से लाता हूँ? फल खाने के क्या फायदे हैं? आदि। **'पसंदीदा फल'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'पसंदीदा फल'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको कौन-सा फल पसंद है और क्यों? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'पसंदीदा फल'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2-3 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-9 दिवस 3 और 5 के पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-6 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- समुद्र, आकृति, अचरज आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- तारक को समुद्र में क्यों अच्छा लगा होगा? हंस तारक को रोज कौन-सी नई बातें सुनाते होंगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 30

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को प्रश्नवाचक वाक्य बनाने की अवधारणा उदाहरण सहित बताएँ। उन्हें बताएँ कि प्रश्नवाचक वाक्य में क्या, क्यों, कैसे, कब आदि होते हैं और इनके अंत में प्रश्नवाचक चिह्न लगता है। गतिविधि पर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रमन की किससे दोस्ती हुई? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

जं	जी	र	प्रा	ची
ग	म	अं	जी	र
म	ना	औ	र	त
ला	लू	र	ता	लू

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- रतालू, जंजीर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से चयनित पाठ्यांश 'एक तालाब.... तुम्हारा नाम क्या है?' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-6 'घुमक्कड़ तारक'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 31

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों से गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें और समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आप कहाँ-कहाँ रहना चाहते हैं? आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से बच्चों के साथ 'कई गुना' का अर्थ समझाएँ। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण के तौर पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) शब्दों के समूह को लिखकर वर्गीकरण की अवधारणा स्पष्ट करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सबको फल कौन देता है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

ध	नि	या	लौ	की
ट	मा	ट	र	मा
घि	या	क	रे	ला
आ	लू	पा	ल	क

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- धनिया, आलू, पालक आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से चयनित पाठ्यांश 'तारक ने कहा.... लोगों को बचाया भी है' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-6 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 32 33

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आप अपने दोस्तों के साथ कहाँ-कहाँ जाना पसंद करेंगे और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) : आप बोर्ड पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) उदाहरण देते हुए गतिविधियाँ समझाएँ और फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास देना एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- शालू ने किस चीज से नाव बनाई? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

ना	व	ब	स	र
रे	ल	गा	ड़ी	घ
नू	सा	इ	कि	ल
मा	मा	ज	हा	ज

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- रेलगाड़ी, जहाज, साइकिल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से चयनित पाठ्यांश 'तारक को.... अवश्य समुद्र में रहने लगा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-6 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगर आपका तारक को समुद्र घुमाना हो तो कैसे घुमाओगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आओ बातचीत करें 1, 2, जीवों एवं जंतुओं की विशेषताएँ और गतिविधि 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। इस पर 2-3 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण के तौर पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) शब्दों के समूह को लिखकर वर्गीकरण की अवधारणा स्पष्ट करें और खोजे गए शब्द से वाक्य बनाकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप इस चित्र पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उन्हें नए-नए वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रोटी किसने बनाई? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

रो	टी	से	व	ई
श	ल	ज	म	ग
ग	र	मी	खा	ना
स	र	दी	ना	क

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- सेवई, रोटी, गरमी आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-6 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आइए कुछ बनाएँ 1 और पता कीजिए 1)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'किताब से शब्द छाँटो'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- केकड़े ने किसकी मदद की? आप अपने दोस्तों की मदद किस तरह से करते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ कक्षा के सभी बच्चों के सामने सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय / रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब / कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें।बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण / अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण / अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

आ	ग	रा	गो	वा
गो	र	ख	पु	र
ए	अ	ली	ग	ढ़
टा	ल	ख	न	ऊ

- जो बच्चे वर्ण / अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- अलीगढ़, लखनऊ, एटा आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरी यात्रा'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरी यात्रा'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मुझे यात्रा करना क्यों पसंद है? यात्रा में कहाँ-कहाँ जा चुका हूँ? आदि। **'मेरी यात्रा'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरी यात्रा'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप कहाँ की यात्रा करना पसंद करेंगे? आप अमूमन किसके साथ यात्रा करना पसंद करते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'मेरी यात्रा'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2-3 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-10 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-7 **'मित्र को पत्र'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- विश्वप्रसिद्ध, आवश्यक आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर आपको किसी को चिट्ठी लिखने का मौका मिले तो किसे लिखोगे और क्यों? आप उत्तर प्रदेश में कहाँ-कहाँ घूमना चाहोगे और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 36

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को प्रश्नवाचक वाक्य बनाने की अवधारणा उदाहरण सहित बताएँ। उन्हें बताएँ कि प्रश्नवाचक वाक्य में क्या, क्यों, कैसे, कब आदि आते हैं और इनके अंत में प्रश्नवाचक चिह्न लगता है। गतिविधि पर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से घर के अंदर और घर के बाहर खेले जाने वाले खेलों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- बिल्ली और चूहा दोनों किससे डर गए? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

चू	हा	भा	ग	न
जा	स	र	प	ट
ता	रा	त	ला	श
न	वी	न	ना	श

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- भारत, नाश, चूजा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 से चयनित पाठ्यांश 'प्रिय मित्र..... तट पर स्थित है?' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-7 **'मित्र को पत्र'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 37

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को विलोम शब्दों की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर समझाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4-5 विशेषता बताने वाले शब्द (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखें, बच्चों को विशेषता की अवधारणा स्पष्ट करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से खेलों के बारे में चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका मे दी गई गतिविधि बच्चों को स्वतंत्र रूप से करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर किसी एक विषय पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) संदेश/नारा लिखकर उसके बारे में बच्चों से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सरिता का छोटा भाई क्या कर रहा है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

के	क	प	नी	र
जा	मु	न	गा	य
ग	ला	अं	जी	र
त	ल	वा	र	ज

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- केक, जामुन, अंजीर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 से चयनित पाठ्यांश 'तुम्हें यह..... चलना पड़ता है' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-7 'मित्र को पत्र'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी सभी से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1-3)** के प्रश्नों पर पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 38 39

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- यदि आपको पत्र लिखने का मौका मिले तो किसे लिखेंगे और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ पर आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5-7 मिनट) : बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें कि हम सब त्योहार कैसे मनाते हैं। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- पापा भीगने से कैसे बचेंगे? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

छा	ता	क	मी	ज
को	ट	पैं	ट	र
अ	स	ल	वा	र
चा	द	र	ला	ख

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- कमीज, पैंट आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 से चयनित पाठ्यांश 'पैदल..... तुम्हारा मित्र रूपम' का मार्गदर्शित पठन करना।

विषयवस्तु: पाठ-7 'मित्र को पत्र'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- रूपम ने अपने पत्र में किन-किन जगहों के बारे में बताया? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आप पत्र में दिए गए खेल के अलावा और कौन-कौन से खेल खेलते हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 4, 5)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 40

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ एवं शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आज किसका जन्मदिन है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

फु	ट	बॉ	ल	खे
सि	तो	लि	या	ला
म	री	ल	लू	डो
जा	श	त	रं	ज

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- सितोलिया, लूडो आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-7 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ और मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(थोड़ा और जानिए 1, 2, खेल गीत, इन्हें भी जानिए)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी का कौन-सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अभय क्यों डर गया था? बहन से मिलने पर अभय ने और क्या-क्या बताया होगा? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर एक शब्द लिखें 'कटहल'। लिखे गए शब्दों के वर्णों/अक्षरों से दूसरा सार्थक शब्द बनाकर दिखाएँ, जैसे- कटहल - कल, कह, हल, टहल, लटक आदि। इसके बाद आप बोर्ड पर 10 शब्द (कदम, कसम, कमल, सफल, कसरत, जादूगर, सदाबहार, नवजीवन, जगजीवन, हवाईजहाज आदि) लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके दिए गए शब्दों से ज्यादा से ज्यादा शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और किन्हीं 5 शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

म	नो	ज	रा	गी
नो	ट	य	शी	ट
ह	दी	पी	का	न
र	पू	ला	ज	ग

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- मनोहर, दीपू आदि।

सप्ताह 11 **दिवस 6**

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरा प्यारा मित्र'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरा प्यारा मित्र'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरे सबसे अच्छे मित्र का नाम यह है और हम एक-दूसरे के साथ कैसे मस्ती करते हैं? आदि। **'मेरा प्यारा मित्र'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'मेरा प्यारा मित्र' के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके सबसे अच्छे मित्र का क्या नाम है? आप दोनों कब मित्र बने? आपको अपने मित्र की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'मेरा प्यारा मित्र'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2-3 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-11 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-8 **'चतुर गीदड़'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- प्राण, प्रयत्न आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कछुए ने क्यों कहा कि गीदड़ को पकड़ना कठिन है? अगर तुम मगरमच्छ होते तो गीदड़ को कैसे पकड़ते? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 42

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि तालाब के आस-पास कौन-कौन से जानवर आते होंगे। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) 2-3 वाक्य लिखें। लिखे गए वाक्य में क्रिया शब्द खोजकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- पेड़ के फूल किस रंग के हैं? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

ह	रा	ला	ल	ष
नी	ला	गु	ला	बी
का	धा	नी	पी	ला
ला	बैं	ग	नी	ला

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- बैंगनी, गुलाबी आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से चयनित पाठ्यांश 'पहला दृश्य..... मैं ऐसा ही करूँगा?' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 **'चतुर गीदड़'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 43

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- हरदीप और सोहन कहाँ गए? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

पै	सा	नो	ट	न
सो	ना	रु	प	या
चाँ	दी	ही	रा	ख
तां	बा	पी	त	ल

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- पैसा, पीतल, तांबा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से चयनित पाठ्यांश 'दूसरा दृश्य..... सहायता कर सकता हूँ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 **'चतुर गीदड़'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें।अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कहानी से 1, भाषा की बात 1-3)** के प्रनों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44 45

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपको यदि भूख लगती है तो क्या करते हैं? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- स्कूल में तहरी कैसी बनी थी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर ग्रिड से वर्णों/अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने को कहें।

छा	ता	क	मी	ज
को	ट	पैं	ट	र
अ	स	ल	वा	र
चा	द	र	ला	ख

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- छाता, सलवार आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से चयनित पाठ्यांश 'कछुआ..... आओ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 'चतुर गीदड़'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- पाठ की कहानी की घटना को क्रमवार बताएँ? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- कछुए ने गीदड़ को मूर्ख क्यों बोला? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 4 एवं मेरी सोच)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 46

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों से इस पर प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों को उदाहरण देते हुए बताएँ कि संज्ञा, सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को उनके पहले/बाद में लगाते हैं, जैसे- चालाक लोमड़ी में 'चालाक' विशेषता वाला शब्द है और 'लोमड़ी' संज्ञा शब्द है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- भालू कहाँ पढ़ाता है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

भा	लू	जि	रा	फ
हा	थी	शे	र	थ
चू	हा	लो	म	ड़ी
साँ	प	के	स	र

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- साँप, केसर आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-8 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठयपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आप क्या सोचते हैं?, मेरी कलाकारी)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'सूची बनाओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि के सभी निर्देश स्पष्टता के साथ देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्पुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मगरमच्छ के दाँत क्यों टूटने लगे? जैसे मगरमच्छ को चतुर कहा गया है, ऐसे और कौन-कौन से जानवर को चतुर कहा जा सकता है और क्यों? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (10 मिनट) :** आप बोर्ड पर आख लिखें। लिखे गए शब्द में अनुनासिक लगाकर सार्थक शब्द बनाकर दिखाएँ, जैसे- आख - आँख आदि। फिर बोर्ड पर 10 शब्द (पाच, वहा, गाव, काव, चाद, काच, जाए, खाए, पहुच, जाऊगा) लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके दिए गए शब्दों में सही जगह अनुनासिक लगाकर सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और किन्हीं 5 शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। जो बच्चे अभी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं, उनके लिए दिए गए ग्रिड को बोर्ड पर बनाकर वर्ण/अक्षर पहचान का अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों को ग्रिड से शब्द बनाने को कहें।

ख	र	गो	श	जो
क	ह	ल	वा	ड़
पे	ठा	ज	पो	हा
खी	र	जी	रा	थी

- जो बच्चे वर्ण/अक्षर मिलाकर शब्द पढ़ पा रहे हैं, उन्हें आप शब्द पढ़ने को दें, जैसे- खीर, पोहा आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरी पसंद का खाना'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरी पसंद का खाना'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मुझे क्या-क्या खाना पसंद है? मुझे किसके-किसके हाथ का खाना पसंद है? मुझे क्या-क्या बनाना आता है? आदि। **'मेरी पसंद का खाना'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरी पसंद का खाना'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपका सबसे पसंदीदा खाना कौन-सा है? अगर आपको खाना बनाने का मौका मिले तो क्या बनाओगे? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'मेरी पसंद का खाना' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2-3 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-12 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 13

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति** : हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सभी सप्ताह में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृत्ति** : सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 12 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है तो बेझिझक करें।
- जो बच्चे समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्य योजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताहों के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

सप्ताह 14 **दिवस 1**

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-9 **'प्रकृति पर्व फूलदेई'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- संक्रांति, व्यंजन, चैत्र आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके प्रदेश मे कौन-कौन से प्रसिद्ध त्योहार मनाए जाते हैं? त्योहारों में आपके घर पर क्या-क्या बनता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 53

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप पूर्ण विराम की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें और पूर्ण विराम कहाँ लगाना है और क्यों इस पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आपके घर में त्योहार पर कौन-कौन से पकवान बनाए जाते हैं? कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि में दिए गए त्योहार में बनाए जाने वाले पकवान का नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से उनके पसंदीदा त्योहार पर चर्चा करें, जैसे- त्योहार कैसे मनाते हैं? त्योहार पर क्या-क्या पकवान बनते हैं? त्योहार कितने दिन मनाया जाता है? आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 1 एवं पठन अभ्यास 9

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- गेंद कहाँ जा गिरी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 9 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- कनक, मम, दिल्ली आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से चयनित पाठ्यांश 'जानकी बहुत..... मनाया जाता है' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-9 **'प्रकृति पर्व फूलदेई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें, उनकी सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को एक वचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें, जैसे- महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी मनाई जाती है और असम में बीहू आदि। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि- 5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले तीन वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 2 एवं पठन अभ्यास 9

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- गिलहरी क्या लेकर भागी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 9 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- रेलगाड़ी, स्टेशन, दिल्ली, मामा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से चयनित पाठ्यांश 'चैत्र माह..... भंडारे भरे रहें' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-9 **'प्रकृति पर्व फूलदेई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात, पता कीजिए 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55 56

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- ऐसे और कौन-कौन से त्योहार हैं, जो भाई-बहन मिलकर मनाते हैं? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 3 एवं पठन अभ्यास 10

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- घड़ी के कितने हाथ हैं? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 10 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- मोहन, सोहन, भाई आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से चयनित पाठ्यांश 'सभी घरों में..... प्रेरणा भी देता है' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-9 **'प्रकृति पर्व फूलदेई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आप अपने त्योहारों से क्या-क्या सीखते हो? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आइए एवं अपना घर सजाएँ)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 57

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले दो वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 4 एवं पठन अभ्यास 10

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- मिंटी किसका नाम है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 10 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- दोस्त, उनके, खेलने आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-9 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ और मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कल्पना कीजिए एवं आइए जानें)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर कहानी में नया पात्र जोड़ना हो तो आप किसे रखना चाहोगे? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- सुबह नए कपड़े पहनकर अरमान कहाँ गया? आप अपने दोस्तों को कब-कब मुबारकबाद देते हैं और क्यों? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 15 शब्द (रस, बाद, बगुला, ताला, नाला, मगर, नहर, पलक, गदा, कपट, ताजा, जरा, फसल, कमल, मगन) लिख दें। आप किसी एक शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर दूसरा सार्थक शब्द उदाहरण के रूप में लिखें, जैसे गदा - दाग। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं पठन अभ्यास 10

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 10 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- गए, साथ, खेलते आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'पसंदीदा त्योहार'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'पसंदीदा त्योहार'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरा पसंदीदा त्योहार कौन-सा है? मैं अपने पसंदीदा त्योहार पर क्या-क्या करता हूँ? मैं पसंदीदा त्योहार किसके साथ मनाता हूँ? आदि। **'पसंदीदा त्योहार'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'पसंदीदा त्योहार'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपका पसंदीदा त्योहार कौन-सा है? आप अपने पसंद के त्योहार पर क्या-क्या करते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'पसंदीदा त्योहार'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-14 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'रस्साकशी'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- अड़ाओ, भिड़ाओ, जोश आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको रस्साकशी खेल में जीतना हो तो उसके लिए क्या करोगे? रस्साकशी में अगर रस्सा फिसल गया तो क्या-क्या हो सकता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 59

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप दिए गए उदाहरण से गतिविधि समझाएँ। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि रस्सी का उपयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है? अंत में, सभी बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले तीन वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 1 एवं पठन अभ्यास 11

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- गिलहरी की खुजली का इलाज किसने किया? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 11 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- किसान, खेत, जोत, अचानक आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 से चयनित पाठ्यांश 'जोर लगाओ..... हेई सा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'रस्साकशी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 60

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप अपने पसंदीदा खेल के अलग-अलग आयामों जैसे- खेल का नाम, खेल के नियम, कहाँ खेलते हैं, कितने लोग खेलते हैं? आदि पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से अपने पसंदीदा खेल के बारे में बताने को कहें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 2 एवं पठन अभ्यास 11

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- किसने जोर से छींका? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 11 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- अचानक, बारिश, भीगने, बैल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 से चयनित पाठ्यांश 'खींचो खींचो..... हेई सा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'रस्साकशी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आपने बहुत से खेल खेले होंगे, आइए चित्र देखकर खेल पहचानिए एवं भाषा की बात 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 61 62

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)
- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)
- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपके गाँव/शहर में कौन-कौन से खेल खेले जाते हैं? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)
- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 3 एवं पठन अभ्यास 12

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- फव्वारे कहाँ लगे थे? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 12 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- रेल, भाई, जानवरों आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 से चयनित पाठ्यांश 'हुए पसीने से..... हेई सा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'रस्साकशी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- किसी खेल में जीतने के लिए आप क्या-क्या करते हो? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कविता से आगे 1, 2 एवं आगे बताएँ)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 63

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ खेलों पर मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर दो संबंधित वाक्य लिखें, जैसे- मेरे पास एक किताब है। किताब मोटी है। फिर दोनों वाक्यों के भाव को जोड़ते हुए एक नया वाक्य बनाएँ, जैसे- मेरे पास एक मोटी किताब है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से आप,अपने पसंदीदा खेल के बारे में चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 4 एवं पठन अभ्यास 12

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रोहन ने क्या बनाया? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 12 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- पहले, डब्बे, भालू आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-10 की गतिविधियों परकार्य और पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं पढ़ने के लिए 'सुनो भाई गप्प' (पा.पु. 80 81)

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कुछ नया करें 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (5 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको गप्प मारना हो तो कैसे मारोगे? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 10 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 64

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- मैच में रेफरी किसे बनाया गया? अगर बारिश न हुई होती तो मैच कौन जीतता और क्यों? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले तीन वाक्य बोलें और बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं पठन अभ्यास 12

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 12 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- पहले, जानवरों आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरे पसंद का खेल'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरे पसंद का खेल'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरा पसंद का खेल क्या है? मैं यह खेल कैसे खेलता हूँ? खेलने के फायदे क्या है? आदि। **'मेरे पसंद का खेल'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरे पसंद का खेल'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपका पसंदीदा खेल कौन-सा है? आप अपने पसंद के खेल को कैसे और किसके साथ खेलते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'मेरे पसंद का खेल'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 64

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-15 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 61

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 16 **दिवस 1**

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-11 'जादुई पिटारा'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- खूँट, गुब्बारा, स्टेशन आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर आपको ऊँटों से काम लेना हो तो क्या-क्या काम लोगे? इस कविता मे आपको सबसे अच्छा क्या लगा? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 65

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को प्रश्नवाचक वाक्य बनाने की अवधारणा उदाहरण सहित बताएँ। उन्हें बताएँ कि प्रश्नवाचक वाक्य कैसे, क्या, कब और कहाँ आदि हैं और इनके अंत में प्रश्नवाचक चिह्न लगता है। गतिविधि पर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को तुकांत शब्द के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर उस पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले तीन वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 1 एवं पठन अभ्यास 13

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- खट-खट की आवाज कब होती थी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 13 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- रणवीर, वाराणसी, उसकी आदि।

सप्ताह 16 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से चयनित पाठ्यांश 'एक पिटारा..... एक सुपारी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तुः पाठ-11 'जादुई पिटारा'

तैयारीः पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खोजिए और लिखिए 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 66

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करे।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4-5 शब्द उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में लिखें। फिर लिखे शब्द का पुल्लिंग और स्त्रीलिंग समझाएँ, जैसे- हाथी 'पुल्लिंग' है, जबकि हथिनी 'स्त्रीलिंग'। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 2 एवं पठन अभ्यास 13

तैयारीः रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सरोज कब सोकर उठी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 13 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- वाराणसी, जौनपुर, खाना आदि।

सप्ताह 16 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से चयनित पाठ्यांश 'उसी सुपारी..... थे बारा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-11 'जादुई पिटारा'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खोजिए और लिखिए 3, 4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67 68

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-3 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अगर घोड़ा नहीं आता तो क्या होता? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 3 एवं पठन अभ्यास 14

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- लोमड़ी ने भालू से क्या कहा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 14 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- उजमा, पतंग, पेड़ आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से चयनित पाठ्यांश 'एक छेद..... बेहद मस्ताने' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-11 'जादुई पिटारा'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगर आपके पास जादुई पिटारा हो तो उससे क्या-क्या निकालोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 5-7)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : आप मौखिक रूप से गतिविधि पर बच्चों से चर्चा करें कि बातचीत को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप इस चित्र पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उन्हें नए-नए वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप 5-7 शब्दों वाले तीन वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'**सुनकर लिखें**' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 4 एवं पठन अभ्यास 14

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- खिलौने पाकर अनूप को कैसा लगा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 14 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- उड़ते, बंदर, अटक आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-11 की गतिविधियों पर कार्य और पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं पढ़ने के लिए **'ट्रैफिक जाम'** (पा.पु. 91)

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(मैं अपने जादुई पिटारे में ये वस्तुएँ रखूँगा एवं मेरी कलाकारी)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (5 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि। बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप कभी ट्रैफिक जाम में फँसते हो तो क्या करते हो? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें। उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 70

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- कौन-कौन सी रंग की पतंगें थीं? चंदा के गाँव में और क्या-क्या होगा? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 10 वाक्य (खाती है रीता खाना। मोहन है घर पर। कलम यह है किसकी? बोतल किसकी यह है? आदि) लिख दें। आप पहले वाक्य को सही करके बताएँ, जैसे- रीता खाना खाती है। अब आप बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे वाक्य को सही करके कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं पठन अभ्यास 14

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप पठन अभ्यास 14 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- देखा, लेकर, गई आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरे पसंद का फल'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरे पसंद का फल'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरी पसंद का फल क्या है? यह कहाँ मिलता है? कब होता है? आदि। **'मेरे पसंद का फल'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)
- अब बच्चों को **'मेरे पसंद का फल'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके पसंद का फल कौन-सा है? आपके लिए पसंद का फल कौन-कौन लाकर देता है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)
- आप बच्चों से **'मेरे पसंद का फल'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 70

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-16 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :
- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)
- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)
- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 17 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'अपना-अपना काम'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- अचंभित, पश्चात्, परिश्रम आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके घर मे कौन-कौन, किस-किस तरह का परिश्रम करता है? अगर आप मधुमक्खी की तरह उड़ने लगते तो कहाँ-कहाँ जाते? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 71

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि सिमरन क्या-क्या बनना चाहती है? 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ चर्चा करें कि वह विद्यालय और घर में क्या-क्या काम करते हैं? कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आम किस-किसने तोड़े? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- भालू, लोमड़ी, जंगल, बहन आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से चयनित पाठ्यांश 'सिमरन बाग..... सिमरन ने कहा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'अपना-अपना काम'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-5)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 72

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से क्रिया शब्द की अवधारणा पर उदाहरण सहित चर्चा करें, जैसे- खेलना, पढ़ना, कूदना आदि शब्द किसी कार्य का होना दर्शाते हैं। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले चार वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- दिलीप खेलने कहाँ गया? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- बाजार, मिठाइयाँ, वापस आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से चयनित पाठ्यांश 'इधर से उधर..... खा लेते हैं' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'अपना-अपना काम'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कहानी से 1-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73 74

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-3 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपने घड़ी कहाँ-कहाँ टंगी हुई देखी है? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- स्टूल पर कौन चढ़ा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- चूजा, मैना, छूकर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से चयनित पाठ्यांश 'लेकिन इन..... बैठ गई' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'अपना-अपना काम'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आप क्या-क्या पाने के लिए परिश्रम करना चाहोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कहानी से 5, भाषा की बात 1)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि किसने किससे कहा। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर घड़ी बनाकर उसमें समय (कार्यपुस्तिका से भिन्न) सुई बनाकर दर्शाएँ। फिर बच्चों को दी गई घड़ियों में घंटे और मिनट की सुई बनाकर दर्शाने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले चार वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 4 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 क्रम संख्या 4 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रानी को क्या पसंद है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- फलवाला, ताजा, मोना, बाजार आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-12 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कल्पना कीजिए एवं चित्रकारी)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'मनमोहक वाक्य एवं चित्र के साथ विज्ञापन बनाना'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 76

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- गाँधी जी पूरे कपड़े क्यों नहीं पहनते थे? गाँधी जी की बात सुनने बहुत सारे लोग क्यों आते होंगे? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 5 शब्द (नदी, आसमान, दोस्त, खेल, खेत) लिख दें। आप उदाहरण के तौर पर नदी से संबंधित चित्र संयोजक बनाकर दिखाएँ, जैसे- नदी, रेत, पानी, नाव, मछली, कछुआ, पुल आदि। अब आप बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द का चित्र संयोजक बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- बड़े, केक, खाऊँगी, पहले आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिंदु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मुझे क्या करना अच्छा लगता है'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मुझे क्या करना अच्छा लगता है'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मुझे क्या करना अच्छा लगता है? मैं अपने पसंद का काम क्यों करना चाहता हूँ? आदि। **'मुझे क्या करना अच्छा लगता है'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मुझे क्या करना अच्छा लगता है'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको अपने मनपसंद काम को करने का मौका कब-कब मिलता है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'मुझे क्या करना अच्छा लगता है'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 76

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-17 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-13 **'पेड़ों की अम्मा थिमक्का'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- रमणीय, सुसज्जित आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- थिमक्का के लगाए पेड़ों से वहाँ के लोगों को क्या-क्या फायदा मिलता होगा? थिमक्का ने कौन-कौन से पेड़ लगाए होंगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 77

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-1 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से छायादार और फलदार पेड़ पर चर्चा करें। इस पर 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से जीविका अर्जित (पैसा कमाने) करने के लिए लोग कौन-कौन सा कार्य करते हैं? पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप स्वयं का उदाहरण देते हुए बताएँ कि आप बचपन में क्या बनना चाहते थे और क्यों? कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- उदिता क्यों खुश है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- इमरती, गाना, खुश आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से चयनित पाठ्यांश 'ये श्रीमती..... जाना जाता है' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-13 **'पेड़ों की अम्मा थिमक्का'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 78

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर बच्चों को 'थिमक्का अम्मा' के जीवन से जुड़े मुख्य पड़ाव का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर किसी एक विषय (कार्यपुस्तिका से भिन्न) संदेश/नारा लिखकर उसके बारे में बच्चों से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले चार वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सूरज लाल गेंद-सा कब दिखता है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- सूट, कपड़े, चाचा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से चयनित पाठ्यांश 'थिमक्का..... सम्मानित किया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-13 'पेड़ों की अम्मा थिमक्का'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पाठ के आगे 1, 2 एवं भाषा की बात 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79 80

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- ईंधन के लिए किन-किन चीजों को उपयोग में लिया जाता है? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- राजू किसका हवाई जहाज बनाता है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- घोड़ा, जंगल, मीठा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से चयनित पाठ्यांश 'इनकी उम्र..... थिमक्का' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-13 **'पेड़ों की अम्मा थिमक्का'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आपको पेड़ लगाना हो तो कौन-कौन से पेड़ लगाओगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 3 एवं कुछ नया करें 1)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 81

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर वर्तमान और भविष्य काल का उदाहरण दें, जैसे- मैं खाना खाता हूँ। फिर बच्चों को बताएँ कि यह वर्तमान काल दर्शाता है, जबकि भविष्य काल में होगा- मैं खाना खाऊँगा आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने सही शब्द पढ़े उसे पत्रक में अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- गुलाल, रंग, दोस्तों, मिलकर आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-13 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कुछ नया करें 2)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आपको कहानी का कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- इस कहानी का नया नाम क्या-क्या हो सकता है? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 82

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- हरे पेड़ों से हमें क्या-क्या मिलता है? आपको कौन-सी बात सबसे ज्यादा उत्सुक करती है और क्यों? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर अपने घर का मानचित्र बनाकर बच्चों को दिखाएँ। मानचित्र के बारे में बच्चों से चर्चा करें। फिर आप बच्चों को जोड़ियों/समूहों में कक्षा-कक्ष का मानचित्र बनाने और कॉपी में कक्षा-कक्ष के अच्छे अनुभव को 2-3 वाक्यों में लिखने और पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- मिलकर, मजा, उन्होंने, छपे आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरे पसंदीदा व्यक्ति'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरे पसंदीदा व्यक्ति'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- मेरे पसंदीदा व्यक्ति कौन हैं? उन्होंने क्या-क्या महत्वपूर्ण कार्य किया है? आदि। **'मेरा पसंदीदा व्यक्ति'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरे पसंदीदा व्यक्ति'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे में चर्चा करें, जैसे- कौन-कौन से व्यक्ति पसंद के हो सकते हैं? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 82

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-18 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-14 **'किसान की होशियारी'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- चमकीले, भूमि आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- भालू ने क्या सोचकर कहा होगा कि भूमि के ऊपर की उपज मेरी और नीचे की तुम्हारी? अगर आप किसान होते तो पहली बार में कौन-सी फसल बोते और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 83

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को विलोम शब्दों की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- कठपुतली के साथ कौन नाचने लगा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- कुत्ता, खेलते, दोस्ती, रोज आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से चयनित पाठ्यांश 'एक किसान..... तुम्हारी रहेगी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-14 **'किसान की होशियारी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-2 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से क्रिया और संज्ञा शब्द पर चर्चा करें। फिर पाठ्यपुस्तक के पाठ में आए एक-एक क्रिया और संज्ञा शब्द खोजकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों के साथ मौखिक रूप से खाद्य पदार्थ और उसके भागों पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले चार वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- राकेश कहाँ खेल रहा था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- नानी, अमरूद, जामुन, बहुत आदि।

सप्ताह 19 **दिवस 3**

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से चयनित पाठ्यांश 'किसान ने आलू..... खीझकर रह गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-14 **'किसान की होशियारी'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1, 2 एवं कहानी से आगे 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85 86

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपके घर में खिचड़ी कैसे बनाई जाती है, उसकी प्रक्रिया बताएँ? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5 मिनट) : बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने के लिए कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- खरगोश किसके साथ जंगल से गुजर रहा था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- आसमान, शालू, दीपू आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से चयनित पाठ्यांश 'इस बार..... सिर चकरा गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-14 'किसान की होशियारी'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगर आप भालू की जगह होते तो क्या करते? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(वर्ग पहेली एवं आनंद के लिए 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 87

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप इस चित्र पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उन्हें नए-नए वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- सेवई, मिलकर, पालक, आलू आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-14 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 3-4 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कुछ नया करें, मेरी चित्रकारी एवं झटपट कहिए)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'स्कूल के अंदर (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि के सभी निर्देश स्पष्टता के साथ देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 88

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- भालू क्यों डर गया? आपके साथ कभी कोई गड़बड़ हुई है, उसके बारे में बताएँ आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4x5 का ग्रिड बनाकर उसमें कुछ ऐसे वर्ण/अक्षर लिख दें, जिनसे सार्थक शब्द बनाए जा सकें। इस प्रक्रिया का उदाहरण देकर बच्चों को दिखाना कि उपर से नीचे, बाएँ से दाएँ शब्द कैसे खोजना है। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रिड से ज्यादा से ज्यादा शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें। गतिविधि के अंत में अलग-अलग जोड़ियों से पूछें कि किसने कितना शब्द बनाया है? बच्चों को ज्यादा से ज्यादा शब्द बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- सब्जी, माँ, बहुत आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'घर के सदस्य और उनके काम'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'घर के सदस्य और उनके काम'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपके घर मे कितने सदस्य हैं और वे क्या-क्या करते हैं? आपको सबसे अच्छा काम किसका लगता है? आदि। **'घर के सदस्य और उनके काम'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'घर के सदस्य और उनके काम'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 3-4 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे मे चर्चा करें, जैसे- आपके घर मे आपको किसका काम पसंद है? घर के काम कौन-कौन करता है? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 88

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-19 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 20

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सभी सप्ताह में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृत्ति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 19 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है, तो बेझिझक करें।
- जो बच्चे समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्य योजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताहों के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-15 **'लोकगीत'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- मृदंग, बटोहिया, ऋतु आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपके यहाँ होली में कौन-कौन से गीत गाए जाते हैं? आपके घर में किसी के जन्मदिन या शादी में किस तरह के लोकगीत गाए जाते हैं?

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 94

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से पाठ में आए अलग-अलग भाषा/बोली के गीतों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अवधी भाषा के शब्दों को (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखकर उन शब्दों को मानक हिन्दी में क्या कहते हैं, इस पर चर्चा करें और उदाहरण सहित समझाएँ, जैसे- बदरा को बादल, अँचरा को आँचल आदि। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ विलोम शब्दों पर चर्चा करें। बोर्ड पर वाक्य लिखकर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) रेखांकित शब्दों का विलोम बनाते हुए वाक्य लिखकर बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रोज समय से स्कूल कौन पहुँचता है? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- चूहा, चने, झपटा, डरकर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 से चयनित पाठ्यांश 'आज बिरज..... बटोहिया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-15 **'लोकगीत'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 95

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप मौखिक रूप से गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए चर्चा करें और समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से अलग-अलग बोलियों के शब्दों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से बच्चों के साथ गाँव-घर में मिलने वाले वाद्ययंत्रों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सबने मिलकर कौन-सा खेल खेला? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- चंदा, मामा, हँस, देखकर आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 से चयनित पाठ्यांश 'बाबा निमिया..... मोरे बाबा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-15 **'लोकगीत'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कविता से 1, 2 एवं शब्दों का खेल 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 96 97

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अगर बारिश होने लगे तो क्या-क्या होगा और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5-7 मिनट) : बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को पढ़ने के लिए कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वो संज्ञा है या सर्वनाम है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगले दिन सोहन और मोहन कहाँ गए? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- बरसात, छाता, भीगने, पापा आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 से चयनित पाठ्यांश 'देखो सखी..... दिखाई' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-15 'लोकगीत'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- बारिश में आपके आस-पास क्या-क्या बदलाव दिखता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(समझिए और लिखिए 1-4 एवं आइये जानें)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 98

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से अलग-अलग बोलियों के शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को मानक हिन्दी में क्या कहते हैं, पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों से अलग-अलग कामों हेतु उपयोग में आने वाली वस्तुओं के बारे में चर्चा करें और उदाहरण सहित समझाएँ, जैसे- बाल्टी - बाल्टी में पानी भरा जाता है, आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों से मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- आयशा, माँ, दोनों आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-15 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 5-6 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कला की कलाकारियाँ 1, 2 एवं बूझो तो जानें)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? कहानी में आगे क्या होगा? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर आपको इस कहानी का अंत बदलना हो तो क्या करोगे? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 99

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- किसके लिए भोजन परोसा गया? थाली किन-किन चीजों से बनाई जाती है? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- सरपट, जन्मदिन, केक आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरी पसंद के लोकगीत'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरी पसंद के लोकगीत'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- किस-किस अवसर पर लोकगीत गाए जाते हैं? आपके घर में लोकगीत कौन गाता है? आदि। **'मेरी पसंद के लोकगीत'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरी पसंद के लोकगीत'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 5-6 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे में चर्चा करें, जैसे- जन्मदिन, मुंडन, विवाह में कौन-कौन सा लोकगीत गाया जाता है? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 99

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-21 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 96

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

सप्ताह 22 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तुः पाठ-16 'चंद्रयान'

तैयारीः कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सुप्रभात, ध्रुव आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप चंद्रमा को क्या-क्या कहकर बुलाते हैं? चाँद घटता-बढ़ता क्यों है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 100

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों से मौखिक रूप से चंद्रमा पर 4-5 पंक्तियों की कविता सुनाने के लिए कहें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19

तैयारीः रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- यमन और सुमन कहाँ गए? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- रंग, पत्ता, चोंच, लाल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'कक्षा में..... मैं चाँद पर जाऊँ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'चंद्रयान'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 3, 4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 101

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर गतिविधि का पहला उदाहरण देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए पाठ को पढ़ने के लिए कहें और पाठ में आए संज्ञा, सर्वनाम और विशेषता वाले शब्दों पर चर्चा करें कि वो संज्ञा है, सर्वनाम है या विशेषता वाले शब्द हैं। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- किसका जन्मदिन था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- हरदीप, सोहन, पैसे, बचे आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'अध्यापिका- क्या हम..... गौरव की बात' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 'चंद्रयान'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1, 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 102 103

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बच्चों को घर से चंद्रयान के बारे में क्या-क्या जानकारी मिली होगी? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सफेद भेड़ कहाँ घास चर रही थी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- रसोई, तहरी, स्कूल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'एक विद्यार्थी..... क्या मिला होगा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'चंद्रयान'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आपको चंद्रमा पर जाना हो तो कैसे जाओगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 3, 4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 104

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को दी गई बातचीत पढ़ने के लिए कहें। फिर पूछें कि बातचीत को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है। इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- भालू, बंदर, कक्षा, लोमड़ी आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-16 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 5-6 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 5, 6)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'यात्रा (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि के सभी निर्देश स्पष्टता के साथ देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 105

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- रजनी ने चंद्रमा पर जाकर सबसे पहले क्या किया? अगर रजनी के साथ आपको चंद्रमा पर जाने का मौका मिलता तो आप क्या-क्या करते? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से साइकिल के भागों और उनके कार्य के बारे में चर्चा करें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर कॉपी में साइकिल का चित्र बनाकर उसके प्रत्येक भाग के नाम के साथ उसके कार्य लिखने को कहें। अंत में, 2-3 जोड़ियों/समूहों से बनाए गए चित्र और उसके बारे में लिखे गए कार्यों को सबके सामने साझा करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- हरा, मेले, हमेशा, पीछे आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'रात में चंद्रमा'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'रात में चंद्रमा'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपके घर से किस दिशा मे चंद्रमा दिखता है? महीने में कितने दिन दिखता है? आपको चंद्रमा देखना क्यों पसंद है? आदि। **'रात में चंद्रमा'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'रात में चंद्रमा'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 5-6 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे मे चर्चा करें, जैसे- आपको चंद्रमा को देखना कैसा लगता है? चंद्रमा के साथ-साथ आसमान में और क्या-क्या दिखता है? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 105

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-22 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 102

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-16 'चंद्रयान'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- वैज्ञानिक, लैंडर आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर हमें चंद्रमा पर जाना हो तो कैसे जा सकते हैं? चंद्रमा पर आपको खोज करने का अवसर मिले तो क्या-क्या खोजोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 7)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 106

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप कुछ बच्चों से मौखिक रूप से चंद्रमा पर आधारित कोई परिचित कविता सुनाने के लिए कहें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि चाँद से धरती पर क्या-क्या दिखाई देगा और क्या नहीं? 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : आप मौखिक रूप से अपने जीवन की किसी आश्चर्यजनक घटना के बारे में बताएँ। 3-4 बच्चों को भी उनके जीवन की आश्चर्यजनक घटना के बारे मे बताने के लिए कहें। घटना में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- दादी ने किससे कहानियाँ सुनी थीं? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- कबीर, गेंद, दरवाजे, छत आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'कुछ विद्यार्थी..... तीन चार पोखर हैं' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'चंद्रयान'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**भाषा की बात 1**) पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 107

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-2 पर कार्य करें-
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चंद्रमा आधारित किसी त्योहार (जैसे- ईद) के बारे मे चर्चा करें, जैसे त्योहार का नाम, उसमें पहनने वाले कपड़े, पकवान और किसके साथ मनाते हैं। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप दिए गए उदाहरण से गतिविधि समझाएँ। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि वे चाँद पर किन-किन चीजों की दुकानें खोल सकते हैं और क्यों? कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- शाहीन स्कूल किससे जाती थी? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- तोता, पेड़, गिलहरी, तेजी आदि।

सप्ताह 23 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'एक अन्य विद्यार्थी..... सुनाया था' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 'चंद्रयान'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**भाषा की बात 2**) के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 108

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपके आस-पास कोई समस्या दिखती है तो उसे ठीक करने के लिए आप क्या चीज बनाएँगे और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- वेदांत के फूफा जी ने उसे क्या-क्या खिलाया? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- घड़ी, हाथ, गिनती, बारह आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'अध्यापिका..... चंद्रयान से जाएंगे' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'चंद्रयान'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अगर आपको चंद्रमा पर खेती करनी हो तो कैसे करोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(समझिए और लिखिए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 109

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनका उपयोग करते हुए चर्चा के माध्यम से मौखिक कहानी बनवाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चंद्रमा के विभिन्न रूपों पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- गर्मी, शरबत, नींबू, डालकर आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-16 की गतिविधियों पर कार्य और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 5-6 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कुछ बनाइए)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (5-7 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आपको कहानी का कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- अंग्रेजों की कौन-सी नीति के कारण रानी को युद्ध करना पड़ा? युद्ध होने पर क्या-क्या नुकसान हो सकता है? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 5 शब्द (मेला, स्कूल, सड़क, रेलवे स्टेशन, गाँव) लिख दें। आप उदाहरण के तौर पर स्कूल से संबंधित चित्र संयोजक बनाकर दिखाएँ, जैसे- स्कूल - शिक्षक, किताब, कॉपी, बच्चे, कुर्सी, मेज, खेल, रजिस्टर आदि। अब आप बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द का चित्र संयोजक बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- नमक, गिलहरी, खोलने, दरवाजे आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरी पसंदीदा सवारी गाड़ी'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरी पसंदीदा सवारी गाड़ी'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपको किस गाड़ी से सवारी करना पसंद है? आप सवारी गाड़ी से कहाँ-कहाँ जा चुके हो? आदि। **'मेरी पसंदीदा सवारी गाड़ी'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेरी पसंदीदा सवारी गाड़ी'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 5-6 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे में चर्चा करें, जैसे- कौन-कौन सी सवारी गाड़ी आपने देखी हैं? आपके यहाँ से कौन-कौन सी सवारी गाड़ी चलती है और कहाँ-कहाँ जाती है? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-23 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 108

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना

विषयवस्तु: पाठ-17 'वाराणसी की यात्रा'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- संग्रहालय, विश्वविद्यालय आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- घूमने के अलावा आपको क्या-क्या करना पसंद है? आप कहाँ-कहाँ घूमने जाना चाहते हो? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 111

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-1 पर कार्य करें-
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को उदाहरण देते हुए बताएँ कि संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को उनके पहले या बाद में लगाते हैं, जैसे- लाल कार। इसमें **'लाल'** विशेषता वाला शब्द है। इसी प्रकार संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग होता है, जैसे- वह, तुम, उसका आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर वर्तमान और भविष्य काल का उदाहरण दें, जैसे- वह आम खाता है। फिर बच्चों को बताएँ कि यह वर्तमान काल दर्शाता है, जबकि भविष्य काल में होगा- वह आम खाएगा, आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप मौखिक रूप से रेल यात्रा के दौरान दिखने वाली चीजों पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- फिल्म की तारीफ कौन-कौन कर रहे थे? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- समीना, शरीर, पत्तों आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से चयनित पाठ्यांश 'गर्मियों की..... रस से भर गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-17 'वाराणसी की यात्रा'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 112

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ एवं उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से अपने प्रदेश के शहरों के नाम पर चर्चा करें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- सर्कस में हाथी क्या कर रहा था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- शालू, राहत, नाक, निकल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से चयनित पाठ्यांश 'सुबह तैयार..... संकटमोचन मंदिर भी गए' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तुः पाठ-17 **'वाराणसी की यात्रा'**

तैयारीः पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1-5)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 113 114

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- गर्मी की छुट्टियों में आप कहाँ घूमने जाना पसंद करोगे और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिये गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5-7 मिनट) : आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से शहरों और उनमें बहने वाली नदियों के नाम पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21

तैयारीः रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- दानिश को बादलों में क्या-क्या दिखा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- दादा, पार्क, हरियाली, फव्वारे आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से चयनित पाठ्यांश 'भूख लगी..... देखते रहे' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तुः पाठ-17 **'वाराणसी की यात्रा'**

तैयारीः पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- लहूराबीर बाजार में सबने क्या-क्या खरीदा होगा? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 6, 7 एवं यात्रा वृत्तांत के आगे 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 115

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से बच्चों के साथ नदी से संबंधित शब्दों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाहनों की गति पर चर्चा करें और दिए गए उदाहरण से गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21

तैयारीः रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- कुतिया, पूँछ, प्यारी आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-17 की गतिविधियों पर कार्य एवं बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: चर्चा के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (15-20 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 5-6 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(यात्रा वृतांत के आगे 4. 5 एवं कला की कलाकारियाँ 1)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

सृजनात्मक कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि **'टीवी देखना (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि के सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- पर्ची पर क्या-क्या लिखा था? आप जब कोई खेल हार जाते हो तो आपको कैसा लगता है और क्यों? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से कार के भागों और उनके कार्य के बारे में चर्चा करें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर कॉपी में कार का चित्र बनाकर उसके प्रत्येक भाग के नाम के साथ उसके कार्य लिखने को कहें। अंत में, 2-3 जोड़ियों/समूहों से बनाए गए चित्र और उसके बारे में लिखे गए कार्यों को सबके सामने साझा करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- घबराते, बैठ, बहुत आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'घूमना'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'घूमना'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आपको घूमना कैसा लगता है? आप कहाँ-कहाँ घूम चुके हो? घूमते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? आदि। **'घूमना'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'घूमना'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा मे कम से कम 5-6 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे में चर्चा करें, जैसे- आपको घूमने जाना हो तो कहाँ जाना चाहोगे और किसके साथ? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-24 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 114

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें। बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सरासर, रामेश्वर आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आपको भारत भर में घूमना हो तो कहाँ-कहाँ जाओगे और क्यों? आप अपनी माँ से क्या-क्या बातचीत करते हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 117

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें और उदाहरण सहित समझाएँ, जैसे- कौआ पेड़ पर रहता है, वैसे ही अन्य जानवर कहाँ रहते हैं? आदि। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें और कविता की पंक्तियाँ पूरी करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप मौखिक रूप से चर्चा करें कि यदि आपको कहीं घूमने जाना हो तो कहाँ-कहाँ जाएँगे और वहाँ क्या-क्या करेंगे? कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 क्रम संख्या 1 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- कक्षा में देर से कौन पहुँचा? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- दूध, बरतन, खटखट आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से चयनित पाठ्यांश 'रानी बिटिया..... चंडीगढ़' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 118

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप दी गई ग्रिड पर बच्चों से चर्चा करते हुए मौखिक रूप से शब्द बनवाएँ एवं उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि पाठ्यपुस्तक के पाठ के अनुसार बिटिया रानी दिल्ली के बाद कहाँ-कहाँ घूमने गई? फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 क्रम संख्या 2 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- अथर्व को क्या पढ़ना अच्छा लगता था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- सरोज, उजले, गुलाबी, फूल आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से चयनित पाठ्यांश 'चंडीगढ़..... घर के अंदर' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 119 120

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (12-15 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे भारत हम सबका प्यारा देश है, वैसे आपकी प्यारी जगह कौन-सी है और क्यों? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 क्रम संख्या 3 को पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें जैसे- चाचा की दोनों गायों का क्या नाम था? आदि।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- भालू, लोमड़ी, खेलने आदि।

पाठ्यपुस्तक 'वीणा-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से चयनित पाठ्यांश 'घर के अंदर..... मेरा घर' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- रानी बिटिया की तरह आपको घूमना हो तो किन-कन शहरों में घूमोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(समझिए और लिखिए 1-6)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 121

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप पूर्णविराम की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें और पूर्ण विराम कहाँ लगाना है और क्यों, इस पर चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्यांश के लिए एक शब्द की अवधारणा पर उदाहरण सहित चर्चा करें, जैसे- 'खेल खेलने वाला' - इस वाक्यांश का एक शब्द होगा 'खिलाड़ी'। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1-3 एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 क्रम संख्या 1-3 में से कोई एक पढ़ने को कहें। 25% बच्चों के साथ अवलोकन प्रक्रिया करें। बच्चों ने कितने शब्द सही पढ़े, उसे पत्रक मे अंकित करें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- मिताली, सामान, अनूप आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति, पाठ-18 की गतिविधियों पर कार्य और पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ की गतिविधियाँ एवं पाठ्यपुस्तक की कविता **'हिन्द देश के निवासी'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों की समझ उनके घर की भाषा में 5-6 वाक्यों में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पढ़िए और जानिए, चित्र आधारित प्रश्न एवं पता कीजिए)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (5 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि। बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कविता में देश की किन-किन विशेषताओं के बारे में बताया गया है? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पाठ को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 122

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- बाग में किस-किस चीज के पेड़ थे? अगर माली ने गिन्नी को पकड़ लिया होता तो क्या होता? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5-7 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें।

कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप 5-7 शब्दों वाले पाँच वाक्य बोलें और बच्चों को नॉटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22

तैयारी: रिमीडियल शिक्षण योजना तैयार कर लें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्र वाली छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबें उलटने-पलटने और उन पर बातचीत करने का अवसर दें। फिर कक्षा के लगभग 50% बच्चों को पढ़ी गई किताब/कहानी आदि पर अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें।

समूह A : रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।
- आप प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 के शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिख दें और एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें पढ़ने को कहें। जैसे- दिखाया, नए, झूलने, बिल्ली आदि।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेरा गाँव'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'मेरा गाँव'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- आप किस गाँव मे रहते थे/हैं? आपके गाँव की अच्छी बातें क्या हैं? क्या-क्या चुनौतियाँ हैं? आदि। **'मेरा गाँव'** से संबंधित कोई विशेष अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव लेखन (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'घूमना'** के अनुभव पर अपने घर की भाषा में कम से कम 5-6 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे संबंधित विषय पर बेहतर तरीके से लिख पाएँ, इसके लिए आप उनसे विषय के अलग-अलग आयामों से संबंधित कुछ बिंदुओं के बारे में चर्चा करें, जैसे- आपके गाँव/मोहल्ले की अच्छी बातें और समस्याएँ क्या-क्या हैं? आदि।

अनुभव लेखन पर चर्चा (10-15 मिनट)

- अब कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उनके लिखे अनुभव को सबके साथ साझा करने को कहें।
- जब चयनित बच्चे अपना लिखा साझा कर रहे हों तो आप बाकी बच्चों को उनके अनुसार उन्हें अपने लिखे में बदलाव करने को कह सकते हैं।
- बच्चों को उनके अनुभव साझा करने के लिए उनकी तारीफ करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 122

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-25 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रखें और अपनी कार्यपुस्तिका बच्चे को पढ़ने के लिए दें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 120

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। इसके लिए आप 5-7 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर बोला गया वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ

अकादमिक वर्ष 2025-26 में भाषा शिक्षण के कालांश-1 में 40 मिनट में बच्चों के साथ पाठ्यपुस्तक **'वीणा-1'**, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य किया जाएगा। इसमें कुछ गतिविधियाँ पूरे साल चलती रहेंगी, परंतु समय के साथ गतिविधियों के स्तर में जटिलता बढ़ती जाएगी। अलग-अलग सप्ताहों में कालांश-1 की गतिविधियों को नीचे देखा जा सकता है-

कालांश-1: मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ

- सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण
- सामाजिक भावनात्मक जुड़ाव और मौखिक खेल गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य
- चित्र कहानी पोस्टर
- सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ
- अनुभव पर चर्चा

इन गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई हैं। कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में इन गतिविधियों पर कार्य करने से **पहले इनके चरणों को आवश्यक रूप से पढ़ें**। प्रत्येक कालांश की शुरुआत सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियों से की जाएगी।

सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ

प्रत्येक कालांश की शुरुआत में बच्चों को सहज करने के लिए 2-3 मिनट स्थानीय कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर इत्यादि से कोई भी छोटी कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि की गतिविधियाँ ली जा सकती है। प्रतिदिन इनमें से किसी एक गतिविधि से कक्षा में कार्य की शुरुआत करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं/बालगीतों/कहानियों/आसान खेल गतिविधियों का चयन करें। इन गतिविधियों पर कार्य करने का विवरण नीचे देखा जा सकता है-

- आप पहले बच्चों को कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियाँ करके दिखाएँ। बच्चों को इन गतिविधियों को आपके पीछे दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चों की इन गतिविधियों पर पकड़ बन जाए। आप यह सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों में सभी बच्चे प्रतिभाग कर पाएँ। गतिविधियों का चयन करते समय कक्षा में पर्याप्त जगह, बच्चों की संख्या, गतिविधि का स्तर एवं गतिविधि से बच्चों का जुड़ाव हो सके, इस बात का पूरा ध्यान रखें।

शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम होने लगे या बच्चे ऊबने लगें, तो उन्हें सौहार्दपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से दोबारा जोड़ें।

सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एन.सी.एफ. एस.ई. 2023 दोनों दस्तावेज बच्चों के समग्र विकास के बारे में बात करते हैं। बच्चों के समग्र विकास में संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ सामाजिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। वर्ष 2025-26 की अकादमिक योजना में भाषा की कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सामाजिक और भावनात्मक विकास को एक महत्त्वपूर्ण जगह दी गई है। आप इसके लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- कक्षा में बच्चों की भावनाओं को व्यक्त करने के अवसर सृजित किए जाएँ।
- कालांशों की शुरुआत कहानी/कविता/खेल से हो, ताकि बच्चे सहज हो पाएँ। इसके साथ ही जब बच्चों का जुड़ाव या सहभागिता कम हो जाए तो उनके साथ छोटी कविता/खेल कराएँ, ताकि उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ा जा सके।
- बच्चों से संवाद करते समय संवेदनशीलता बरती जाए। बच्चों को कक्षा संचालन से संबंधित नियम बनाने, अनुशासन बनाए रखने की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए आदि।

कुछ सामाजिक एवं भावनात्मक गतिविधियों के उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

1. अभिवादन

- बच्चों को अपना परिचय दें और अभिवादन के तौर पर कोई क्रिया करें। जैसे- नमस्ते करना, ताली बजाना, तितली की तरह हाथ हिलाना आदि। बच्चों से भी वह क्रिया दोहराने के लिए कहें।
- अब बच्चों से कहें कि वे भी एक-एक करके अपना नाम बताएँ और साथ में कोई (नई) क्रिया करें। जैसे- कमर पर हाथ रखकर हिलना, अपनी सभी अंगुलियों को हिलाना आदि।
- जब कोई बच्चा अपना नाम बताते हुए कोई क्रिया करे, तो दूसरे बच्चों से भी उस क्रिया को दोहराने के लिए कहें।
- जब बच्चे अपना नाम बता रहे हों, तब आप चार्ट पेपर पर उनका नाम लिखते जाएं। बच्चों के नाम को इतने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखें कि इन्हें कक्षा में सभी जगह से पढ़ा जा सके। चार्ट को कक्षा-कक्ष में बच्चों की ऊँचाई के अनुसार ऐसी जगह चिपकाएं, जिसको बच्चे आसानी से देख सकें।

2. भावनाएँ

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियाँ देंगे और उन्हें बताना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। बच्चों को उस स्थिति को भावनाओं में अभिनय द्वारा व्यक्त करके दिखाना है।
- आप एक उदाहरण देकर इस गतिविधि को बच्चों को समझाएँ।
- बच्चों को 1-1 करके निम्नलिखित संकेत दें-
  - मम्मी ने रसगुल्ले बनाए हैं और आपको सबसे अधिक दिए हैं। आपको कैसा लगेगा?
  - खेलते समय आपको ठोकर लग गई और आप गिर पड़े। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके सहपाठी ने खाने के डिब्बे में से सारा खाना खा लिया। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके पिताजी आपके लिए खिलौने लेकर आए। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके दादाजी आपको मेला घुमाने ले गए। आपको कैसा लगेगा?
- अब आप क्रम से प्रत्येक बच्चे को 1-1 स्थिति बताएँ और उन्हें अपनी भावनाओं को अभिनय द्वारा व्यक्त करने को कहें। बच्चों को अभिनय करते समय, कुछ वाक्य (डायलॉग) बोलने के लिए कहें।
- जिन बच्चों को गतिविधि करने में झिझक हो रही हो, आप उन्हें गतिविधि करने के लिए प्रोत्साहित करें।

3. मुझे कब अच्छा नहीं लगता

- आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद बारी-बारी से उनके बीच घुमाएंगे। गेंद जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, तो उस बच्चे को यह बताना है कि वह उदास कब होता है। जैसे- स्कूल में किसी ने आपका खाना खा लिया हो या स्कूल से घर जाते समय रास्ते में ठोकर लग जाए।
- गतिविधि की शुरूआत आप स्वयं करें और सबसे पहले बताएँ कि आप कब-कब उदास होते हैं।
- अब गेंद घूमते हुए जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, तो उसे अपनी बात कहने का मौका दें।
- इसी तरीके से बारी-बारी से प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका दें।

4. भावनाओं के भी चित्र होते हैं

- आप सभी बच्चों को 2-2 के जोड़ों में बाँट दें। सभी जोड़ों को 1-1 खाली पेपर दें। अगर पेपर नहीं है, तो यह कार्य कॉपी पर भी कर सकते हैं।
- अब बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास इमोजी (भावनाओं का चित्र) देंगे। उन्हें इमोजी पहचानना है और उन्हें ऐसा कब और क्यों महसूस हुआ, इससे संबंधित अनुभव साझा करने को कहें।
- आप बच्चों को बारी-बारी से विभिन्न इमोजी दिखाएँ, जैसे- खुश होना 🙂, रोना 😢, चिढ़ जाना 😒, गुस्सा होना 😠, डर जाना 😨, दुखी होना ☹, उत्साहित होना 🤩, आश्चर्यचकित होना 😮, पसंद आना 😍 (चित्र में दिख रही स्माइली ☹ को आप बच्चों को सहयोग देने के लिए बोर्ड पर बना दें।)
- बच्चों से एक-दूसरे की भावनाओं को पूछकर, उसकी इमोजी बनाने को कहें।
- प्रत्येक इमोजी पर बातचीत करने के लिए कक्षा के 5-7 बच्चों को आमंत्रित करें। यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को 2 भावनाओं पर अनुभव साझा करने का अवसर मिले। आप आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- बच्चों को अपनी बात अपने घर की भाषा में रखने के भरपूर अवसर दें।

मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ

'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 : स्कूली शिक्षा' यह सुझाती है कि शुरुआती दौर में बच्चों को खेल-खेल में सीखने के मौके देने चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखकर मौखिक खेल विकास की गतिविधियाँ दी गई हैं।

मौखिक खेल विकास की गतिविधियों के कुछ उदाहरण अगले पृष्ठ पर देखे जा सकते हैं-

1. शब्द अन्त्याक्षरी

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 2-3 पर्चे दें, जिनमें हिन्दी के एक-एक सरल शब्द लिखे हुए हों।
- सबसे पहले हर समूह में से कोई एक बच्चा अपनी मर्ज़ी से, इनमें से एक पर्ची को उठाकर शब्द को पढ़ेगा। उसके दाईं तरफ वाले बच्चे को, उस शब्द के आखिरी वर्ण की ध्वनि से नया शब्द बनाना है।
- कोई भी शब्द दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। बच्चे अपने घर की भाषा में उपयोग किए जाने वाले शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं। यह अनिवार्य होगा कि ऐसे शब्दों के अर्थ को, वह दूसरे बच्चों को बताएँ। इस तरह, बारी-बारी से यह प्रक्रिया समूह में चलेगी।
- अगर कोई बच्चा शब्द नहीं बताता, तो उसके बाद वाले बच्चे को बताना होगा। यह तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे बच्चे किसी एक वर्ण पर आकर ना अटक जाएं और आखिरी वर्ण से कोई नया शब्द ना बना पाएं।
- इसके बाद सारे बच्चों को याद करके अन्त्याक्षरी में उपयोग किए गए, कम-से-कम 5 कठिन/अपरिचित शब्दों को अपने पेपर पर लिखना होगा और समूह में साझा करना होगा।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, हर समूह के कार्य को कक्षा के **'बच्चों के काम का कोना' (Students work corner)** में लगा दें।

2. कानाफूसी

- आप बच्चों से गोल घेरे में बैठने के लिए कहें। फिर एक बच्चा अपने पास बाईं ओर बैठे साथी के कान में कोई शब्द या वाक्य धीरे से बोले। जिसे लिखकर आपने एक पर्ची में उसे दिया है, ताकि दूसरा कोई सुन न सके।
- फिर सुने गए शब्द या वाक्य को बच्चे अपने पास बैठे साथी के कान में बोलेंगे। जब तक कि अंतिम बच्चे तक यह बात न पहुँच जाए।
- अब अंतिम बच्चे से पूछें कि उसने क्या सुना? उसने जो भी सुना हो, उसे वह समूह में जोर से बोलकर बताए। जिस बच्चे ने सबसे पहले, यह शब्द या वाक्य अपने साथी के कान में कहा था, उससे पूछें कि यह शब्द/वाक्य क्या था?
- दोनों को मिलाकर देखें कि इनमें कोई अंतर है कि नहीं।

☞ यह गतिविधि समय की उपलब्धता के अनुसार, एक शैक्षणिक दिवस में 2-3 बार की जा सकती है।

3. बूझो तो जानें

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब एक गतिविधि करेंगे, जिसका नाम है 'बूझो तो जानें।' बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि इस गतिविधि में क्या होगा ?
- आप बच्चों को 2 समूहों में बाँट दें और बताएँ कि वे एक-एक करके समूह से पहेली पूछेंगे। यदि वह समूह उत्तर नहीं बता पाएगा, तो दूसरे समूह को उत्तर देना होगा। सही उत्तर बताने वाले समूह को 1 अंक मिलेगा। इस प्रकार, जिस समूह के अधिक अंक होंगे, उसको विजेता माना जाएगा।
- अंत में, पहेलियों में आए मुख्य शब्दों को आप बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द पढ़ने को बोलें।

4. बूझो मैंने क्या देखा

- आप किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर भेजें। वह बाहर से कोई भी एक चीज देखकर आए। उस चीज का नाम न लेते हुए, उसके बारे में कक्षा में एक वाक्य में बताए। उदाहरण के लिए, बच्चा बोले- मैंने एक भूरी चीज देखी।
- बाकी बच्चे कुछ प्रश्न पूछकर अंदाजा लगाने की कोशिश करेंगे कि वह चीज क्या है? प्रश्न ऐसे हों, जिनका जवाब केवल हाँ/नहीं में दिया जा सके। उदाहरण के लिए, बच्चों ने पूछा- क्या वह स्कूल के अंदर है? नहीं। क्या वह कोई जानवर है? हाँ। क्या तुमने गिलहरी देखी? नहीं। क्या वह कोई चिड़िया है? नहीं। क्या हम उस जानवर को पालते हैं? हाँ। क्या वह कुत्ता है ? नहीं। क्या वह गाय है? हाँ। अब बच्चा बताए कि मैंने बाहर एक भूरी गाय देखी।
- इसी तरह अलग-अलग बच्चों को बाहर जाने का और सवालों के जवाब देने का मौका दें। शुरुआत में आप स्वयं इसको करके दिखाएँ।
- एक चीज के 7-8 प्रश्न ही पूछ सकते हैं। आप प्रयास करें कि सभी बच्चों को, इस गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका मिले।
- बच्चों को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर से जुड़ा चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

5. बताओ मैं क्या हूँ

- कागज की लम्बी पट्टियां काटकर उनके दोनों सिरों पर धागा बांध लें। धागे इतने लम्बे हों कि बच्चों के सिर के चारों तरफ आ जाएं। बच्चों को 2-3 समूहों में बाँटें।
- हर पट्टी पर कुछ शब्द लिखे हों, जैसे पशु-पक्षी, व्यवसाय आदि के नाम।
- ध्यान रखें कि जिस बच्चे के सर पर पट्टी बांधी जा रही हो, उस बच्चे को शब्द का पता न हो।
- हर समूह के किसी सदस्य के सर पर शब्द की पट्टी हो, उस समूह के किसी अन्य बच्चे द्वारा अभिनय किया जाए। पहले समूह के बच्चे को अभिनय के आधार पर शब्द को पहचानना है। सभी समूहों को बारी-बारी से मौका दें।
- अब बच्चे से उस हाव-भाव को समझने को कहें।
- समूह कार्य के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के पर्याप्त अवसर मिलें। यदि कोई बच्चा झिझक रहा हो, तो आवश्यकतानुसार उसकी सहायता करें।

6. घर से स्कूल तक का सफर

- आप बच्चों को एक दिन पहले घर से स्कूल आने तक के रास्ते को देखने को कहें। रास्ते में महत्वपूर्ण जगहों (जैसे मंदिर, मस्जिद, तालाब, दुकान, बाजार, बाग-बगीचा आदि) और दिशा को ध्यान में रखने को कहें। मानचित्र पर उनकी समझ के लिए, पहले दिन ही उदाहरण देकर समझाएँ और गतिविधि वाले दिन भी उदाहरण दें।
- आप बच्चों को उनके घर से लेकर स्कूल तक का मानचित्र एक पेपर में बनाने को कहें।
- आप हर बच्चे को बारी-बारी से कक्षा में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित करें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, समूह कार्य के पेपर को कक्षा में **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

7. क्या बदला?

- कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटकर, उन्हें आमने-सामने सीधी लाइन में खड़ा करें।
- अब दोनों समूहों को निर्देश दें कि वे अपने ठीक सामने समूह में खड़े साथी को एकदम ध्यान से देखें।
- अब किसी एक समूह के सभी बच्चों को उल्टी दिशा में मुड़ने को कहें। इस दौरान दूसरे समूह के बच्चे अपने में कुछ बदलाव कर लें। जैसे- बाल बनाने का तरीका, शर्ट इन या आउट आदि।
- अब दूसरे समूह के बच्चे वापिस मुड़कर, अपने ठीक सामने वाले बच्चों में हुए बदलाव को बताएँ। इस प्रक्रिया को दूसरे समूह के बच्चों के साथ भी दोहराएँ।
- जिस समूह के बच्चे सबसे अधिक और सही अंतर बता पाएंगे, वह समूह जीत जाएगा।

8. पहचानो कौन हूँ मैं

- आप बच्चों से कहें कि आप अपने दिमाग में एक जानवर के बारे में सोच रहे हैं। आपको संकेत सुनकर, उन्हें बताना है कि वह कौन-सा जानवर है?
- आप कुछ ऐसे संकेत दे सकते हैं, जैसे- यह जानवर कार से भी बड़ा है। स्लेटी जैसा रंग है, लेकिन इसके पंख नहीं हैं। इसके शरीर पर बाल भी नहीं है। पंखे जैसे दो बड़े-बड़े कान हैं। पूँछ से लंबी इसकी नाक है। वजन इतना है कि धम-धम चलता है।
- जो बच्चा सही बता दे, उसे अपनी जगह पर बुलाएँ और खेल को आगे बढ़ाने के लिए कहें। आप उस बच्चे की जगह जाकर बैठ जाएं। आप इनके नामों को पहचानने में बच्चों की सहायता करें। बच्चे यह गतिविधि अन्य वस्तुओं (सजीव/निर्जीव) के साथ भी कर सकते हैं। जैसे- पेड़, फल, मौसम, इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएँ इत्यादि।

9. चीजों के बारे में बताना

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ वस्तुएँ उनके बीच में रख दें। एक कागज की गेंद बनाकर अपने पास रखें।
- अब किसी भी बच्चे को गोल घेरे में बुलाएँ और गेंद उछालने को कहें। बच्चे द्वारा उछाली गई गेंद जिसकी तरफ भी जाएगी, उस बच्चे को घेरे के बीच में बुलाएँ और वहाँ रखी किसी एक वस्तु को उठाकर, उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलने को कहें। आप पहले यह गतिविधि खुद बच्चों को करके दिखाएँ।
- जैसे- गेंद यदि सचिन के पास गई, तो सचिन गोल घेरे में आएगा और वहाँ रखी एक वस्तु उठाएगा। उदाहरण के लिए, सचिन ने चॉक उठाई और फिर सचिन ने चॉक के बारे में 2-3 वाक्य बोले। जैसे- चॉक बोर्ड पर लिखने के काम आती है। यह पतली और लम्बी होती है। यह रंग-बिरंगी होती है। तोड़ने पर वह पाउडर बन जाती है। वह आसानी से टूट भी जाती है, आदि।
- बच्चा वाक्य बताने के बाद धीरे से दोबारा गेंद को उछालेगा और जिसकी तरफ गेंद जाएगी, वह बच्चा फिर घेरे के पास आ जाएगा एवं कोई दूसरी वस्तु उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।
- यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ की जाएगी।
- जब सभी बच्चों के साथ यह प्रक्रिया हो जाए, तब बच्चों को घेरे में रखी उनकी पसंद की किसी वस्तु का चित्र बनाने को कहें और चित्र के बारे में अपने साथी को बताने को कहें।

मौखिक कहानी सुनाना

मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि द्वारा बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता विकास पर कार्य किया जाएगा। मौखिक कहानियों के कुछ उदाहरण इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में देखें। मौखिक कहानी सुनाने की रणनीति को नीचे दिए गए विवरण में देखा जा सकता है-

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी में आगे क्या हो सकता है?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लिखे गए शब्दों/वाक्यों के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

☞ मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि की प्रक्रिया में सरल से जटिल की ओर बढ़ते हुए कार्य किया जाएगा। सुनाई गई कहानी भी सरल से जटिल होती जाएगी, जिसके चरण शिक्षण योजनाओं में दिए गए हैं।

पाठ्यपुस्तक का उपयोग

अकादमिक वर्ष 2025-26 में कक्षा-3 के भाषा के पहले कालांश में शुरुआत के 5 दिनों तक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक के पाठों पर मुख्य रूप से आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शन में पठन पर कार्य होगा। सप्ताह के पहले दिन पूरे पाठ का आदर्श वाचन सहित अन्य गतिविधियाँ होंगी, वहीं सप्ताह के दूसरे दिन से चौथे दिन तक पाठ्यांशों का आदर्श वाचन/मार्गदर्शन में पठन सहित अन्य गतिविधियाँ होंगी। सप्ताह के पाँचवें दिन में पाठ्यपुस्तक के पाठ के पीछे की गतिविधि पर कार्य किया जाएगा। यहाँ आप पाठ-3 'कितने पैर' पर आधारित शिक्षण योजना देख सकते हैं।

दिवस-1 (पाठ-3 'कितने पैर')

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि।
- पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सुप्रभात, आस्ट्रेलिया, चतुष्पाद आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- पाठ के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें पाठ में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मीना को चींटे देखने में आनंद क्यों आता होगा? आपने कनखजूरे को कहाँ-कहाँ और किस मौसम में देखा है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**बातचीत के लिए 1-3**) पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-2 (पाठ-3 'कितने पैर')

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**बातचीत के लिए 4, 5**) पर बच्चों से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-3 (पाठ-3 'कितने पैर')

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर सभी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को पहले अवसर दें, जिन्हें कल कम बोलने का अवसर मिला था। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**आपका पैर और पाठ के भीतर 1-3**) के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-4 (पाठ-3 'कितने पैर')

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिवस की हुई चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 1-2 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर आज के चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। अन्य बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पढ़े गए पाठ के बारे में बच्चों से उनकी समझ साझा करने को कहें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- आपने चार से अधिक पैर वाले कितने जानवर देखे हैं और कहाँ? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(भाषा की बात 1, 2 एवं सोचिए और लिखिए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-5 (पाठ-3 'कितने पैर')

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं गतिविधियों पर कार्य (12-15 मिनट)

- आप बच्चों को पाठ के बारे में 3-4 वाक्यों में घर की भाषा में बताने को कहें।
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पहेली से पहले एवं बूझो तो जाने)** के प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

☞ प्रत्येक दिन कक्षा में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य करने से पूर्व शिक्षण योजना अवश्य पढ़ें।

पाठ्यपुस्तक आधारित गतिविधियों पर कार्य, दूसरे कालांश में भी दिवस 1-4 में किया जाएगा। इन गतिविधियों का विवरण आपको इस संदर्शिका के कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियों वाले भाग में मिलेगा।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में कक्षा-3 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **कुल पाँच 'चित्र कहानी पोस्टर'** उपलब्ध कराए गए हैं। **चित्र कहानी पोस्टर को कक्षा की दीवार पर चस्पा नहीं करना है।** इनकी सहायता से बच्चों के साथ समूह में कार्य कराए जाने की योजना है। प्रत्येक चित्र कहानी पोस्टर पर कुल दो दिवस में कार्य किया जाएगा। इन पर कार्य करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

दिवस 1

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- हाथी का पलड़ा भारी क्यों है? आदि।
- आप बच्चों से चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें

दिवस 2

चित्र कहानी पोस्टर पर बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवस की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ।
- फिर बच्चों को पिछले दिवस के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि वे अपनी बनाई कहानी को आगे बढ़ाएँ या कोई नई कहानी बनाएँ।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करे।

कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है।

- अब आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और बात को कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में कहानी का शीर्षक लिखने के लिए कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा किए गए कार्यों को, दूसरे समूहों के साथ साझा करने के अवसर दें।

☞ चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करने के दौरान हमें शिक्षण प्रक्रिया को सरल से जटिलता की ओर ले जाना होगा। चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करते समय आप शुरू के दो चित्र कहानी पोस्टरों पर बच्चों की अधिक सहायता करें। उसके बाद के चित्र कहानी पोस्टरों पर कार्य करते समय आप बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे अधिक से अधिक प्रतिभाग करें और प्रक्रियाओं में शामिल हों। चित्र कहानी पोस्टर के तीसरे चित्र पर कार्य करते समय आप लेखन कार्य के दौरान 4-5 वाक्यों की कहानी लिखने और सुनाने को कहें।

सृजनात्मक खेल गतिविधि

इस गतिविधि से बच्चों को अपनी मौखिक भाषा के कौशलों का उपयोग कर, रोचक सृजनात्मक कार्य करने का मौका मिलेगा। वे किसी कार्य में सामूहिक जिम्मेदारी निभाने जैसे महत्त्वपूर्ण अनुभव भी प्राप्त कर पाएँगे। **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 : स्कूली शिक्षा** में भी बच्चों के शुरुआती दौर में सृजनात्मक कार्य को महत्त्वपूर्ण माना गया है। सृजनात्मक कार्य जोड़ियों/समूहों में किया जाएगा। इससे उन्हें बातचीत एवं आपसी सहयोग के बहुत सारे अवसर मिलेंगे। आपस में कार्य करने से बच्चों की आपसी संबंध भी बेहतर होंगे और वे अपनी कक्षा के सहपाठियों से जुड़ाव महसूस करेंगे।

जोड़ियों/समूहों में कार्य को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटे। ध्यान रहे हर समूह में लगभग समान संख्या में बच्चे हों।
- समूहों का निर्धारण हमेशा रोचक तरीके से करने का प्रयास करें। जैसे- आप नदियों का, मिठाइयों का, जानवरों का, पक्षियों का या ऐसा ही कोई अन्य मजेदार नाम रखकर समूह बनवा सकते हैं।
- बच्चों द्वारा गतिविधि करते समय आप कक्षा में घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें और उन्हें जरूरी सहायता प्रदान करें।
- सारे समूह बनाने के बाद उन्हें सर्वसम्मति से अपना ग्रुप लीडर चुनने को कहें। ग्रुप लीडर यह सुनिश्चित करेगा/करेगी कि ग्रुप का हर सदस्य गतिविधि में हिस्सा ले रहा है।
- सभी समूहों को कार्य समझाएँ और यह सुनिश्चित करें कि सभी समूहों ने अपना कार्य कर लिया है, क्योंकि अलग-अलग समूहों को अलग-अलग समयावधि लग सकती है।
- प्रस्तुति के लिए समूह के हर बच्चे की भागीदारी अपेक्षित है। अगर प्रस्तुति का समय कम है तो उन बच्चों को प्रस्तुति देने को प्रोत्साहित करें, जो अमूमन अपनी समझ को दूसरों के साथ साझा करने में हिचकते हैं।
- हर समूह का उत्तर अलग-अलग हो सकता है। **बच्चों को सही या गलत के पैमाने पर ना आँके।** ये सारी गतिविधियाँ बच्चों के समझ को सुदृढ़ करने के लिए हैं। बच्चों से 'यह सही नहीं है' कहने की बजाय कि 'अगर आप इसे ऐसा लिखते/करते तो बेहतर होता' जैसे वाक्यों का प्रयोग करें।
- अगर बच्चे अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, तो उन्हें सही उत्तर देने के बजाय सुझाव दें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को यह महसूस कराना कि आप उन पर विश्वास करते हैं, उनकी सहायता के लिए उनके साथ खड़े हैं, यह उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत जरूरी है।

पूरे वर्ष में कराई जाने वाली सृजनात्मक गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं-

1. साइकिल बनाओ, काम बताओ

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को साइकिल का चित्र बनाकर, उसके प्रत्येक भाग के नाम के साथ उसके कार्य को बताने को कहें।
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी करा सकते हैं, जैसे- पंखा बनाओ काम बताओ, कम्प्यूटर बनाओ काम बताओ आदि।

2. कक्षा का मानचित्र

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को बैठने के लिए एक निर्धारित जगह दें।
- हर समूह को अपनी जगह से कक्षा का मानचित्र बनाना होगा। साथ ही, बच्चों से उस मानचित्र के निर्देश को शब्दों में लिखने के लिए कहें।
- उदाहरण- आप बोर्ड पर मानचित्र बनाते हुए समझाएँ।
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी आप करा सकते हैं। जैसे- घर, रसोई, गली आदि का मानचित्र।

3. किताब से शब्द छाँटो

- आप कक्षा को चार समूहों में बाँटें और सभी समूह को एक-एक कहानी की किताब दें।
- आप सभी बच्चों को कहानी से 'क्रिया शब्द' (जैसे- भागना, कूदना, हँसना इत्यादि) छाँटकर लिखने को कहें।
- आप, क्रिया शब्द के संबंध में बच्चों से चर्चा करें और उससे संबंधित उदाहरण दें।
- आप बारी-बारी से सभी समूहों को अपने शब्द पढ़कर बताने और उनकी कुल संख्या बताने को कहें। अन्य समूह के बच्चों को निर्देश दें कि वे ध्यान दें कि बच्चों द्वारा पढ़े गए शब्द, क्रिया से संबंधित हैं या नहीं।

4. सूची बनाओ

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। फिर आप बोर्ड पर अगले बिंदु के अनुसार चार खानों की ग्रिड (जिसमें 5-7 कॉलम हों) बनाएँ। फिर सभी समूह के ग्रुप लीडर को इसे अपनी कॉपी / पन्ने पर बनाने को कहें।

दोस्तों के नाम	स्थानों के नाम	जानवरों के नाम	वस्तुओं के नाम

- अब बच्चों को अपने दोस्तों के नाम, स्थानों के नाम, जानवरों के नाम और वस्तुओं के नाम लिखने को कहें।
- फिर प्रत्येक समूह से सूची पढ़कर बताने को कहें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, समूह कार्य के पेपर को **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार से आप अलग-अलग चीजों की सूची बनवा सकते हैं, जैसे- पेड़, सब्जी, फल, रंग के नाम आदि।

5. सुनो और पता लगाओ

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर एक समूह के बीच 10-12 शब्द जैसे- नारंगी, पेंसिल, कार आदि और उनकी विशेषताओं (उपयोगिता, रंग, रूप आदि) के बारे में 3 बातें लिखकर, पर्चियों की गड्डी बनाकर रख दें।
- समूह के सारे बच्चे बारी-बारी से 2-2 पर्ची उठाएं और बिना देखे अपने पास रख लें।
- कोई भी बच्चा अपने समूह में शुरूआत कर सकता है। वह अपनी पर्ची को बिना देखे अपने दाईं तरफ के बच्चे को देगा। यह बच्चा उस पर्ची में लिखे शब्द को मन में पढ़ेगा और उसके बारे में लिखी हुई बातों को बोलकर, अपने मित्र को दिए गए शब्द को पहचानने को कहेगा।
- 3 बार शब्द नहीं पहचान पाने पर दूसरे बच्चों द्वारा उत्तर बताया जाएगा। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ेगा। इस खेल के दो राउंड होंगे और हर प्रतिभागी को 2 मौके मिलेंगे।
- यह गतिविधि सभी समूहों में साथ-साथ चलती रहेगी। इसलिए कक्षा में शोर को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

6. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना

- किसी एक विज्ञापन का उदाहरण देते हुए, उसमें **पंच लाइन** जोड़कर विज्ञापन बनाएँ। उदाहरण में दिया गया है- 'जो भी खाए खाता जाए, सबसे सस्ता सबसे मीठा।' यह एक पंच लाइन है। आप किसी अन्य विषय पर 2-3 विज्ञापन एवं पंच लाइन का उदाहरण दें। इससे बच्चों को पंच लाइन एवं विज्ञापन क्या होता है, इसे समझने में मदद मिलेगी।
- इस कार्य के लिए पूरी कक्षा को 4-4 बच्चों के समूहों में बाँटें और अपने-अपने समूह का विज्ञापन बनाने को कहें। आप हर समूह को एक निर्धारित विषय/चीज दे दें। जैसे- नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि। हर समूह को पंच लाइन लिखना आवश्यक है। आखिर में हर समूह को उनके द्वारा बनाए गए पंच लाइन कक्षा में साझा करने को कहें।
- सभी बच्चों के विज्ञापन को **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगाएं।

7. स्कूल के अंदर (सर्वेक्षण)

- आप बोर्ड पर सर्वेक्षण प्रपत्र बनाएँ और उसके भरने के तरीके पर चर्चा करें।
- कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को अपना ग्रुप लीडर चुनने को कहें। ग्रुप लीडर किसी कॉपी/पन्ने में इस सर्वेक्षण प्रपत्र को बनाए। बच्चों को अन्य कक्षाओं के बच्चों से या विद्यालय के अन्य कर्मचारियों से पूछकर, इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप स्कूल से जाने के बाद खेल खेलते हैं? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आपको कौन-सा खेल पसंद है? (खेल का नाम)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	खेल का नाम
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगाने को कहें।

8. यात्रा (सर्वेक्षण)

- आप कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को एक सर्वेक्षण प्रपत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपनी कक्षा के 10 सहपाठियों से इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप ट्रेन या बस में सफर करते हैं? (हाँ / नहीं)
प्रश्न 2: आपको ट्रेन या बस में से किसका सफर अच्छा लगता है? (बस / ट्रेन)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	बस / ट्रेन
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के 'बच्चों का कोना' (**Students' Work Corner**) में लगाने को कहें।

9. टीवी देखना (सर्वेक्षण)

- कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक बच्चे को एक सर्वेक्षण प्रपत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे हों। बच्चों को शिक्षकों से या विद्यालय के अन्य कर्मचारियों से पूछकर, इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आपको टीवी देखना पसंद है? (हाँ / नहीं)
प्रश्न 2: आप टीवी में क्या देखना पसंद करते हैं?

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	टीवी में जो देखना पसंद है
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के 'बच्चों का कोना' (**Students' Work Corner**) में लगाने को कहें।

अनुभव पर चर्चा

अनुभव पर चर्चा की गतिविधि प्रत्येक सप्ताह के पहले कालांश में प्रस्तावित है। इसके द्वारा मुख्य रूप से बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य जुड़ाव बढ़ेगा, बच्चे अपने अवलोकन के अनुभव को अभिव्यक्त कर पाएँगे। उनकी सम्प्रेषण कला का भी विकास होगा, साथ में अपनी बात रखते समय जब भी नवीन शब्दों का प्रयोग करेंगे, तो शब्दावली विकास भी होगा। **एस.सी.एफ. 2023** की अनुशंसाओं के अनुसार बच्चों से उनके अनुभव पर चर्चा करते समय उनके घर की भाषा को महत्त्व देना चाहिए। अनुभव पर चर्चा की रणनीति को आगे देखा जा सकता है-

अनुभव पर चर्चा

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'गर्मी की छुट्टी'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'गर्मी की छुट्टी'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- गर्मी की छुट्टी में आप कहाँ गए थे? गर्मी की छुट्टी में आपने क्या-क्या किया? आदि।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'गर्मी की छुट्टी'** से जुड़े अनुभव अपने घर की भाषा में कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं, जैसे- आप गर्मी की छुट्टियों में कहाँ गए थे? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'गर्मी की छुट्टी'** के अनुभव से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों / 1-2 वाक्यों में लिखने को कहें। फिर बच्चों से जोड़ियों में चित्र पर बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने का अवसर दें।

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के दूसरे कालांश में मुख्य रूप से पाठ्यपुस्तक की विस्तारित गतिविधियों, स्तरित पाठ और लेखन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा। इस कालांश में मुख्य रूप से **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग किया जाएगा, जिसकी रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

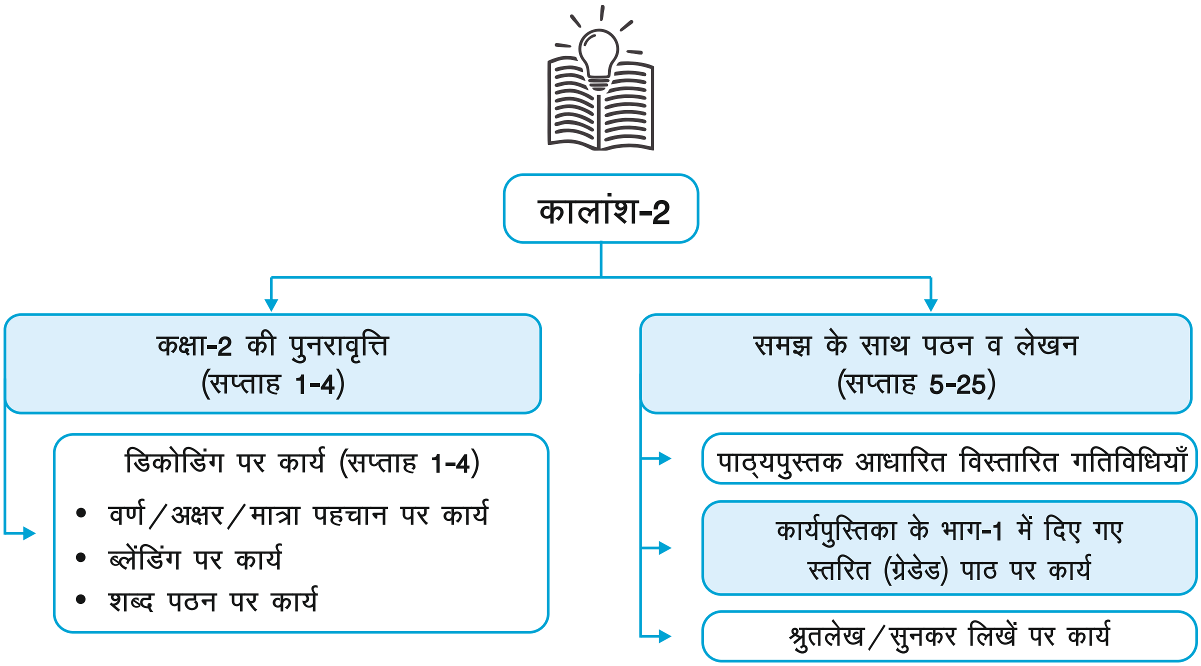

☞ कालांश-2 में कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य किया जाएगा।

सप्ताह 1-4 (डिकोडिंग पर कार्य)

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदलकर उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द की अलग-अलग ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना या पढ़ना और उसका अर्थ समझना (यदि वह शब्द पहले से ज्ञात हैं) आदि प्रक्रियाएँ होती हैं।

नोटः सप्ताह 1-4 तक के कार्यपत्रक डिजिटल मोड (Soft Copy) में चैटबॉट के माध्यम से स्कूलों में उपलब्ध कराए जाएँगे। प्रिंट/फोटोकॉपी लेकर बोर्ड/बच्चों के नोटबुक में इन पत्रकों की गतिविधियों पर कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य

- वर्ण/अक्षर को बोर्ड पर लिखकर बच्चों को पहचानने को कहें। यदि बच्चे नहीं पहचान पाते हैं तो उन्हें सही उच्चारण करके बताएँ।
- सरल शब्दों को लिखें और वर्ण/अक्षर/मात्रा को पहचानने के लिए कहें।
- वर्ण/अक्षर मिलाकर ग्रिड बनाएँ और बच्चों से अलग-अलग वर्ण/अक्षर को पहचानने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 से संबंधित पत्रक पर अभ्यास कार्य कराएँ।

ब्लेंडिंग पर कार्य

वर्ण/अक्षर जोड़कर ब्लेंडिंग/शब्द बनाने का कार्य

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द को लिखें। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके और उसके बाद इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से (शब्द की तरह) पढ़ें। **मा** **ना** → **माना**
- फिर 5-6 नए शब्दों के साथ यह प्रक्रिया करें। इन शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- 5-7 अन्य शब्द लें और उन्हें बोर्ड पर इसी तरह लिखकर दें, फिर बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए पत्रकों पर संबंधित अभ्यास कराएँ।

शब्द पठन पर कार्य

- 4-5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें दो बार आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। शब्द को सीधे-सीधे एक इकाई की तरह पढ़ें। इस दौरान शब्दों के नीचे अंगुली रखें। जैसे- 'खीर' इसे तोड़कर (खी र) की तरह नहीं पढ़ें।
- कुछ अन्य शब्द बोर्ड पर लिखें और बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए पत्रकों पर संबंधित अभ्यास कराएँ।

सप्ताह 5-7 (पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं पुनरावृत्ति पर कार्य)

- सप्ताह 5-7 दिवस 1-4 में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित विस्तारित गतिविधियों पर कार्य कराया जाएगा। यह अभ्यास वाक्यांश पठन एवं सरल वाक्य पठन की पुनरावृत्ति से संबंधित हैं।
- दिवस 5 में पुनरावृत्ति एवं दिवस 6 में आकलन कार्य कराया जाएगा।

सप्ताह 8-25 (पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ)

दिवस 1-2	• दिवस 1 और 2 में पाठ्यपुस्तक की गतिविधियों की प्रकृति से मिलती-जुलती अर्थात् विस्तारित गतिविधियों पर कार्य कराया जाएगा।
दिवस 3-4	• दिवस 3 में एक स्तरित पाठ एवं उससे संबंधित प्रश्न एवं गतिविधियाँ दी जाएँगी। दिवस 4 के कार्यपत्रक में जो गतिविधियाँ होंगी, वह मुख्य रूप से दिवस 3 के स्तरित पाठों पर आधारित होंगी। स्तरित पाठों पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई है।
दिवस 5-6	• दिवस 5 और 6 के लिए एक ही कार्यपत्रक दिया जाएगा। • दिवस 5 में 2 से 3 गतिविधियाँ कार्यपत्रक में दी गई हैं, जिससे पहले स्तरित पाठ पर कार्य होगा। इसके साथ ही, इन्हीं गतिविधियों से मिलती-जुलती गतिविधियों के निर्देश उस सप्ताह की शिक्षण योजना में **'कॉपी में कार्य'** के अंतर्गत दी गई हैं। इन गतिविधियों पर कार्य कराते समय शिक्षक बोर्ड का उपयोग करें और बच्चों को निर्देशानुसार उनकी नोटबुक में गतिविधियाँ कराएँ। • दिवस 6 में साप्ताहिक आकलन पर कार्य किया जाएगा।

☞ **आइए अब स्तरित पाठ पर कार्य करने के चरणों को समझते हैं-**

सप्ताह 8-25 (कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित (ग्रेडेड) पाठों पर कार्य)

कक्षा-3 की भाषा की कार्यपुस्तिका भाग-1 में सप्ताह 8-25 तक प्रत्येक सप्ताह 2 स्तरित (ग्रेडेड) पाठ दिए गए हैं। दोनों स्तरित पाठ, उस सप्ताह में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यपुस्तक के पाठ की थीम, मुख्य भाव या पात्र पर आधारित हैं। पहला स्तरित पाठ सप्ताह के **तीसरे दिन** में दिया गया है। इस स्तरित पाठ पर चौथे दिन भी काम किया जाएगा, इस स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शन में पठन पर जोर दिया गया है। दूसरा स्तरित पाठ सप्ताह के **पाँचवें दिन** दिया गया है। इस स्तरित पाठ पर मुख्यतः बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन किया जाना है। स्तरित पाठ मुख्य रूप से बच्चों की पढ़कर समझने की क्षमता के विकास के लिए दिए गए हैं। बच्चे पाठ्यपुस्तक में दिए गए पाठों को आसानी से पढ़ पाएँ, इसके लिए जरूरी है कि उन्हें आसान और छोटे पाठों को पढ़कर समझने का अभ्यास करने के पर्याप्त अवसर मिलें। कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित पाठ इसी बात को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं।

सप्ताह 8-25 तक में इनका स्तर 20 शब्दों से बढ़ते हुए 120 शब्दों तक का होता है। साथ ही, संकल्पनात्मक स्तर, वाक्य विन्यास के स्तर पर भी इनमें जटिलताएँ बढ़ेंगी। स्तरित पाठों को स्थानीय परिवेश में विविधता का समावेशन करते हुए रोचक बनाया गया है। इन दोनों स्तरित पाठों पर कार्य कैसे किया जाएगा, इसका उदाहरण निम्नवत देखा जा सकता है, इसके लिए **वीणा-1** के **पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी'** पर आधारित भाग-1 **सप्ताह 8** का चयन किया गया है-

दिवस-3 (पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी')

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 1-2 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित 5-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे बच्ची चिड़िया को अपने पास रह जाने के लिए क्यों कह रही होगी? आदि। एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

  गतिविधि-1 (5 मिनट) : गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

दिवस-4 (पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी')

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (10-12 मिनट)

- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें। फिर बच्चों को जोड़ियों/ समूहों में पिछले दिवस के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें कि कौन कहाँ रहता है? इस पर 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट)** : आप बच्चों को एक वचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

दिवस-5 (पाठ-4 'बया हमारी चिड़िया रानी')

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (5-7 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- छोटा तालाब कहाँ था? तालाब में बगुला के अलावा और कौन-कौन से जीव-जंतु रहते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। कुछ बच्चों को स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (5 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।
  गतिविधि-1 (5 मिनट): बच्चों से गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।

कॉपी पर कार्य

- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को एकवचन और बहुवचन को उदाहरण के साथ समझाएँ। फिर बोर्ड पर 10-15 शब्द एकवचन मे लिखें। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे एकवचन को बहुवचन में बदलकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें पर कार्य की रणनीति

प्रत्येक सप्ताह में लगभग 2-3 दिन दूसरे कालांश में **'सुनकर लिखें'** की गतिविधि प्रस्तावित है। इसमें सप्ताहवार क्रमशः कठिनाई का स्तर बढ़ता जाएगा। वर्णों/अक्षरों से लेकर वाक्य लिखने का अवसर बच्चों को दिया जाएगा। इससे बच्चों की वर्तनी के सुधार में सहायता मिलती है। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दिया जाना प्रस्तावित है।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें के चरण-

- अब तक सिखाए गए (इसमें मुख्य रूप से पिछले सप्ताहों के) वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों का चयन करें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका/नोटबुक के साथ तैयार हों, तो आप वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को बोलें। बच्चों को/किसी एक बच्चे को सुना हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य दोहराने को कहें। इससे यह पता चलता है कि उन्होंने बोला हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य ठीक से सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को लिखने को कहें, फिर इसे 2-3 बार बोलें, जैसे- शब्द स्तर पर **'सुनकर लिखें'** करवा रहे हों, तो प्रत्येक शब्द को 2-3 बार (नमक, नमक, नमक) बोलें। शब्दों/वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के पाठों का संदर्भ लें।
- अगले वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- शिक्षक सही वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिखेंगे, उसी क्रम में जैसा कि उन्होंने श्रुतलेख के दौरान बोला था। फिर बच्चे अपनी कार्यपुस्तिका को एक-दूसरे से बदलेंगे एवं उसकी जाँच करेंगे।

☞ कार्यपुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधित गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं है। श्रुतलेख पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सके।

☞ शिक्षण योजना में दिए गए सभी चरणों का पालन करते हुए शिक्षक कक्षा-कक्ष की जरूरत के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया में आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के तीसरे कालांश में मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन एवं रिमीडियल पर कार्य किया जाएगा। सप्ताह 1-7 के दिवस 1-4 में पठन अभ्यास एवं सप्ताह 8-25 में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा और दिवस 6 में आकलन का कार्य तीसरे कालांश में भी जारी रखा जाएगा।

सप्ताह 1 से 25 तक के शुरुआती पाँच दिवसों में तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट रिमीडियल कार्य के लिए निर्धारित हैं।

कालांश तीन में कार्य की रणनीति नीचे दी गई है-

कालांश-3

20 मिनट
- पठन अभ्यास (सप्ताह 1-7)
- प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 8-25)
- स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1-25)

20 मिनट
- **रिमीडियल कार्य (सप्ताह के दिवस 1-5 में)** इस पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई है।

पठन अभ्यास (सप्ताह 1-7)

सप्ताह 1-7 में कालांश 3 के शुरुआती 20 मिनट में पठन अभ्यास कार्य किया जाएगा। शुरुआती 4 सप्ताह के पठन अभ्यास डिजिटल मोड में दिए जाएँगे। शिक्षक इन्हें बोर्ड पर लिखकर पठन अभ्यास कराएँ। पठन अभ्यास पर कार्य करने के चरण नीचे दिए गए हैं-

दिवस 1

- पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। इस दौरान सभी बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- पठन के अंत में कुछ शब्दों पर रुककर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों को उन्होंने कहाँ/कब सुना है? आदि।

दिवस 2

- पिछले दिवस के पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर उनके पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 8-25)

सप्ताह 8-25 में कालांश 3 के शुरुआती 20 मिनट में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य करने के चरण नीचे दिए गए हैं-

1. आप आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल व कार्यपुस्तिका रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
2. एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी कार्यपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन का पाठ पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उसके प्रवाहपूर्ण पठन की जाँच करें।
3. बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उसकी संख्या प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के सामने दिए गए खाली बॉक्स में लिखें।
4. प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 25% बच्चों से कराएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

- आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और कार्यपुस्तिका की एक प्रति रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
- एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी कार्यपुस्तिका से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।
- बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।
- बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।
- जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाइन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह सही पढ़ लेता है तो फिर उसे छोड़ दें।
- जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर '|' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' बॉक्स में लिखें।
- साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

- उस बच्चे के आकलन की जानकारी साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में भरें।
- फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1-25)

कालांश 3 में सप्ताह 1-25 के दिवस 5 में स्वतंत्र पठन का कार्य किया जाएगा। इस पर कार्य के चरण नीचे दिए गए हैं-

- बच्चों को पुस्तकालय की किताब/अभ्यासपुस्तिका से अपनी पसंद की कहानी/पाठ चुनने को कहें और उन्हें स्वयं से पढ़ने को कहें। इसके लिए उन्हें 10-12 मिनट का समय दें।
- बच्चे अपने साथी के साथ या स्वयं स्वतंत्र पठन करें।
- सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करने, उनकी रूचि बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

☞ **रिमीडियल कार्य की विस्तृत योजना भाग (आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य) में दी गई है।**

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए, दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित होता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

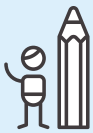

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी सहायता करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन, व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

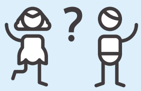

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में, सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए गए संवाद से सामान्य भूल का पता चलता है।

3. बच्चों की सहायता के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में सहायता करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार, उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

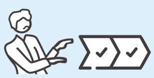

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्य योजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार, शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढ़ने में सहायता करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिन्हित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकतानुसार बदलाव और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन की रणनीति

साप्ताहिक आकलन

प्रत्येक सप्ताह के छठे दिवस में

- सप्ताह 1-7 में डिकोडिंग की दक्षताओं से संबंधित आकलन
- सप्ताह 8-25 में समझ के साथ पढ़ने से संबंधित आकलन

बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा आकलन

- इस अकादमिक वर्ष में न्यूनतम 2 बार निपुण असेसमेंट टेस्ट (NAT) किया जाएगा।
- NAT निपुण सूची की दक्षताओं एवं अब तक सिखाई गई दक्षताओं पर आधारित होंगे।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य

अकादमिक सत्र में प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन साप्ताहिक आकलन किया जाएगा, ताकि बच्चों को आ रही कठिनाइयों का नियमित रूप से पता चलता रहे।

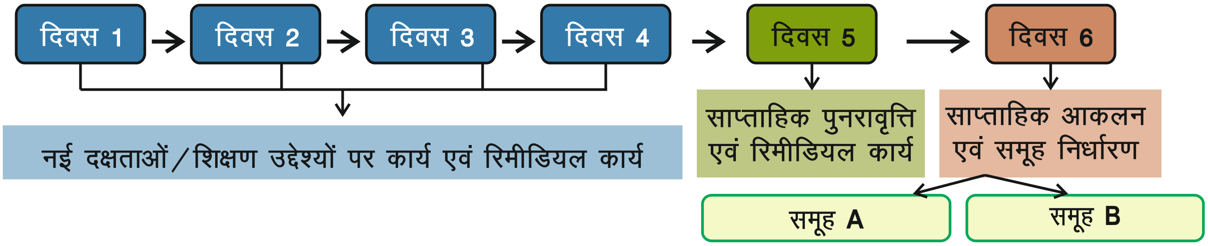

दिवस-5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन साप्ताहिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। आप इसके लिए शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका को उपयोग में लें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति मुख्यतः दो प्रकार से की जाएगी–
  - **सप्ताह 1 से 4 में** डिकोडिंग पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य
  - **सप्ताह 5 से 25 में** पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधि एवं पढ़कर समझने (स्तरित पाठ) पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

दिवस-6 : आकलन 'मैंने सीख लिया'

- साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों की पहचान करना है, जो लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही उन दक्षताओं को चिह्नित करना, जिनमें कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है। फिर इन दक्षताओं का रिमीडियल कार्य अगले सप्ताह में करना।

सप्ताह 1-7 में आकलन

आकलन के आधार पर आपको बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे। बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटें–

समूह A : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक पाए हैं। (रिमीडियल कार्य)

समूह B : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% या उससे अधिक अंक पाए हैं। (पुनरावृत्ति कार्य)

जब आप **समूह-A** के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों, तब कक्षा के **समूह-B** के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

सप्ताह 8-25 में आकलन

साप्ताहिक आकलन में पढ़कर समझने का आकलन किया जाना है। पढ़कर समझने के आकलन के लिए कार्यपुस्तिका में सप्ताह के छठे दिन में दिए गए 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा। इस पाठ से पढ़कर समझने के लिए आकलन में दो प्रक्रियाएँ होंगी–

'मैंने सीख लिया' पाठ बच्चों से बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर, पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में उनकी कार्यपुस्तिका में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं, तो उसे पढ़ने से रोक दें और उनके साथ **समूह-A** के अनुसार कार्य करें।

'मैंने सीख लिया' पाठ पढ़ने के बाद नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- जब बच्चों ने पाठ पढ़ लिया हो, तब उनसे एक-एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग-अलग हो सकता है। जिस प्रश्न का उत्तर बच्चे न दे पाएँ, उसका अंक न दें।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है, तो उससे प्रश्न न करें।

सप्ताह 1-7 में रिमीडियल कार्य

दो समूहों में कार्य

समूह-A: जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ रिमीडियल कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ। वर्णों/ अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ। वर्ण/अक्षर को लिखवाएं।

शब्द स्तर का कार्य
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास। वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (पहले आप करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)

समूह-B: जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ पुनरावृत्ति कार्य

आप इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल।
- कहानी की किताबें/कार्यपुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना।

सप्ताह 8-25 में रिमीडियल कार्य

स्तर	समूह बनाने के लिए स्थिति	रिमीडियल कार्य की रणनीति	रिमीडियल कार्य के लिए आगे की योजना
समूह A	**स्तर 1:** यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।) **स्तर 2:** यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दिया/नहीं दिया। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें।)	आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। **वर्ण/अक्षर स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षर की पहचान का कार्य। • वर्ण/अक्षर को लिखना। **शब्द स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखना।	• यहाँ यह समझना जरूरी है कि **समूह-A** के बच्चों के साथ सतत रूप से कार्य करने से ही बदलाव होगा। इसके लिए इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द/ वाक्य पठन पर प्रतिदिन रिमीडियल कार्य के दौरान कार्य करें। इन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया के दौरान प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें एवं आवश्यकता अनुसार सहायता करें।
समूह B	**स्तर 3:** यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दे पाता है/नहीं दे पाता है। **स्तर 4:** यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और तीन प्रश्नों में से कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	• आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। • जोड़ियों में अन्य पाठ पढ़ने के लिए कहना एवं प्रश्न पूछना और जवाब देना। • बच्चों से आकलन के प्रश्नों के उत्तर को लिखने के लिए कहना।	• मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से खुले छोर के प्रश्नों को पूछते हुए पढ़े गए पाठ पर उनकी समझ को समृद्ध करने का अभ्यास करवाएँ। • इसके साथ-साथ बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ चुनौतीपूर्ण पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

दैनिक रिमीडियल कार्य की रणनीति

'रिमीडियल' एवं उसकी आवश्यकता

प्रायः यह देखा जाता है कि कक्षा के कुछ बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप अपेक्षित कार्य कर पाने में असमर्थ होते हैं। इस असमर्थता के अनेक कारण हो सकते हैं, जैसे- बच्चे का कम गति से सीखना, पारिवारिक समस्याएँ, बच्चे का सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की स्थिति, किसी विशेष दिवस में कार्य करने का मन ना होना, शिक्षण प्रक्रिया का रोचक ना होना, कक्षा वातावरण नीरस होना, इत्यादि। जब कोई बच्चा उक्त किसी भी कारण से कक्षावार कौशल एवं दक्षता सीखने में असमर्थ होता है, तब उसे एक विशेष प्रकार के सुनियोजित शिक्षण या सहयोग की आवश्यकता होती है, जिससे वह कक्षा में संचालित शिक्षण के बीच की कमी को पूरा कर सके। इस विशेष सुनियोजित शिक्षण कार्य को ही रिमीडियल कार्य कहा जाता है।

एक ही कक्षा के बच्चों में कौशलों एवं सीखने की भिन्नता के कारण अलग-अलग स्तर देखे जा सकते हैं। इन अलग-अलग स्तरों की पहचान साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के आधार पर की जानी है। साप्ताहिक आकलन के माध्यम से कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटना प्रस्तावित है :

साप्ताहिक आकलन

→ समूह A

→ समूह B

समूह-A में 50 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बच्चे होंगे, जिन्हें आपके अधिक सहयोग की आवश्यकता है।
समूह-B में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चे होंगे, जो आपके निम्नतम सहयोग से अपनी सीख को बेहतर कर सकेंगे।

'रिमीडियल' कार्य कब करवाया जाएगा

साप्ताहिक आकलन से रिमीडियल कार्य की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करने के बाद अगले सप्ताह के प्रत्येक दिन (दिवस 1-5) इन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाया जाएगा। इसके लिए भाषा शिक्षण के **तीसरे कालांश में अंतिम 20 मिनट** का समय निर्धारित किया गया है।

कालांश-1 मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन कार्य → **कालांश-2** पाठ्यपुस्तक आधारित लेखन और समझ के साथ पठन कार्य → **कालांश-3** पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य और रिमीडियल कार्य

समूह-A के साथ रिमीडियल कार्य की योजना

समूह-A अधिक सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों का समूह है, जो सामान्यतः वर्ण या शब्द स्तर पर होंगे। इस समूह के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण योजनाएँ बनाकर शिक्षण कार्य करने की आवश्यकता है।

समूह-A की रिमीडियल शिक्षण योजना बनाते समय आपको डिकोडिंग सीखने की प्रक्रिया के मुख्यतः 3 स्तरों को ध्यान में रखना होगा-

वर्ण पहचान → अक्षर (वर्ण-मात्रा) पहचान → अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना

इन तीनों स्तरों पर कार्य करने के लिए हमें नीचे दिए गए क्रम में काम करने की योजना बनाने की आवश्यकता है -

1. वर्ण पहचान → 2. क्रमिक और मिश्रित ग्रिड से वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान → 3. अक्षरों को जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग) → 4. अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (शब्द पठन)

ध्यान रखें, बच्चों के डिकोडिंग कौशल के स्तर के अनुसार उपयुक्त चरण का चुनाव किया जाना चाहिए।

चरण 1 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचान नहीं कर पाते, उनके साथ चरण 1 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।

चरण 2 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचानते हैं, पर अक्षर नहीं पहचानते, उनके साथ चरण 2 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।
जब बच्चे कुछ अक्षर पहचानने लगें तो आप चरण 4 पर काम शुरू कर सकते हैं।

चरण 3 से 4 तक

जो बच्चे अक्षर पहचानते हैं, पर अक्षर जोड़ कर शब्द नहीं पढ़ पाते, उनके साथ चरण 3 व 4 की गतिविधियों की मदद से काम करें।

चरण 1 : वर्ण पहचान

वर्ण पहचान के लिए पहले बच्चों को मौखिक रूप से अलग-अलग शब्दों को बोलने और प्रथम, मध्य व अंतिम ध्वनि को पहचानने का अवसर दें। फिर ध्वनि को प्रतीक से जोड़ें व उनको अलग-अलग तरीके से प्रतीक को पहचानने और लिखने का अवसर दें। हम यहाँ वर्ण पहचान के सभी चरणों पर विस्तार से बात नहीं कर रहे हैं, इसके लिए आप इस संदर्शिका में दिए गए चरणों के अनुसार देखकर कार्य करवाएँ।

चरण 2 : क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान

क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान पर कार्य करने की रणनीतियाँ नीचे दी गई हैं-

2A. क्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान

इस तरह की क्रमिक ग्रिड के साथ वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान का काम करवाएँ -

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने को कहें और आप स्वनिर्मित ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड दें। आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली या कंकड़ रखें।

क्रमिक ग्रिड

म	मा
स	सा
ह	हा
ज	जा

अक्षरों पर काम करते समय ध्यान रखें -

2B. अनुक्रमिक ग्रिड से अक्षर पहचान

क्रमिक ग्रिड पर अभ्यास के बाद वैसा ही अभ्यास स्वनिर्मित अनुक्रमिक ग्रिड के साथ करवाएँ।

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने के लिए कहें और आप ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड या अक्षर कार्ड बनाकर दें। फिर आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली रखें।

अनुक्रमिक ग्रिड

न	मा	की	या
च	फ	ला	ठ
टा	गा	ब	इ
घ	त	ह	रा

चरण 3 : अक्षरों को जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग)

बच्चे कुछ अक्षरों को पहचानने लगें तो उनके साथ ब्लेंडिंग का अभ्यास शुरू कर दें -

- आप परिचित अक्षरों की स्वनिर्मित ग्रिड पर दाएँ से बाएँ व ऊपर से नीचे दो-दो अक्षरों पर गोला लगाते हुए एक साथ तेजी से बोलें व बच्चों को अपने साथ बोलने के लिए कहें।
- क्योंकि यहाँ ध्यान अक्षरों को एक साथ बोलने पर है, इसलिए ये शब्द अर्थपूर्ण भी हो सकते हैं व अर्थहीन भी। जैसे कि लाब, माली, मीक, कमा, बमी, बाबा, लामा आदि।
- अक्षरों को जोड़कर एक साथ बोलने का अभ्यास स्वनिर्मित अक्षर कार्ड के साथ व बोर्ड/नोटबुक पर लिखकर भी करें। अक्षर कार्ड के जोड़े दिखाएँ या बोर्ड/नोटबुक पर लिखें व एक साथ जोड़कर तेजी से बोलें व बच्चों से भी बोलने को कहें। फिर आप 2-3 अक्षरों के जोड़े एक साथ लिखें व बच्चों को उन्हें तेजी से एक साथ जोड़कर बोलने के लिए कहें।

चरण 4 : अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (शब्द पठन)

बच्चे ब्लेंड करने में सहज हो जाएँ तो उन्हें स्वयं शब्द बनाने व शब्दों को पढ़ने, लिखने के ज्यादा से ज्यादा मौके दें। आप सरल ग्रिड से शुरू करते हुए ऐसी ग्रिड की तरफ बढ़ें, जिनसे 3-5 अक्षरों के विभिन्न अर्थपूर्ण शब्द बन पाएँ। बच्चों को अपने मार्गदर्शन में व स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए दें।

अक्षर कार्ड

के	रा

समूह-B के साथ स्वतंत्र कार्य योजना

साप्ताहिक आकलन के आधार पर समूह-B के बच्चे पिछले आकलन तक सिखाए गए वर्ण और मात्राओं को पहचानकर उनसे बनने वाले शब्दों को भी पढ़ पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण की आवश्यकता नहीं है, किन्तु उन्हें सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहने के लिए कुछ गतिविधियों पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

समूह-B के बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण कार्य के समय में निम्न गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से करने को कहें-

शब्द लेखन
किसी थीम का नाम बोर्ड/नोटबुक पर लिख दें, जैसे- रसोई, फल, फूल, खेल आदि और बच्चों को उस थीम से जुड़े अधिकतम शब्दों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें।

ग्रिड से वर्ण/अक्षरों से शब्द बनाना
अब तक सिखाए गए वर्णों और मात्राओं को ग्रिड में बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को उन वर्णों और मात्राओं से मिलकर बनने वाले शब्दों को लिखने को कहें।

अनुच्छेद लिखने का प्रयास करना
बच्चों के लिए बोर्ड/नोटबुक पर अनुच्छेद लेखन के लिए लिखें, जैसे- साफ-सफाई, मेरे पसंदीदा खेल, मेला, पानी की बचत आदि और बच्चों से इनके छोटे-छोटे अनुच्छेद लिखने को कहें। अनुच्छेद के स्थान पर पहले सिर्फ चित्र और अगले चरण में अनुच्छेद के साथ चित्र भी बनाने के लिए कहें।

शब्द से वाक्य बनाना
कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से उन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाकर लिखने को कहें। अगले चरण में एक से अधिक शब्द तथा किन्हीं दो शब्दों के उपयोग से एक वाक्य लिखने को कहें।

शब्द से प्रश्न बनाना
बच्चों के लिए कुछ प्रश्नवाचक शब्द बोर्ड पर लिख दें, जैसे- कब, क्यों, कैसे, कहाँ आदि। फिर प्रत्येक से 1-2 प्रश्न बनाने को कहें।

शब्द अन्त्याक्षरी को आगे बढ़ाना
कोई एक शब्द बच्चों के लिए बोर्ड पर लिखकर दें और उसके अंतिम वर्ण से नया शब्द बनाकर बच्चों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें। बच्चों से इस प्रक्रिया को दोहराते हुए जारी रखने को कहें।

समूह B के कार्य का अवलोकन एवं जाँच करें तथा आवश्यकतानुसार फीडबैक दें।

मौखिक भाषा विकास का आकलन

डिकोडिंग/पढ़कर समझने की प्रक्रिया की तुलना में मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का आकलन करना थोड़ा जटिल कार्य है। डिकोडिंग/पढ़कर समझने की प्रक्रियाओं में वर्णों/अक्षरों की पहचान, शब्द/वाक्यांश/वाक्य/पाठ पठन को आसानी से आकलित किया जा सकता है क्योंकि इसमें भाषा की संरचनात्मक पहलुओं की जाँच ज्यादा होती है। मौखिक भाषा विकास में मुख्य रूप से बोलना, समझकर बोलना, कल्पना, अनुमान, विश्लेषण आदि दक्षताओं के उपयोग के आधार पर अपने विचार साझा करने की दक्षताओं का आकलन किया जाता है। ये सभी दक्षताएँ संरचनात्मक होने के बजाय रचनात्मक या गुणात्मक ज्यादा हैं। रचनात्मक या गुणात्मक चीजों के आकलन के लिए हमारे पास एक सशक्त आकलन टूल/निर्देश का होना अति आवश्यक है।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु आवश्यक परिस्थितियाँ

मौखिक भाषा विकास का प्रभावी आकलन तभी किया जा सकता है, जब बच्चों को वैसी परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जाएँ, जिनमें वे मुखर तरीके से अपने विचारों को व्यक्त कर सकें। आवश्यक परिस्थितियाँ कैसे बनाई जा सकती हैं, इसके लिए नीचे दिए गए प्रमुख बिन्दुओं को देखा जा सकता है –

- बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण होने चाहिए, ताकि बच्चे बेझिझक अपने विचार को कक्षा-कक्ष में रख सकें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में संवाद करने के पर्याप्त अवसर दिए जाएँ।
- मौखिक भाषा के विकास की दक्षताओं का अवलोकन बेहतर तरीके से किया जा सके, इसके लिए आपको पहले कालांश में पाठ्यपुस्तकों एवं शिक्षण अधिगम सामग्रियों का योजना अनुसार उपयोग करना होगा।
- एक शिक्षक के रूप में आपको यह सुनिश्चित करना ही होगा कि बच्चा स्वतंत्र रूप से, जोड़ियों/समूहों में अधिक से अधिक बोले (न्यूनतम 2 बार से अधिक तो अवसर हर बच्चे को देना ही होगा)।
- पहले और दूसरे कालांश में चर्चाओं के दौरान जब भी खुले छोर के प्रश्न कक्षा-कक्ष में पूछे जाएँ, तो एक शिक्षक के रूप में आपको सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे पूरे-पूरे वाक्यों में ही उत्तर दें।
- बच्चों को खुले छोर के प्रश्नों के जवाब देने के दौरान, कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के दौरान अथवा अनुभव आदि साझा करने के दौरान पूरे-पूरे वाक्यों में उत्तर/विचार रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
- कक्षा-कक्ष की शिक्षण प्रक्रियाओं के दौरान अगर कोई बच्चा अपने विचार रखने में झिझकता है, तो उसे उसके विचार रखने हेतु प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन की प्रक्रियाएँ

मौखिक भाषा विकास के आकलन में हमें सतत रूप से बच्चों को अवलोकित करते रहना होगा, ताकि हम अपने अनुभवों के आधार पर उनका अवलोकन करके कोई निष्कर्ष निकाल सकें और जरूरत अनुसार बच्चों की समय से सहायता भी कर सकें। बेहतर तरीके से मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु जो प्रक्रियाएँ की जानी चाहिएं, उनका विवरण नीचे देखा जा सकता है –

- प्रत्येक बच्चे का प्रति सप्ताह कम से कम 2 बार मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आधार पर अवलोकन अवश्य किया जाए।
- किसी बच्चे का 2 बार अवलोकन करने के बाद ही आकलन ट्रैकर में मौखिक भाषा विकास सम्बन्धी परिणाम भरे जाएँ।
- जब बच्चे स्वतंत्र रूप/जोड़ियों में बात कर रहे हों, तभी मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का अवलोकन किया जाए। वैसे बेहतर तो यही होगा कि जब बच्चे स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर रहे हों, तो उस समय के अवलोकन को प्राथमिकता दी जाए।
- बच्चों के मौखिक भाषा विकास की दक्षताओ को तभी पूर्ण मानें, जब वे पूरे-पूरे वाक्यों में अपनी बात रखते हों (वाक्यों की सीमा प्रत्येक कक्षा में सप्ताहवार अलग-अलग है और आकलन ट्रैकर में स्पष्ट रूप से वर्णित है)।
- बच्चे जो भी विचार रखें, वह संदर्भ/विषय से जुड़ा हो और उनमें तारतम्यता/क्रमबद्धता होनी चाहिए, जैसे- अगर मेले पर अनुभव सुना रहे हों तो मेले की विषयवस्तु पर ही बात रखें, क्रमवार रखें, जैसे- मुझे मेला अच्छा लगता है, मैं .... मेले में गया, वहां खूब खिलौने... खरीदे.. आदि।
- बच्चों के बोले गए वाक्य, व्याकरण की दृष्टिकोण से भी सही होने चाहिएं, जैसे- लिंग, वचन, सर्वनाम, काल आदि का समुचित प्रयोग।

कहानियाँ

1. महागिरि

महागिरि एक विशालकाय हाथी था। एक व्यापारी उसका मालिक था। वह अक्सर महागिरि को जंगल में बड़े-बड़े लट्ठे ढोने के काम में लगाता। शादी-ब्याह में वह महागिरि को दूल्हे की सवारी के लिए भेज देता। जब कभी मंदिर में कोई उत्सव होता, तो वह महागिरि को जुलूस में सबसे आगे चलने के लिए भेजा करता था। एक बार गाँव वाले मंदिर में कोई उत्सव मनाना चाहते थे। लेकिन मंदिर में ध्वज फहराए बिना उत्सव कैसे शुरू हो सकता था। मंदिर में ध्वज तो था, पर उसे फहराने के लिए खंभा नहीं था।

इसलिए गाँव वाले पास के जंगल में गए और उन्होंने एक ऊँचे-से सागौन के पेड़ को काट गिराया। उन्होंने पेड़ के तने से एक खंभा तैयार किया। खंभा काफी लंबा और भारी था। गाँव वाले उसे उठा नहीं पाए। इसलिए इसे मंदिर तक ले जाने के लिए महागिरि को लाया गया।

गाँव वालों ने मंदिर के सामने एक गड्ढा खोदा। वे चाहते थे कि महागिरि खंभे को इस गड्ढे में गाड़ दे। महागिरि खंभे को गड्ढे तक ले गया। तभी अचानक वह रूका और एकदम पीछे हट गया। महावत ने महागिरि को खंभा गड्ढे में गाड़ने के लिए हांका, परंतु वह अपनी जगह से न हिला। महावत ने उसे डंडे से पीटा। फिर भी महागिरि अपनी जगह से नहीं हिला। उसे पीटते-पीटते महावत का डंडा टूट गया। यह देख लोगों को बहुत गुस्सा आया। वे महावत को बुरा-भला कहने लगे कि वह एक निकम्मा महावत है। यह सब सुनकर महावत को गुस्सा आ गया। उसने अपना छुरा निकाला और महागिरि की गर्दन पर कई वार किए। महागिरि दर्द के मारे तिलमिला उठा। उसने खंभे को दूर फेंक दिया। महागिरि ने चिंघाड़कर, जोर से झटका दिया। महावत दूर जा गिरा। यह देख लोग बहुत डर गए। उन्होंने सोचा कि महागिरि पागल हो गया है। वे सब वहाँ से भाग खड़े हुए। महागिरि अब वहाँ अकेला था।

वह गड्ढे के पास आया और घुटनों के बल बैठ गया। फिर उसने अपनी लंबी सूंड़ गड्ढे में डाली और वहाँ से कोई चीज निकाली। धीरे से उसने इस चीज को जमीन पर रख दिया। यह एक छोटी-सी बिल्ली थी। वह गड्ढे में छिपी बैठी थी। गाँव वाले दूर खड़े महागिरि की हरकत देख रहे थे। अब उनकी समझ में आया कि महागिरि, महावत का आदेश क्यों नहीं मान रहा था। महागिरि उस बिल्ली को चोट नहीं पहुँचाना चाहता था। अब लोग खुशी से महागिरि की तरफ दौड़े। तब जाकर महागिरि ने भारी खंभे को उठाया और उसे गड्ढे में टिका दिया। वह उसे अपनी सूंड से पकड़े रहा ताकि लोग गड्ढे में मिट्टी भर दें।

उस दिन से महागिरि सबका चहेता बन गया। बच्चे उसे बहुत प्यार करते। जब कभी व्यापारी बच्चों को महागिरि पर मुफ्त सवारी करने देता, तो वे बहुत ही खुश होते।

2. पेटू कौन?

अकबर को खाने का बहुत शौक था। इसलिए महल के बगीचे में बार-बार दावतों का आयोजन होता रहता था। इन दावतों में अकबर दरबारियों के साथ बैठकर तरह-तरह के व्यंजनों का स्वाद लिया करता था। यदि बीरबल भी साथ होता, तो फिर कहना ही क्या था?

एक बार ऐसी ही एक दावत आयोजित की गई थी। बीरबल, अकबर के पास बैठा था। भोजन के बाद खजूर की कटोरियां आई। अकबर और बीरबल खजूर खाते और गुठलियां कुर्सियों के नीचे डाल देते। थोड़ी देर में कुर्सियों के नीचे गुठलियों के छोटे- छोटे ढेर लग गए। गुठलियों का ढेर देखकर, अकबर ने सोचा, 'मैं आज बीरबल का खूब मजाक उड़ाऊँगा।' उसने चुपके से अपनी कुर्सी के नीचे की गुठलियां पैर से बीरबल की कुर्सी के नीचे सरका दीं। बीरबल को इसका पता नहीं चला। फिर अकबर

एकाएक खड़ा हो गया। सभी दरबारियों को सुनाते हुए, वह जोर से बोला, 'अरे बीरबल। तुम कितने सारे खजूर खा गये ? तुम इतने पेटू हो, यह तो मुझे मालूम ही नहीं था।' सभी दरबारी बीरबल की कुर्सी के नीचे, गुठलियों का ढेर देखकर, बादशाह का समर्थन करने लगे। बीरबल, अकबर की चालाकी समझ गया। वह भी बहुत चतुर था। उसका मजाक उड़ाया जाए और वह चुप रहे, यह कैसे हो सकता था? उसने तुरन्त अकबर से कहा, 'जहाँपनाह, आपकी बात सच है। मैं पेटू हूँ, यह सही है। मैंने बहुत सारे खजूर खाए हैं, यह भी सच है। लेकिन आप सारे खजूर गुठलियों सहित कैसे खा गए, इस बात का मुझे आश्चर्य हो रहा है।' फिर उसने दरबारियों से अकबर की कुर्सी के नीचे देखने के लिए कहा। दरबारियों ने देखा, तो वहाँ एक भी गुठली नहीं थी। चारों ओर हँसी की लहर फैल गई। अकबर, बीरबल का मजाक उड़ाने गया था। लेकिन खुद ही मजाक का पात्र बन गया। अकबर शरमा गया। लेकिन बीरबल, अकबर को बहुत प्रिय था। उसने बीरबल को शाबाशी दी और दावत जारी रही।

3. हीरा

एक सरकस था। उसमें बहुत सारे हाथी काम करते थे। उनमें एक नन्हा हाथी था। नन्हे हाथी का नाम था- हीरा। हीरा सूँड से बाजा बजाता था। ढोल के साथ घुंघरू बँधवा कर, ठुमक-ठुमक कर नाचता था। बच्चों को हीरा बहुत अच्छा लगता था।

एक दिन सरकस के मालिक ने देखा कि हाथियों के लिए खाना नहीं है। उसने नौकरों को बुलाकर कहा, 'सब हाथियों को जंगल में ले जाओ और इनको मन भरकर, हरे-हरे पत्ते खिलाकर ले आओ।' नौकरों ने ढोल बजाए और हाथियों को जंगल में ले गए। हीरा एक बड़े हाथी की दुम पकड़कर गया। जंगल में पहुँचकर हाथी बड़े खुश हुए। सबने पेट भर कर हरे-हरे पत्ते खाए। पके-पके जंगली फल भी खाए। फिर जंगल के तालाब में नहाए और पानी में खेले। सरकस के नौकरों ने हाथियों को बुलाने के लिए ढोल बजाए। ढोल की आवाज सुनकर, सारे हाथी आ गए और नौकरों के साथ लौट गए।

हीरा हरे पत्ते खाकर और पानी में खेलकर सो गया था। वह जंगल में अकेला रह गया। जब वह उठा, उसने इधर देखा, उधर देखा, उसे कोई भी नहीं दिखाई दिया। उसको सरकस तक पहुँचने का रास्ता नहीं पता था। वह नदी के किनारे-किनारे चलने लगा।

हीरा थोड़ी दूर ही चला था कि उसे शेर की दहाड़ सुनाई दी। हीरा ने जल्दी से अपनी सूँड में पानी भरा और एक बड़े बरगद के पीछे छिप गया। शेर ने देख लिया और दहाड़कर बोला, 'हाथी के बच्चे**!** मैं तुझको खाऊँगा।'

जैसे ही शेर बोला, हीरा ने फू.. फू.. फु.. करके, सूँड का सारा पानी शेर के ऊपर फुफकार दिया। शेर डर गया और दुम दबाकर भाग गया।

हीरा ने मुँह में फिर से पानी भरा और नदी के किनारे-किनारे चलने लगा। वह थोड़ी ही दूर पहुँचा था कि एक भेड़िया आ पहुँचा। भेड़िया जीभ चटकार कर बोला, 'हाथी के बच्चे**!** मैं भूखा हूँ, मैं तुझको खाऊँगा।' हीरा ने फू.. फू.. फु.. करके, मुँह का सारा पानी फुफकार दिया। भेड़िये ने जो बड़ा-सा फव्वारा देखा, वह सरपट जंगल की ओर भाग गया।

हीरा ने अपनी सूँड में फिर से पानी भरा और नदी के किनारे-किनारे चलने लगा। तभी उसने अपना नाम पुकारते हुए सुना। 'हीरा**!** हीरा **!** इधर आओ।' उसका महावत, उसे बुला रहा था। हीरा ने ढोल की आवाज भी सुनी। उसने जोर से चिंघाड़कर जवाब दिया।

उसका महावत और सरकस के नौकर वहाँ आ गए। हीरा उन्हें देखकर बड़ा खुश हुआ। सबने हीरा को बड़े प्यार से थपथपाया। हीरा के साथ वे सब सरकस में लौट आए। सरकस के सब लोग हीरा को देखकर बड़े खुश हुए। सरकस के मालिक ने मिठाई बाँटी और हीरा को अपने हाथ से खिलाई। हीरा ने चटपट मिठाई खा ली और सूँड़ उठाकर, हर एक को सलाम किया।

4. अट्टू-गट्टू

एक था अट्टू

एक था गट्टू

अट्टू और गट्टू घूमने चले, घूमते-घामते पहुँचे जंगल में।

जंगल में देखा छोटा-सा झुरमुट, छोटी-सी बेल और बड़ा-सा पेड़।

पेड़ पे चढ़ना नहीं आया!

जंगल में देखा छोटा-सा पोखर, छोटा-सा झरना और बड़ी-सी झील। पानी में तैरना नहीं आया!

चलते-चलते देखी छोटी-सी टेकरी, छोटा-सा टीला और बड़ा-सा पहाड़। पहाड़ पे चढ़ना नहीं आया !

जंगल में सुनी एक सियार की आवाज, एक बाघ की पुकार, एक शेर की दहाड़। डर के मारे भाग न सके!

अट्टू और गट्टू बहुत रोने लगे, दौड़ने लगे। डर के मारे घर की राह सूझे ना!

उधर से आए घोड़े दादा।

टप-टप-टप-टप घोड़े दादा। अट्टू-गट्टू बैठे घोड़े पर !

अट्टू और गट्टू हँसने लगे। टप-टप-टप चले घोड़े पे सवार!

5. भालू ने खेली फुटबॉल

सर्दियों का मौसम। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना, जामुन के पेड़ के नीचे पड़ा था। इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे, लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नजर जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी। आँखें फाड़ीं, अकल दौड़ाई- अहा फुटबॉल! (एक शेर का बच्चा गोल-मटोल होकर बैठा था।) सोचा, चलो इससे कुछ गर्मी हासिल की जाए। आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को। हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली, मगर डाल छूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को कैच कर लिया। अरे, यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने को कह रहा था। 'एक बार फिर भालू दादा...' दो बार... तीन बार... फिर बार-बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को उछलने में मजा आ रहा था। लेकिन भालू थककर परेशान हो गया था। 'ओह! किस आफत में आ फँसा।' बारहवीं किक लगाते ही भालू ने घर की ओर रेस लगाई और गायब हो गया। अबकी शेर का बच्चा धड़ाम से जमीन पर आ गिरा। चोट करारी लगी।

तभी पेड़ का मालिक वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा, 'सत्यानाश कर दिया पेड़ का। लाओ हर्जाना।' शेर के बच्चे ने कहा- 'जरा ठीक तो हो लूँ।' 'ठीक है।' पेड़ के मालिक के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ-दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा- 'जान बची तो लाखों पाए...।'

(साभार: एकलव्य)

6. भेड़िए को दुष्ट क्यों कहे हैं?

भेड़िया तो कुछ भी खा लेता है... छोटा नरम मेमना, तीन गोल-मटोल नन्हे सुअर या फिर चार नाजुक खरगोश। सब कहते हैं कि भेड़िए दुष्ट होते हैं। आओ तुम्हें बताता हूँ कि ऐसा क्यों कहते हैं....

बहुत दिनों की बात है, एक भेड़िया था, जो अपने नन्हे-मुन्नों के साथ रहता था। अभी वह दुष्ट, खूंखार भेड़िया नहीं बना था, बस एक आम भेड़िया था। एक दिन वह एक नन्हे मेमने से मिला, जो अपने झुण्ड से बिछड़ गया था। भेड़िए ने एक जोरदार मुस्कान से मेमने को सलाम किया। ऐसी मुस्कान कि उसके सारे चमाचम सफेद दाँत दिखने लगे। मेमना उन पैने दाँतों से ऐसा घबराया कि वह छुपने के लिए, अपने मित्र सूअरों के पास भागा।

सूअरों को उसने अपना रोमांचक किस्सा सुनायाः एक दुष्ट भेड़िए ने मुझ पर हमला किया। वह अपने नुकीले दाँतों से, मुझे काट खाना चाहता था।' मेमने कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। सूअर बेहद नाराज हुए। एक बेचारे छोटे-से मेमने पर हमला, वह भी बिना बात के, कितने शर्म की बात है। यह दुखद समाचार सूअर अपने पड़ोसी हंस के साथ कैसे न बाँटते।

'एक बड़े-से भेड़िए ने एक नन्हे मेमने पर हमला किया। वह अपने चक्कू जैसे बड़े-बड़े दाँतों से उसे खा जाना चाहता था।' सूअर कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। हंस को बड़ा गुस्सा आया।

एक छुटके निहत्थे मेमने पर हमला कितनी बदनामी की बात है। यह भयंकर समाचार वह गधे को जरूर बताएगी- "एक विशालकाय भेड़िया, तलवार जैसे बड़े-बड़े दाँतों वाला, मेमनों के एक पूरे परिवार को खा गया। वह उन्हें साबुत ही निगल गया।" हंस कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। गधे के दुख का ठिकाना न रहा। इस तरह बिना बात मेमनों के झुण्ड पर हमला! कैसी भयानक बात है! वह बिना समय गँवाए यह समाचार चूहे को देने पहुँचा- 'राक्षसों जैसे खूँखार भेड़ियों के एक दस्ते ने मेमनों के एक पूरे झुण्ड पर हमला किया है। उनके दाँत भालों जैसे बड़े-बड़े थे! एक भी मेमना नहीं बचा!'

गधे कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। चूहा दहलकर रह गया। एक बार में मेमनों का पूरा झुण्ड! यह सहा नहीं जा सकता! वह पक्का करता है कि यह घातक समाचार मुर्गों तक पहुँच जाए- "भेड़िए छुट्टे घूम रहे हैं। दुनिया के सब जानवर खतरे में हैं।"

सब तरफ अफरा-तफरी मच गई। जब मुर्गे छुपने की जगह ढूँढ रहे थे, उसी समय चूजों ने खबर को और फैला दिया। तो इस तरह यह अफवाह फैलती गई...और फैलती गई। जब तक कि सारे जानवर दुष्ट खूंखार भेड़िए की करतूतों को बखानने नहीं लगे- 'वह बदसूरत है,' किसी जानवर ने कहा।

'वह दुष्ट है'- दूसरा बोला। 'वह तो पूरा राक्षस है!' तीसरे ने कहा। हर कोई आतंकित है। 'जान बचाकर भागो!! एक खूँखार दरिंदा है। जो भी जानवर उसके सामने पड़ता है, वह उस पर हमला कर देता है। वह बहुत बड़ा है, बदसूरत है और बेहद भूखा।'

बातें चलती रही और एक दिन भेड़िए को दो चिड़ियों की बातचीत सुनाई दी- 'एक निर्दयी राक्षस अपने रास्ते में पड़ने वाली हर चीज को नष्ट करता जा रहा है।'

'निर्दयी राक्षस? बड़ी भयंकर बात है।' भेड़िया बुरी तरह घबरा गया। अचानक आसमान में अँधेरा छा गया और तूफान मँडराने लगा। बादल ऐसे जोर से गरजे कि भेड़िए को यकीन हो गया- राक्षस आ पहुँचा है और आज रात वह भेड़िये को खाना चाहता है। इससे पहले किसी ने एक भेड़िए को इतनी तेज और इतनी दूर तक भागते नहीं देखा था। वह फिर इस इलाके में कभी नहीं दिखा। भेड़िए कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं।

7. नटखट गधा

एक था गधा, धोबी का गधा। जब काम नहीं होता, तो वह दिन भर धोबीघाट के पास वाले मैदान में घास चरता और दौड़ लगाता रहता। जब उसका मन करता चींपों.. चींपों करने लगता। बिना कारण ही दुलत्ती झाड़ देता। ऐसी ही तरह-तरह की नटखटिया हरकतों के कारण, उसका नाम नटखट पड़ गया था। एक दिन नटखट ने देखा कि धोबीघाट के पास वाले मैदान में कुछ लोग तम्बू लगा रहे हैं। उसे कुछ समझ नहीं आया कि वहाँ क्या हो रहा है। नटखट ने दो धोबियों को आपस में बात करते सुना, 'अरे भैया, वैसे ही गधों को घास कम मिलती है। ऊपर से ये सरकस वाले आ धमके। पूरा मैदान घेर लिया। अब कहाँ चरेंगे गधे हमारे!'

नटखट ने सरकस का नाम पहली बार सुना था। उसने अपनी बिरादरी के सब लोगों से पूछा, 'सरकस क्या होता है?' किसी को नहीं मालूम था। अन्त में वह अपनी बिरादरी में सबसे बुद्धिमान समझे जाने वाले, बूढ़े गधे के पास पहुँचा। उसने भी अपनी लड़खड़ाती आवाज में कहा, 'पता नहीं बेटा! आज के जमाने में रोज नई-नई चीजें निकलती हैं। कहाँ तक जानकारी रखें।' चीपों... चीपों..

नटखट लगा चीपों... चीपों करने, 'गधे देश-दुनिया की कोई खबर नहीं रखते। बस अपने में खोए रहते हैं। इतना भी नहीं मालूम कि सरकस क्या होता है? पर मैं जरूर पता लगाऊँगा।' अगले दिन नटखट जा पहुँचा सरकस के पिछवाड़े। सामने के गेट पर तो चौकीदार था। नटखट ने इधर-उधर देखा और फिर धीरे से तम्बू के एक कोने से अपना सिर अन्दर घुसा दिया। अन्दर का दृश्य देखकर उसे बड़ा मजा आया। स्टेज पर अजीब-सी पोशाक पहने लोग घूम रहे थे। एक कोने में बैंड पार्टी बैठी थी। स्टेज पर हाथी, भालू, कुत्ते और तोते भी थे। वे तरह-तरह के करतब दिखा रहे थे। नटखट के हाथ-पैर भी कुछ कर दिखाने के लिए फड़फड़ाने लगे। वह धीरे से तम्बू के अन्दर आ गया। नटखट ने एक पल सोचा और फिर दौड़कर स्टेज पर जा पहुँचा। स्टेज पर हड़कम्प मच गया। जोकर नटखट को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ने लगे। थोड़ी देर बाद नटखट का मालिक धोबी भी उसे ढूँढता हुआ आ पहुँचा। वह भी उसे पकड़ने के लिए, स्टेज पर चढ़ गया। अब नटखट आगे और बाकी सब उसके पीछे। एक चक्कर, तीन चक्कर, चार चक्कर आखिरकार जोकर थककर बैठ गए। पर धोबी दौड़ता रहा। जैसे ही धोबी नटखट के करीब पहुँचता, वह जोर की दुलत्ती झाड़ देता। हर दुलत्ती पर दर्शकों में हँसी का फव्वारा छूट पड़ता। खासतौर से बच्चों को। नटखट और धोबी की धमाचौकड़ी देखकर, दर्शकों को बड़ा मजा आया। उस दिन नटखट ने जैसे सरकस के खेल में नई जान फूँक दी। लेकिन धोबी की जान में जान तब आई, जब उसने नटखट को पकड़ लिया। धोबी नटखट को लगभग घसीटते हुए ले जाने लगा। लेकिन नटखट का वहाँ से जाने का बिल्कुल मन नहीं था। तभी सरकस का मैनेजर स्टेज पर आ पहुँचा। मैनेजर को देखकर धोबी की घिग्घी बँध गई। वह सोचने लगा, इस गधे की वजह से अब मुझे भी मार पड़ेगी। मैनेजर ने पूछा, 'क्यों जी गधा बेचोगे?' यह सुनकर धोबी अचकचाया और गधा मन ही मन मुस्कुराया। धोबी बोला, 'फिर मेरे ग्राहकों के कपड़े कौन ढोएगा हुजूर?' देखो तुम्हारा यह नटखट गधा, सरकस का अच्छा कलाकार बन सकता है। मैनेजर बोला, 'ये लो दस हजार रुपये। तुम एक की जगह दो गधे खरीद लेना है। इतने रुपए देखकर धोबी फूला नहीं समाया। उसने खुशी-खुशी अपना गधा बेच दिया।

अब नटखट सरकस के हर शो में अपने करतब दिखाता है। डण्डे तो उसे अब भी खाने पड़ते हैं। पर नटखट को खुशी इस बात की है कि वह साधारण गधे से सबको हँसाने वाला गधा बन गया है।

8. खिचड़ी... एक लोककथा

एक बार बिरजू अपनी ससुराल गया। बिरजू की सासु माँ ने उसे दाल और चावल से बनी एक चीज खिलाई। बिरजू को उसका स्वाद बहुत अच्छा लगा। उसने पूछा, 'इसका नाम क्या है?' सासु बोली, 'खिचड़ी।' बिरजू ने सोचा, 'वापस घर जाकर भी, मैं खिचड़ी ही खाऊँगा।' लेकिन कहीं नाम न भूल जाए, इसलिए वह 'खिचड़ी-खिचड़ी' बोलता हुआ घर की तरफ चल दिया। चलते-चलते बिरजू का पैर एक गड्ढे में पड़ गया और उसे झटका लगा। झटके से हड़बड़ाकर बिरजू खिचड़ी के बदले 'खाचिड़ी' बोलने लगा। अब वह 'खाचिड़ी-खाचिड़ी' बोलता हुआ जा रहा था।

रास्ते में एक किसान अपने खेत में मक्के के बीज बो रहा था। उसे 'खाचिड़ी-खाचिड़ी' सुनकर बड़ा गुस्सा आया। किसान बोला, "मैं तो खेत में बीज बो रहा हूँ और यह कहता है 'खा-चिड़ी। ठहर जा! अभी बताता हूँ।' और वह बिरजू के पीछे दौड़ा। बिरजू घबराकर बोला, 'फिर मैं क्या बोलूँ?' किसान बोला, 'बोल उड़-चिड़ी।' बिरजू 'उड़चिड़ी-उड़चिड़ी' बोलता हुआ चलने लगा।

आगे रास्ते में एक बहेलिए ने चिड़ियों को पकड़ने के लिए जाल बिछा रखा था। उसे 'उड़चिड़ी' सुनकर बड़ा गुस्सा आया। बहेलिया गुस्से में बोला, 'मैं तो चिड़ियों को पकड़ रहा हूँ और यह कहता है, 'उड़-चिड़ी'। ठहर जा, अभी बताता हूँ।' वह भी बिरजू के पीछे दौड़ा। बिरजू घबराकर बोला, 'फिर मैं क्या बोलूँ?' बहेलिया बोला, 'बोल बैठ-चिड़ी।'

बैठ-चिड़ी

बैठ-चिड़ी

अब बिरजू 'बैठचिड़ी-बैठचिड़ी' बोलता हुआ जा रहा था। चलते-चलते उसे भूख लगने लगी। बिरजू एक होटल में गया और बोला, 'मैं बैठचिड़ी खाऊँगा।' होटल में किसी को समझ नहीं आया कि बिरजू क्या माँग रहा है।

मगर बिरजू 'बैठचिड़ी बैठचिड़ी' की रट लगाए था। होटल वालों को गुस्सा आ गया। उन्होंने बिरजू की जमके पिटाई कर दी। इतने में बिरजू की माँ वहाँ आ पहुँची। माँ बोली, 'अरे तुमने तो पीट-पीटकर, मेरे बेटे की खिचड़ी ही बना दी।' 'खिचड़ी!' सुनकर बिरजू खुश हो गया। बोला, 'हाँ-हाँ, मैं खिचड़ी ही तो खाना चाहता हूँ।'

9. शेर और किशमिश

एक खूबसूरत गाँव था। चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ। पहाड़ी के पीछे एक शेर रहता था। जब भी वह ऊँचाई पर चढ़कर गरजता था तो गाँव वाले डर के मारे काँपने लगते थे। कड़ाके की ठंड का समय था। सारी दुनिया बर्फ से ढकी हुई थी। शेर बहुत भूखा था। उसने कई दिनों से कुछ नहीं खाया था। शिकार के लिए वह नीचे उतरा और गाँव में घुस गया। वह शिकार की ताक में घूम रहा था। दूर से उसे एक झोपड़ी दिखाई दी। खिड़की में से टिमटिमाते दिए की रोशनी बाहर आ रही थी। शेर ने सोचा, यहाँ कुछ न कुछ खाने को जरूर मिल जाएगा। वह खिड़की के नीचे बैठ गया।

झोपड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज आई। ऊं. आं ऊं. आं। वह लगातार रोता जा रहा था। शेर इधर-उधर देखकर मकान में घुसने ही वाला था कि उसे औरत की आवाज आई- 'चुप रहो बेटा। देखो लोमड़ी आ रही है। बाप रे, कितनी बड़ी लोमड़ी है। कितना बड़ा मुँह है इसका। कितना डर लगता है उसको देखकर।' लेकिन बच्चे ने रोना बंद नहीं किया।

माँ ने फिर कहा- 'वह देखो, भालू आ गया। भालू खिड़की के बाहर बैठा है। बंद करो रोना नहीं तो भालू अंदर आ जाएगा', लेकिन बच्चे का रोना जारी रहा। उसे डराने का कोई असर नहीं हुआ। खिड़की के नीचे बैठा शेर सोच रहा था- 'अजीब बच्चा है यह, काश मैं उसे देख सकता। यह न तो लोमड़ी से डरता है, न भालू से।' उसे फिर जोर की भूख सताने लगी। शेर खड़ा हो गया। बच्चा अभी भी रोए जा रहा था।

'देखो... देखो...' माँ की आवाज आई, 'देखो शेर आ गया शेर, वह रहा खिड़की के नीचे।' लेकिन बच्चे का रोना, फिर भी बंद नहीं हुआ। यह सुनकर शेर को बहुत ताज्जुब हुआ और बच्चे की बहादुरी से उसको डर लगने लगा। उसे चक्कर आने लगे और बेहोश-सा हो गया। 'वह कैसे जान गई कि मैं खिड़की के पास हूँ।' शेर ने सोचा। थोड़ी देर बाद उसकी जान में जान आई और उसने खिड़की के अंदर झाँका। बच्चा अभी भी रो रहा था। उसे शेर का नाम सुनकर भी डर नहीं लगा। शेर ने आज तक ऐसा कोई जीव नहीं देखा, जो उससे न डरता हो। वह तो यही समझता था कि उसका नाम सुनकर दुनिया के सारे जीव डर के मारे काँपने लगते हैं। लेकिन इस विचित्र बच्चे ने मेरी भी कोई परवाह नहीं की। उसे किसी भी चीज का डर नहीं है। शेर का भी नहीं। अब शेर को चिंता होने लगी। तभी माँ की फिर आवाज सुनाई दी। 'लो अब चुप रहो। यह देखो किशमिश..।' बच्चे ने फौरन रोना बंद कर दिया। बिलकुल सन्नाटा छा गया। शेर ने सोचा- 'यह किशमिश कौन है? बहुत खूंखार होगा।' अब तो शेर भी किशमिश के बारे में सोचकर डरने लगा। उसी समय कोई भारी चीज, धम्म से उसकी पीठ पर गिरी। शेर अपनी जान बचाकर वहाँ से भागा। उसने सोचा कि उसकी पीठ पर किशमिश ही कूदा होगा।

असल में उसकी पीठ पर एक चोर कूदा था, जो उस घर में गाय-भैंस चुराने आया था। अंधेरे में शेर को गाय समझकर वह छत पर से उसकी पीठ पर कूद गया। डरा तो चोर भी। उसकी तो जान ही निकल गई, जब उसे पता चला कि वह शेर की पीठ पर सवार है, गाय की पीठ पर नहीं। शेर बहुत तेजी से पहाड़ी की ओर दौड़ा, ताकि किशमिश नीचे गिर पड़े, लेकिन चोर ने भी कसकर शेर को पकड़ रखा था। वह जानता था कि यदि वह नीचे गिरा, तो शेर उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। शेर को अपनी जान का डर था और चोर को अपनी जान का।

थोड़ी देर में सुबह का उजाला होने लगा। चोर को एक पेड़ की डाली दिखाई दी। उसने जोर से डाली पकड़ी और तेजी से पेड़ के ऊपर चढ़कर छिप गया। शेर की पीठ से छुटकारा पाकर उसने चैन की सांस ली। शेर ने भी चैन की सांस ली- 'भगवान को धन्यवाद मेरी जान बचाने के लिए। किशमिश तो सचमुच बहुत भयानक जीव है' और वह भूखा-प्यासा वापस पहाड़ी पर अपनी गुफा में चला गया।

10. बाघिन माँ

बात बहुत तो नहीं, पर पुरानी है। समझो, तुम्हारी पर-दादी या पर-नानी के जमाने की है। ऐसे तो कोई कहानी झूठ नहीं होती। यह भी एक सच्ची कहानी है। बात तब की है, जब बिजली केवल शहरों में थी। कई गाँव, जंगल से लगे थे। जंगल था, तो जंगल के डर भी थे। बाघ का डर, हाथी का डर, भेड़िए, लक्कड़बग्घे का डर! रात हुई नहीं कि आँगन में अँधेरा पसर जाता था। घर के भीतर टिमटिमाती ढिबरी या लालटेन की लौ, बस। बांस की चटाई की दीवारें और चार दीवारी भी बांस की। बाहर से ही पता चल जाता कि भीतर कोई है। नौ बजते-बजते सारा गाँव अँधेरे की चादर ओढ़ लेता। रोशनी का एकाध कतरा बाहर छिटक जाता, अगर कोई माँ अपने बच्चे को लोरी सुना रही होती या बटोरी हुई सूखी पत्तियां जलाकर दूध गरम कर रही होती ।

लल्ला लल्ला लोरी

दूध की कटोरी

चन्दा मामा दूर के पुए पकावे

'दूध पी ले नहीं तो बाघ मामा आ जाएगा।' बच्चा डरकर धुएं की गंधवाला दूध पी लेता। माँ अपने बच्चे को बाघ-मामा का डर दिखाकर दूध पिला देती। लेकिन बाघिन अपने बच्चों को न डराती, न ही उनका कोई मामा होता। बच्चों की भूख देख, बाघिन शिकार की तलाश में निकल जाती। उस रात कुछ ऐसा ही हुआ। बच्चे बाघिन को परेशान करने लगे थे। उन्हें माँस का स्वाद मिल चुका था। "चलो, चुपचाप छिप कर सो जाओ। मैं अभी आई।" कहती बाघिन निकल पड़ी।

जंगल-जंगल घूम लिया जी

कुछ ना मिला तो,

गाँव चलो जी।

बाघिन आई गाँव में। किसी को कोई खबर नहीं लगी। बाघ आए तो लोमड़ी रोए। लोमड़ी रोए तो कुत्ता भौंके। कुत्ता भौंके तो गाँव में किसी की नींद टूटे। खबर होती तो टीन-ढिंढोरा, थाली-कटोरा पीटते। बाघ भी दौड़ लगाता। दौड़ते-दौड़ते जो हाथ लगता, ले भागता। आज बाघिन आई है! वह दबे पाँव मुन्ना के आँगन में पहुँची। कुएं की ओट में छिप गई। अब दाँव लगाए बैठी है। तभी मुन्ने की माँ बाहर निकलती है। बाएं हाथ में कैरोसिन की कुप्पी में लपलपाती लौ है। उन्होंने कुएं से पानी खींचा। लोटे में वो भर ही रही थीं कि बाघिन दिख गई। वो न चिल्लाई, न दौड़ लगाई। घर में बच्चा रो रहा था। बाघिन ने शायद पहली बार इंसान-माँ को देखा था। इंसान-माँ ने भी पहली बार बाघिन-माँ को देखा था। दोनों की आँखें एक-दूसरे पर गड़ी हुई थीं। वह डरी नहीं। वह एकदम नहीं डरी, ऐसी बात नहीं, लेकिन घबराई नहीं। एकदम नहीं घबराई। उसने ढिबरी को इतना आगे कर दिया कि उसकी लौ बाघिन की आँखों के आगे रहे। माँ एक छाया-सी धीरे-धीरे पीछे सरकती रही। ऐसे कि कोई सूखा पत्ता भी न खड़के। बाघिन की आँखों में आँखें डाले कि वह अपनी जगह से हिलने न पाए। उसे लगे कि शिकार उसकी आँखों के आगे ही है। ढिबरी की लौ ने उसकी आँखों को चौंधिया दिया था।

बाघिन ने सोचा होगा कि मैं गाँव आई हूँ तो यह भी जंगल जा सकती है। मेरे बच्चे अकेले हैं। मेरा इंतजार कर रहे हैं। इसके हाथ में वो चीज है, जिसे जंगल में कभी नहीं देखा था! पूरे जंगल में फैल रही थी। मुझे वापस जाना चाहिए। पानी पीकर इसका बच्चा चुप हो जाएगा। मैं अपने बच्चों को कैसे चुप कराऊँ। तभी एक लोमड़, एक बत्तख लेकर भागा। उसने बाघिन को देखा। उसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। बत्तख को छोड़, वो दुम दबाकर भागा। तब तक मुन्ने की माँ अपने घर में घुस चुकी थी। दरवाजे की कुण्डी लगाकर खिड़की से देखने लगी थी। उधर बाघिन जंगल की ओर दौड़ने लगी। उसके मुँह में बत्तख थी, जिसे लोमड़ छोड़ भागा था। पलक झपकते वह अँधेरे में अँधेरा हो गई थी।

(साइकिल)

कविताएँ

ये बालगीत और कविताएँ अलग-अलग स्रोतों से ली गई हैं। हम उन सभी लेखकों/प्रकाशकों का आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कविताएँ इस संग्रह में शामिल की गई हैं। इनका उपयोग कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण में कर सकते हैं।

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।
बच्चे बोले चें चें चें,
अम्मा हम भी साथ चलें।

— निरंकार देव सेवक

नन्हा खरगोश

छोटा—सा नन्हा खरगोश,
देखो, देखो, उसका जोश।
धूप तापता दौड़ लगाता,
फिर झट झाड़ी में घुस जाता।

तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
तुम हो चंचल, बड़ी सयानी।
डाल—डाल पे झूमती हो,
फूल—फूल को चूमती हो,
इतनी मस्ती में मत आओ,
इन पंखों पर मत इतराओ।

हाथी

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले?
कान हिलाते कहाँ चले?
मेरे घर आ जाओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।

साभार : बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)

अद्दक—बद्दक

अद्दक—बद्दक चंपा,
उसमें गला घंटा।
बारह बजे की छुट्टी में
बारह मिट्ठू बैठे थे।
एक मिट्ठू कच्चा,
वही रंग का पक्का।

साभार : बैठ घोड़ा पानी पी (एकलव्य)

कोयल रानी

कोयल रानी, कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी?
किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी?

— शंकुतला सिरोठिया

दो आलू

एक प्लेट में दो आलू
मोटू बोला मैं खा लूँ
खाते–खाते थक गया
रोटी लेकर भाग गया
रोटी गिर गई रेत में
मोटू रोया खेत में

साभार : एक दो दस (एकलव्य)

जादू की गठरी

जादू की एक गठरी लाऊँ,
बच्चों में बच्चा बन जाऊँ।
एक जेब से शेर निकालूँ
एक जेब से भालू।
दोनों को झटपट खा जाऊँ,
जादू की जो गठरी लाऊँ।

– दामोदर अग्रवाल

शेख चिल्ली

एक था शेख चिल्ली।
उसने पाली बिल्ली।
बिल्ली गई दिल्ली।
दिल्ली में थी किल्ली।
किल्ली ऊपर चढ़ गई बिल्ली।
सबने उड़ाई खिल्ली।

गप्पू जी

आलू की पकौड़ी, दही के बड़े,
मुन्नी की चुन्नी में तारे जड़े।
मूँग की मंगोड़ी, कलमी बड़े,
मंगू की छत पर दो बंदर लड़े।
खस्ता कचौड़ी, कांजी के बड़े
गप्पू जी फिसले तो औंधे पड़े।

चूहा

वह देखो, वह आता चूहा
आँखों को चमकाता चूहा,
मूँछों में मुस्काता चूहा,
लंबी पूँछ हिलाता चूहा,
मक्खन, रोटी खाता चूहा,
बिल्ली से डर जाता चूहा।

मामा मटरू

मामा मटरू जब भी आते,
सोते तो सोते ही जाते।
सोते तो सोते ही जाते।
जब भी उन्हें जगाना होता,
ढम–ढम ढोल बजाना होता।
ढम–ढम ढोल बजाना होता।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर भरने हेतु निर्देश-

1. इस ट्रैकर में शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों की प्रगति साप्ताहिक रूप से भरा जाना अनिवार्य है।
2. तीनों कालांशों की शिक्षण योजना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सप्ताह में तीन दक्षताएँ दी गई हैं।
3. यदि बच्चा सप्ताह की निर्धारित दक्षता में निपुण है, तो उसके आगे '1' अंक लिखें अन्यथा '–' लगा दें।
4. मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के लिए बच्चे द्वारा सप्ताह में किए गए आपके अवलोकन के आधार पर ('1' या '–') दर्ज करें।
5. डिकोडिंग/पठन से संबंधित दक्षताओं के लिए कार्यपुस्तिका के दिवस 6 में दिए गए साप्ताहिक आकलन के प्राप्तांक के आधार पर 50 प्रतिशत या उससे अधिक के लिए '1' और 50 प्रतिशत से कम के लिए '–' दर्ज करें।
6. पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन संबंधित दक्षताओं में स्तर 3 व 4 के लिए '1' व स्तर 1 व 2 के लिए '–' दर्ज करें।
7. जिन बच्चों का आकलन नहीं हुआ है, उनकी जगह खाली रखेंगे।
8. बच्चों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर समूह निर्धारण एवं रिमीडियल कार्य किया जाएगा।
9. सप्ताह 13 और 20 में आकलन ट्रैकर NAT के आधार पर भरा जाएगा।

साप्ताहिक आकलन			Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 1		चित्र कहानी पोस्टर/सुनी हुई कहानी के बारे में अपने विचार 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 2		चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 3		चित्र कहानी पोस्टर/सुनी हुई कहानी के बारे में अपने विचार 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
		सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 4		चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार/परिचित/परिवेशिय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
		सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 5	सुनी हुई कहानी से संबंधित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर वाक्यों में दे पाना/ परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले परिचित शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-7 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 6	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	परिचित सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-8 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 7	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	परिचित सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-8 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 8	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन			Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 9		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 10		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		30 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 11		सुनी हुई कहानी में कहानी की शुरूआत, मध्य और अंत के बारे में अपने घर की भाषा में बता पाना।																														
		35 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 12		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 13	7-10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव-भाव एवं उतार-चढ़ाव के साथ सुनाना।																														
	घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ मिश्रित भाषा/हिन्दी में 2-3 वाक्यों में रखना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ना।																														
	विभिन्न उद्देश्यों के लिए जैसे किसी चित्र/कहानी/घटना पर अपने अनुभव/विचार साझा करने के लिए 1-2 वाक्यों में लघु संदेश लिखना।																														
सप्ताह 14	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	25-30 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 15	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	25-30 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 16	सुनी हुई कहानी में पात्र बदलकर नई कहानी सुना पाना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 17	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 18	सुनी हुई कहानी में अपने पसंदीदा पात्र के बारे में 2-3 वाक्यों में बता पाना।																														
	50 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 19	सुनी हुई कहानी में अपने पसंदीदा पात्र के बारे में 2-3 वाक्यों में बता पाना।																														
	60 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	40-45 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 20	कविता/कहानी से जुड़े 4-5 तथ्यात्मक एवं 2-3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर मिश्रित भाषा/हिन्दी में दे पाना।																														
	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को मिश्रित भाषा/हिन्दी में हाव-भाव करते हुए 6-8 वाक्यों में सुनाना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 50 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ लेना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ/10-12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 5 प्रश्नों (3 तथ्यात्मक एवं 2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) में से कम से कम 4 प्रश्नों का उत्तर मिश्रित भाषा/ हिन्दी में दे पाना																														
सप्ताह 21	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 21	65 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	40-45 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 22	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	70 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	45-50 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 23	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	75 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	45-50 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 24	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	50-55 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 25	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	55-60 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

- शिक्षण योजना
- वार्षिक साप्ताहिक ट्रैकर
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर
- संदर्शिका का उपयोग
- सैद्धांतिक पहलू

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

- सप्ताह
- शिक्षण उद्देश्य
- समय
- तैयारी
- शिक्षक के लिए बिंदु
- कालांश-1
- कालांश-2
- कालांश-3
- शिक्षक द्वारा चर्चा
- शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा
- 1 2 3 कालांश

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

- पाठ
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया
- सावधिक पुनरावृत्ति
- कार्यपुस्तिका ट्रैकर
- रंग भरना
- गोला लगाना
- सुनकर लिखना
- जोड़ों में कार्य

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे।
भारत–भाग्य–विधाता।।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग।
विन्ध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा,
उच्छल–जलधि तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन–गण–मंगलदायक जय हे,
भारत–भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

सत्र 2025-2026

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण: प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

उत्तर प्रदेश शासन

निःशुल्क वितरण हेतु